* *

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, गुरुवार 22 अगस्त 2024 ● भाद्रपद कृष्ण पक्ष 03 , संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 134 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

वीर शहीद नीलांबर पीतांबर की धरा से लातेहार, पलामू और गढ़वा की बहनों को खुशियों का उपहार

झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री

सम्मान राशि का करेंगे हस्तांतरण

पलामू प्रमंडल (लातेहार, पलामू और गढ़वा)
की सभी बहनों का समारोह में स्वागत है

झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना

हर बहना को हर साल ₹ 12 हजार

केवल 2 सप्ताह में 45 लाख निबंधन

अब तक 43 लाख बहनों का आवेदन स्वीकृत

31 अगस्त से पहले सभी बहनों के खातों में होगी एक हजार रुपये की सम्मान राशि (पहली किस्त)

सितंबर से हर महीने की 15 तारीख को हर बहन के खाते में बिना देर पहुँचेगी सम्मान राशि

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखण्ड सरकार

राजनीतिक उथल-पुथल : अब झारखंड की राजनीति में फिर से एक नए दल का उदय, पूर्व के इतिहास नहीं रहे हैं सुखद

नयी राह पर चलना कितना आसान होगा पूर्व सीएम चंपाई सोरेन के लिए?

कौशल आनंद। रांची

- बाबूलाल भी भाजपा से अलग होकर गठित कर चुके थे झाविमो, मगर अंततः कर दिया गया भाजपा में विलय
- पहले तुम, पहले तुम के चक्कर में बुरी तरह से फंस गए चंपाई, भाजपा और चंपाई दोनों की रणनीति को हेमंत ने किया फेल

अब यह तय हो चुका है कि चंपाई सोरेन कम से कम झामुमो में रहने वाले नहीं हैं. खुद चंपाई के बयानों से यह भी साफ हो गया कि वे अगल राह चलेंगे, जिसमें नयी क्षेत्रीय पार्टी का गठन भी विकल्प हो सकता है. इसके बाद अब झारखंड की राजनीति में फिर से एक नए दल के उदय की संभावना प्रबल हो गयी है. इसमें कोई दो राय नहीं है कि चंपाई सोरेन कोल्हान के टाइगर में अपनी हैसियत एवं रूतबा रखते हैं. वे गुरूजी के आंदोलन की साथी और विश्वास पात्र के रू में जाने जाते हैं. इसलिए चंपाई का झामुमो से निकलना पार्टी संगठन के साथ-साथ कोल्हान में भी पार्टी के कमजोर होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है. मगर अब सवाल उठ रहे हैं कि चंपाई के लिए नयी राह व भी नए संगठन खड़ा करके चलना कितना आसान होगा.

14 साल झाविमो को चलाने वाले मरांडी को भाजपा के समक्ष घुटने टेकने पड़े

उस समय के राष्ट्रीय नेताओं की अनदेखी करने का आरोप लगाकर पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने भी अपना एक नया राजनीतिक संगठन झारखंड विकास मोर्चा खड़ा किया था. 2014 में झाविमो के आठ विधायक भी जीत दर्ज की. मगर उस समय के तत्कालीन रघुवर सरकार में पांच विधायक पाला बदल कर भाजपा में शामिल हो गए. 2019 में भी झाविमो अकेले दम पर चुनाव लड़ी, तीन विधायक जीते भी. मगर बाद में खुद मरांडी ही पूरे संगठन का विलय भाजपा में कर दिया. उस समय मरांडी पर ये आरोप भी लगे कि 2019 के चुनाव लड़ने में फंडिंग भाजपा ने ही की थी.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पार्टी विधायक तोड़ने की चंपाई और भाजपा दोनों की रणनीति को कर दिया फेल

मिली जानकारी के अनुसार भाजपा की रणनीति न केवल चंपाई सोरेन को अपने पाले में लाने की थी, वहीं पार्टी के विधायकों को भी तोड़ने की थी. जैसे ही कोल्हान के चार विधायक के नाम मीडिया में उछली, हेमंत सोरेन अलर्ट हो गए और डैमेज कंट्रोल में जुट गए. जिसमें हेमंत सोरेन शत प्रतिशत सफल साबित हुई. चंपाई सोरेन का कोलकाता भाया दिल्ली जाना, वहां तीन दिन रूकना केवल एक इतेफाक के तौर राजनीतिक के जानकार मानने को तैयार नहीं हैं. दरसल भाजपा द्वारा दिए गए होमवर्क को पूरा करने में चंपाई सफल नहीं हो सके. पहले तुम, पहले तुम के चक्कर में खुद भाजपा और चंपाई सोरेन उलझ कर रह गए. नतीजा चंपाई सोरेन के झामुमो में बने रहने की सारी संभावना समाप्त हो गयी. हालांकि राजनीति में संभावनाए कभी समाप्त नहीं होती है. इसलिए अभी आगे का खेला देखना, विधानसभा चुनाव के पहले तक दिलचस्प होगा.

जेपीएससी मेंस परीक्षा का रिजल्ट जल्द होगा जारी

- 5600 अभ्यर्थियों ने दी थी मुख्य परीक्षा
- रिजल्ट किया जा चुका है तैयार

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएसएसी) जल्द ही मुख्य परीक्षा का रिजल्ट जारी करेगा. रिजल्ट लगभग तैयार किया जा चुका है. मुख्य परीक्षा में 5600 अभ्यर्थी शामिल हुए थे. बताते चलें कि पीटी की परीक्षा 17 मार्च को हुई थी. 22 अप्रैल को पीटी परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया था. 22 से 24 जून तक मुख्य परीक्षा ली गई थी. यह परीक्षा 342 पदों के लिए ली गई थी. मुख्य परीक्षा का रिजल्ट आने के बाद सफल अभ्यर्थियों के लिए इंटरव्यू की प्रक्रिया पूरी की जाएगी. इसके बाद अंतिम रूप से चयनित अभ्यर्थियों का रिजल्ट जारी किया जाएगा.

डीजीपी से मिला रांची प्रेस क्लब का प्रतिनिधिमंडल, रखी मांग

पत्रकारों पर चल रहे हैं फर्जी मुकदमे, रोक लगाएं

संवाददाता। रांची

झारखंड के पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता से रांची प्रेस क्लब के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को मुलाकात की. इस दौरान पत्रकारों की समस्याओं के समाधान के लिए मांग पत्र सौंपा गया. पुलिस महानिदेशक को दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि झारखंड में पत्रकारिता का गौरवशाली इतिहास रहा है. यहां के पत्रकारों नें तमाम चुनौतियों के बावजूद पूरी निष्ठा के साथ लोकतंत्र के चौथे स्तंभ का मान बढ़ाया है. इसके बावजूद झारखंड के पत्रकार कई समस्याओं का सामना कर रहे हैं.

पत्रकारहित में झारखंड के सभी पत्रकारों के आस्था का केंद्र बने ''द रांची प्रेस क्लब'' के प्रतिनिधिमंडल ने कई समस्याओं की ओर डीजीपी का ध्यान आकृष्ट कराया, जिनमें प्रमुख रूप से पूरे झारखंड में पत्रकारों पर दर्ज कराए गए झूठे मामले की एसआईटी द्वारा जांच करवा कर उन्हें न्याय दिलाया जाय. पत्रकारों को उनकी मुखर पत्रकारिता की कीमत चुकानी पड़ रही है, जैसे बुंडू के पांच परगना अखबार के पत्रकार आशीष प्रमाणिक, बुंडू न्यूज 11 के अमित दत्ता, हजारीबाग के झारखंड दर्पण के पत्रकार सचिन खंडेलवाल, रातू के खबर मंत्र के पत्रकार मो. मुजीबुल, पलामू मेदिनीनगर के दैनिक भास्कर के ब्यूरो चीफ संजय तिवारी, पलामू जिले के छतरपुर के प्रभात खबर के प्रतिनिधि राजीव सिन्हा, छतरपुर के ही दैनिक भास्कर के पत्रकार बुद्धिनारायण सिंह और ओरमांझी के न्यूज 11 के पत्रकार मो. मोहसिन के खिलाफ दर्ज मुकदमे इसके उदाहरण हैं.

पुलिस महानिदेशक ने ज्ञापन के बाद प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया की संबंधित मांगों पर सकारात्मक रूप से कार्रवाई की जाएगी. पुलिस महानिदेशक को ज्ञापन सौंपने वालों में द रांची प्रेस क्लब के उपाध्यक्ष धर्मेंद्र गिरि, कोषाध्यक्ष कुबेर सिंह, मैनेजिंग कमेटी सदस्य आरजे अरविंद, मोनू कुमार और विजय मिश्रा प्रमुख रूप से शामिल रहे.

डीजीपी अनुराग गुप्ता को मांग पत्र सौंपते प्रेस क्लब के पदाधिकारी.

पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की दिशा में पहल हो

ज्ञापन में कहा गया है कि संबंधित मामलों की जांच करवा कर उन्हें फर्जी मुकदमों से बरी करवाया जाए. साथ ही झारखंड में छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और अन्य राज्यों की तरह पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की दिशा में पहल की जाय. झारखंड के हर थाने में पीड़ितों के आवेदन का रिसीविंग देने की प्रक्रिया कड़ाई से लागू किया जाए. ज्ञापन में कहा गया है कि ऐसे कई मौके आए है जब रसूख वाले लोग पत्रकारों की आवाज दबाने के लिए झूठे रंगदारी, मारपीट जैसे मुकदमे दर्ज किए जाते हैं, पुलिस और थाना भी रसूखदारों के इशारे पर ही काम करती है. ऐसे मामलों को दर्ज करने से पूर्व पुलिस द्वारा पूरी सत्यता को सतर्कता से जांच सुनिश्चित करने के निर्देश आपके स्तर से दिए जाएं. साथ ही क्लब के प्रतिनिधिमंडल ने डीजीपी से आग्रह किया कि झारखंड पुलिस और प्रेस क्लब के संयुक्त तत्वावधान में साइबर क्राइम और विभिन्न विषयों पर क्लब में वर्कशॉप का भी आयोजन किया जाए.

31 तक फसल बीमा योजना का लाभ लें

रांची। खरीफ फसल 2024 के लिए फसल बीमा कराया जा रहा है. किसानों को यह सुविधा कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के तहत बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के आधार पर उपलब्ध कराया जा रहा है. इसका लाभ लेने को सभी जिलों में सूचना जारी की जा रही है. इच्छुक किसान पास के प्रज्ञा केंद्र जा सकते हैं. साथ ही किसान पोर्टल पर ऑनलाइन खुद आवेदन फॉरमर लॉगिन से दे सकते हैं. बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 अगस्त है. पंजीकरण में आधार कार्ड, बैंक पासबुक, राजस्व पदाधिकारी द्वारा निर्गत भूमि प्रमाण पत्र चाहिए. तत्काल उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में मुखिया या प्रधान से सत्यापित वंशावली एवं भूमि विवरणी, बटाई, स्वसत्यापित फसल बुआई प्रमाण पत्र और मोबाइल नंबर की भी जरूरत होगी.

कमांडर दिवाकर दस्ते के सदस्य थे तीनों, देसी कार्बाइन भी बरामद

टीपीसी के तीन उग्रवादी गिरफ्तार

संवाददाता। रांची

पुलिस ने टीपीसी कमांडर दिवाकर गंझू के दस्ते के तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है. एसएसपी चंदन सिन्हा को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस की टीम ने यह कार्रवाई की है. इसे लेकर बुधवार को ग्रामीण एसपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि तीन टीपीसी उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें बड़कागांव निवासी प्रकाश गंझु, हजारीबाग निवासी राहुल लहरी और रांची निवासी मोनू कुमार बड़ाईक शामिल है. गिरफ्तार उग्रवादियों के पास से एक देशी कार्बाइन मैगजीन सहित, 13 जिन्दा गोली, एक बाइक, जिओ कंपनी का राउटर और चार मोबाइल फोन बरामद हुआ है.

टीपीसी कमांडर दिवाकर दस्ते के गिरफ्तार उग्रवादी.

घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे थे : पुलिस को सूचना मिली थी कि मंगलवार की रात दामोदर नदी के किनारे बड़कागांव, केरेडारी और बुढ़मू थाना की सीमा पर स्थित ग्राम छापर में टीपीसी उग्रवादी जमा हुए हैं. जो लेवी वसूलने और किसी बड़ी घटना का अंजाम देने की योजना बना रहे हैं. सूचना के आधार पर डीएसपी खलारी के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया. इसके बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तो उग्रवादी भागने लगे. जिसमें पुलिस द्वारा घेराबंदी कर तीन उग्रवादियों पकड़ा गया. दो अन्य उग्रवादी अंधेरे का फायदा उठा भागने मे सफल रहे.

भारत बंद के समर्थन में भी माले कार्यकर्ता सड़क पर उतरे

लैटरल एंट्री के खिलाफ माले ने किया प्रदर्शन

संवाददाता। रांची

आदिवासी, दलित और पिछड़ों का आरक्षण के खिलाफ हो रहे हमले के खिलाफ भाकपा माले ने सक्रिय समर्थन प्रदान किया था. बुधवार को राज्य के सभी जिलो में माले कार्यकर्ता सड़क पर उतरे. माले के अलावे छात्र संगठन आइसा के बैनर तले सैकड़ों छात्र युवा भी इन प्रतिवाद कार्यक्रमों में हिस्सा लिए. धनबाद, रांची, डालटनगंज. रामगढ, गिरिडीह, कोडरमा, बोकारो, दुमका, देवघर आदि जिलों के ग्रामीण तथा शहरी इलाकों में प्रदर्शन प्रदर्शनकारी आरक्षण में वर्गीकरण व लैटरल एंट्री के जरिये नियुक्ति के खिलाफ नारे लगा रहे थे. वे जाति आधारित जनगणना चालू करने की मांग कर रहे थे.

बंद के समर्थन में सड़क पर उतरे माले के नेतागण.

रांची के अल्बर्ट एक्का चौक पर सुबह करीब साढ़े दश बजे दर्जनों माले कार्यकर्ता तख्तियां लेकर प्रदर्शन किया एवं नारे लगाए. प्रदर्शन का नेतृत्व रविन्द्र भुईयां, जगरनाथ ओरांव, शांति सेन, ऐति तिर्की, नौरिन, अकरम, मोइन, मोहन दत्ता, शुभेंदु सेन, एनामुल, समर सिन्हा, भीम साहू, नौहीद आकाश आदि ने किया. बंद को सफल बनाने आम जनो के सहयोग के लिए पार्टी सचिव ने आभार जताया.

जेटेट के लिए आवेदन की तिथि बढ़ी, 26 तक कर सकेंगे आवेदन

- सर्वर में आयी खराबी के कारण जैक ने लिया फैसला
- पहले 22 अगस्त तक जमा किये जाने थे आवेदन

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड एकेडेमिक काउंसिल (जैक) ने टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट (टेट)) परीक्षा के लिए आवेदन जमा करने की तिथि बढ़ा दी है. अब उम्मीदवार 26 अगस्त तक आवेदन जमा कर सकते हैं. पहले टेट परीक्षा के लिए आवेदन भरने की अंतिम तिथि 22 अगस्त निर्धारित थी. लेकिन सर्वर में आयी खराबी के कारण जैक ने आवेदन भरने की लास्ट डेट को बढ़ाने का फैसला लिया. टेट एग्जाम के लिए 23 जुलाई से ही ऑनलाइन आवेदन जमा करने की प्रक्रिया जारी है. अब तक इस परीक्षा के लिए लगभग साढ़े तीन लाख अभ्यर्थी आवेदन दे चुके हैं.

ऐसे करें आवेदन :

- जीटेट 2024 आवेदन पत्र भरने के लिए सबसे पहले आधिकारिक वेबसाइट jactetportal.com पर जायें.
- वेबसाइट के होम पेज पर आपको रजिस्टर नाउ के लिंक पर क्लिक करे और अपना रजिस्ट्रेशन कराये.
- रजिस्ट्रेशन होने के बाद अभ्यर्थी फिर से लॉग इन करके बाकी डिटेल भरें और एप्लिकेशन सब्मिट कर दें.
- इसके बाद आवेदन शुल्क जमा करें.
- फॉर्म का प्रिंटआउट निकालकर अपने पास रख लें.

रीडर स्तर के 63 पुलिसकर्मियों की वरीयता सूची जारी

रांची। 63 रीडर (आशु सहायक अवर निरीक्षक) स्तर के पुलिसकर्मियों का पुलिस मुख्यालय ने औपबंधिक वरीयता सूची जारी की है. वहीं रिटायर डीएसपी अनिल शंकर को एसीपी और एमएसीपी योजना का लाभ देने को लेकर बैठक हुई. जिसमें निर्णय लिया गया कि अनिल शंकर को एसीपी और एमएसीपी योजना का लाभ से संबंधित सभी तरह की कार्रवाई गृह विभाग से सहमति मिलने के बाद की जाएगी. इसे लेकर डीआईजी कार्मिक ने अधिसूचना जारी किया है.साथ ही रेंज और इकाई के डीआईजी को कहा गया है कि अपने-अपने क्षेत्रों में पदस्थापित रीडर स्तर के पुलिसकर्मियों का वरीयता सूची प्रसारित की जाए. इसमें अगर किसी पुलिसकर्मी को आपत्ति है, तो इसे 15 दिनों के अंदर बताया जाए. इसके अलावा यह भी कहा गया है कि अगर पुलिसकर्मियों का नाम इस सूची में छूट गया है तो इसको लेकर अलग से जानकारी उपलब्ध कराई जाए.

कोर्ट की खबरें

राजकुमार अग्रवाल को कोर्ट से राहत

संवाददाता। रांची

राज्यसभा चुनाव से जुड़े हॉर्स ट्रेडिंग मामले में आरोपी राजकुमार अग्रवाल को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है. हाईकोर्ट ने उनके खिलाफ रांची सीबीआई कोर्ट के चल रहे ट्रायल की प्रक्रिया को खत्म कर दिया है. इस मामले में सीता सोरेन के खिलाफ चार्जशीट दायर की है. सीबीआई की चार्जशीट में बताया गया था कि सीता सोरेन ने राज्यसभा चुनाव में वोटिंग के लिए 50 लाख रुपये लिए थे. बुधवार की सुनवाई के दौरान राजकुमार अग्रवाल के अधिवक्ता द्वारा कोर्ट को बताया कि जो पैसे बरामद हुए थे, वह उनके नहीं थे. एजेंसी ने उन्हें पैसों के मामलों में क्लीन चिट भी दे दी है. इसलिए उनके खिलाफ चल रही कार्रवाई को रद्द किया जाना चाहिए.

एडवोकेट एसोसिएशन और आरडीबीए ने हाईकोर्ट से किया आग्रह

रांची। आरक्षण के मुद्दे पर बुलाये गये बंद के कारण झारखंड हाईकोर्ट और रांची सिविल कोर्ट के कई अधिवक्ता और उनके मुवक्किल अदालत तक नहीं पहुंच पाए. इसे देखते हुए हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन और रांची जिला बार एसोसिएशन ने हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस और रांची सिविल कोर्ट के प्रधान न्यायायुक्त से यह आग्रह किया था कि अगर कोई अधिवक्ता किसी मामले में पक्ष नहीं रख पा रहा है तो 21 अगस्त को सूचीबद्ध मामलों में किसी भी तरह का विपरीत आदेश पारित न किया जाये. रांची जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं महासचिव के संयुक्त हस्ताक्षर से यह पत्र जारी किया गया था. हाईकोर्ट एडवोकेट एसो. के महासचिव ने भी पत्र जारी किया था.

गांजा तस्कर दुखहरण साहू को 10 साल सश्रम कारावास

रांची। रांची सिविल कोर्ट ने गांजा और अवैध शराब के तस्कर दुखहरण साहू को 10 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है. इसके साथ ही अदालत ने उसपर दो लाख 20 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है. अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि जुर्माना की राशि नहीं देने पर दोषी को दो वर्ष की अतिरिक्त कारावास भुगतनी होगी. इस केस के दूसरे आरोपी साबिर अंसारी को अदालत ने साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है. मामले में सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से 7 गवाहों को प्रस्तुत किया गया था. रांची सिविल कोर्ट के प्रधान न्याययुक्त दिवाकर पांडेय की कोर्ट ने यह फैसला सुनाया है.

आज सीएम पलामू में, देंगे सौगात

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 22 अगस्त को पलामू में महिलाओं को मईयां सम्मान योजना की सौगात देंगे. 21 अगस्त तक इस योजना के लिए 42.85 लाख आवेदन स्वीकृत किए जा चुके हैं. इस योजना के तहत महिलाओं को सालाना 12 हजार रुपये दिए जाएंगे. 23 अगस्त को हजारीबाग, 27 अगस्त को दुमका, 28 अगस्त को चाईबासा और 30 अगस्त को रांची में आयोजित कार्यक्रम में सीएम शिरकत करेंगे.

कैबिनेट की बैठक 29 को: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक 29 अगस्त को होगी. यह बैठक प्रोजेक्ट भवन स्थित मंत्रीपरिषद कक्ष में होगी. इसमें कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी मिलेगी.

क्लासिफाइड

गौरव | नयी दिल्ली में पीएसयू और सरकारी शिखर सम्मेलन आयोजित

मेकॉन को पब्लिक सेक्टर एक्सीलेंस अवॉर्ड

संवाददाता। रांची

मेकॉन को सर्वश्रेष्ठ मिनीरत्न केंद्रीय पीएसयू श्रेणी के अंतर्गत प्रतिष्ठित डन एंड ब्रैडस्ट्रीट पब्लिक सेक्टर एक्सीलेंस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया. भारत में इस्पात उद्योग के लिए इंजीनियरिंग कंसल्टेंट के रूप में वर्ष 1959 में स्थापित मेकॉन ने धातु, ऊर्जा और इन्फ्रास्ट्रक्चर जैसे कई क्षेत्रों में सम्पूर्ण समाधान इंजीनियरिंग परामर्शी संगठन के रूप में खुद को स्थापित किया है. मेकॉन के सेवा पोर्टफोलियो में अवधारणा, इंजीनियरिंग, खरीद, परियोजना प्रबंधन, डायग्नोस्टिक अध्ययन, मूल्य वर्धित सेवाएं, ईपीसी निष्पादन, ओ एंड एम सेवाएं शामिल हैं. डन एंड ब्रैडस्ट्रीट, एक अग्रणी वैश्विक बी2बी एनालिटिक्स और बिजनेस इंटेलिजेंस समाधान प्रदाता ने 20 अगस्त को नयी दिल्ली में पीएसयू और सरकारी शिखर सम्मेलन के अपने 16वें संस्करण की मेजबानी की.

मेकॉन पब्लिक सेक्टर एक्सिलेंस अवॉर्ड से हुआ सम्मानित.

शिखर सम्मेलन में इंडिया @ 2047 विजनः पावर्ड बाई रिसर्जेंट पब्लिक सेक्टर विषय पर गहन चर्चा हुई. जिसमें प्रमुख केंद्रीय और राज्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को उनके व्यावसायिक उत्कृष्टता और मंत्रालयों को उनकी अभिनव पहलों व योजनाओं के लिए सम्मानित किया गया. इस शिखर सम्मेलन में मेकॉन लिमिटेड की ओर से संजय कुमार वर्मा, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, मेकॉन ने पुरस्कार प्राप्त किया.

हेमंत सरकार ने बेच दिया है युवाओं का भविष्यः बाउरी

प्रमुख संवाददाता। रांची

नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने हेमंत सरकार पर निशाना साधा है. ट्वीट कर कहा है कि हेमंत सरकार ने राज्य के युवाओं का भविष्य बेच दिया है. 100 अंकों के पेपर में अभ्यर्थी को 252 अंक दे दिये गये हैं. वहीं, 78 प्रश्नों के सही उत्तर देनेवाले अभ्यर्थी को 156 की जगह 88.23 अंक दिये गये हैं. पीजीटी में हुई भीषण गड़बड़ियों का मामला पहले दिन से लगातार भाजपा उठा रही है. इस मामले की सीबीआई जांच आवश्यक है. झारखंड सरकार राज्य के युवाओं के भविष्य को बेचने का पाप ना करें, अविलंब मामले में सीबीआई जांच की अनुशंसा करें. सरकार व परिस्थितियां बदलेंगी, जिन्होंने भी नियुक्ति घोटाले में सहभागिता सुनिश्चित की है उनकी जिम्मेदारी तय की जाएगी. भाजपा आएगी, न्याय दिलाएगी. राज्य का आदिवासी-मूलवासी समाज सोरेन परिवार से त्रस्त है, इस बार समाज उन्हें सत्ता से उखाड़ फेंकेगा.

मौसम		
शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	33.2	26.2
जमशेदपुर	35.8	26.7
डालटनगंज	34.6	25.4

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

शुभम संदेश

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, गुरुवार 22 अगस्त 2024 ● भाद्रपद कृष्ण पक्ष 03, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 2, अंक : 134 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

सर्राफा

सोना (बिक्री)	67,300
चांदी (किलो)	86,000

ब्रीफ खबरें

रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन को बेल

रांची। चेशायर होम रोड की एक एकड़ जमीन की गलत तरीके से खरीद-बिक्री करने के आरोपी रांची के पूर्व डीसी और निलंबित आईएएस छवि रंजन की जमानत याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय की कोर्ट में सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान ईडी और बचाव पक्ष यानी छवि रंजन का पक्ष सुनने के बाद अदालत ने बेल दे दी. छवि रंजन फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं. उनकी ओर से अधिवक्ता इंद्रजीत सिन्हा, अभिषेक चौधरी, स्नेह सिंह और अभिषेक सिंह ने बहस की. यह केस ईडी के कांड संख्या ईसीआईआरआर 5/2023 से जुड़ा हुआ है.

हरियाणा : भर्ती परिणामों पर रोक

नयी दिल्ली। हरियाणा विधानसभा चुनाव में सभी के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए निर्वाचन आयोग ने बुधवार को राज्य के अधिकारियों को चुनाव संपन्न होने तक पुलिस कांस्टेबल और शिक्षक भर्ती प्रक्रियाओं के परिणामों की घोषणा करने से रोक दिया. हरियाणा में एक अक्टूबर को एक ही चरण में विधानसभा चुनाव होना है.

ईरान: बस दुर्घटना में 28 लोगों की मौत

तेहरान। शिया जायरीनों को पाकिस्तान से इराक ले जा रही एक बस मंगलवार देर रात मध्य ईरान में दुर्घटनाग्रस्त हो गई. अधिकारियों ने बुधवार को इस हादसे में करीब 28 जायरीनों की मौत होने, जबकि 23 अन्य के घायल होने की जानकारी दी. आपातकालीन सेवा के अधिकारी मोहम्मद अली मालकजादेह ने बताया कि यह हादसा मंगलवार देर रात राजधानी तेहरान से लगभग 500 किमीर दक्षिण-पूर्व में यज्द प्रांत के तफ्त शहर के बाहरी इलाके में हुआ.

नक्सल प्रभावित राज्यों की समीक्षा करेंगे शाह

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को छत्तीसगढ़ के रायपुर में आयोजित होने वाली एक उच्च स्तरीय बैठक में नक्सल प्रभावित राज्यों के बीच अंतर-राज्यीय समन्वय की समीक्षा करेंगे. अंतर-राज्यीय समन्वय बैठक में छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के मुख्य सचिवों और पुलिस महानिदेशकों के अलावा केंद्र सरकार के शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों के भी शामिल होंगे.

गुजरात: दूसरा स्वदेशी परमाणु रिएक्टर शुरू

नयी दिल्ली। गुजरात के काकरापार परमाणु ऊर्जा स्टेशन में 700 मेगावाट के भारत के दूसरे स्वदेशी परमाणु ऊर्जा रिएक्टर ने पूरी क्षमता से परिचालन शुरू किया. एनपीसीआईएल ने बताया कि केएपीएस इकाई 700 मेगावाट की पूर्ण क्षमता तक पहुंचने से पहले 90% क्षमता पर काम कर रही थी.

सामूहिक दुष्कर्म मामले में 6 गिरफ्तार

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले की पुलिस ने रक्षाबंधन के दिन 27 वर्षीय आदिवासी युवती से सामूहिक बलात्कार के आरोप में छह लोगों को गिरफ्तार किया है. पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि रायगढ़ के पुसौर थाना क्षेत्र में एक आदिवासी युवती से सामूहिक बलात्कार के आरोप में राहुल चौहान समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है.

भारत बंद : समर्थक सड़क पर उतरे, कम चले वाहन, बंद रहे स्कूल-कॉलेज व दुकानें

झारखंड में मिला-जुला असर रामगढ़ व धनबाद में असरदार

लगातार न्यूज । नेटवर्क टीम

अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के विरोध में आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति के भारत बंद का झारखंड में भी मिला जुला असर रहा. कई जिलों में बंद समर्थक सड़क पर उतर कर भारत बंद को सफल बनाने में जुटे थे. राजधानी रांची की बात करें, तो सामान्य दिन की तुलना में वाहनों का परिचालन काफी कम रहा. व्यस्त रहनेवाले किशोरगंज चौक पर बुधवार को वाहन कम दिखे. सड़क पर लोग कम ही नजर आए. इक्का-दुक्का दुकानों को छोड़ कर सभी दुकानें बंद रहीं. वहीं, बंदी को देखते हुए एहतियातन सभी स्कूलों बंद रहे.

रांची के अलावा हजारीबाग, गिरिडीह, बोकारो, तोपाचांची, झरिया, लातेहार आदि जिलों में भारत बंद का मिल-जुला असर देखने को मिला. गिरिडीह, चक्रधरपुर में बंद असरदार रहा. सड़कों पर गाड़ियां कम दिखीं. भारी वाहनों का परिचालन पूरी तरह से बाधित है. सभी मार्गो में बंद समर्थक मौजूद है. बोकारो की बात करें तो यहां भी भारत बंद का कोई असर नहीं दिख रहा है. रोड पर सामान्य दिनों की तरह ही ट्रक, बस सहित अन्य गाड़ियां नहीं चलीं. बता दें कि झारखंड में भारत बंद को झामुमो, कांग्रेस, राजद और वाम दलों के अलावा कई संगठनों ने समर्थन दिया था.

धनबाद में भी दिखा असर, सड़क पर उतरे समर्थक : भारत बंद का धनबाद में व्यापक असर देखने को मिल रहा है. प्रदर्शनकारियों ने धनबाद बरटांड बस स्टैंड, झरिया-कतरास मोड़, बस्ताकोला, लोदना मोड़ आदि क्षेत्रों में सड़क पर बांस लगा कर आवागमन को अवरूद्ध कर दिया. धनबाद में अधिकतर निजी स्कूलों को बंद रहीं. तोपचांची नेशनल हाईवे को भीम आर्मी, राजद और जेबीकेएसएस कार्यकर्ताओं ने जाम कर दिया था. झरिया में बंद का खास असर नहीं दिखा. सभी दुकानें खुली रहीं और छोटे वाहन चलते रहे. हालांकि बंद समर्थक सड़क पर बैठे थे, जिसकी वजह से सड़क पर जाम की स्थिति उत्पन्न होती रही. झरिया-सिंदरी मुख्य मार्ग बस्ताकोला के समक्ष बंद समर्थकों ने सड़क जाम कर दिया है. इसकी वजह से करीब दो घंटे से आवागमन पूरी तरह बाधित रहा. पुलिस ने कुछ बंद समर्थकों हिरासत में लिया. वहीं बाघमारा, हरीना चौक, डुमरा में सुबह से ही भारत बंद का असर देखने को मिला.

रामगढ़ में असरदार रही बंदी, कई मार्ग किये अवरुद्ध : हजारीबाग व लातेहार में भी भारत बंद का मिल-जुला असर देखा गया. लातेहार के महुआडांड़ में बंद समर्थक सड़कों पर उतर आये. वहीं, रामगढ़ जिले में बंद का व्यापक असर देखने को मिला. सुभाष चौक पर बंद समर्थक सड़क पर उतरकर एनएच -23 को पूरी तरह बाधित कर दिया था. जिले के भुरकुंडा कोलांचल में बंद का असर पूरी तरह देखने को मिला. सैकड़ों की संख्या में बंद समर्थक भुरकुंडा मतकम्मा चौक पर डटे रहे और रामगढ़-पतरातू मुख्यमार्ग को जाम कर दिया. इसके अलावा लोहरदगा व सिमडेगा में बंद का आंशिक असर देखने को मिला.

रांची में बंद के दौरान टायर जला कर सड़क जाम किया, पास से गुजरता एंबुलेस. तस्वीर : रमीज

धनबाद : जाम ने ले ली किशोरी की जान

धनबाद। भारत बंद के कारण धनबाद में एक सड़क दुर्घटना में जख्मी निरसा की एक किशोरी की जान चली गई. 14 वर्षीय पायल बुधवार को अपने घर के समीप अज्ञात बाइक की चपेट में आने से गंभीर रूप से जख्मी हो गई थी. पायल को परिजन निजी वाहन से धनबाद के अस्पताल ले जा रहे थे. लेकिन बंदी की वजह से कई स्थानों पर बैरिकेडिंग लगाकर सड़क जाम कर दिया गया था. जाम के कारण युवती को अस्पताल पहुंचाने में देर हो गई. एसएनएमएमसीएच पहुंचने पर इमरजेंसी में डॉक्टरों ने किशोरी का इलाज शुरू किया, लेकिन कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई.

पटना में लाठीचार्ज, गुजरात में मालगाड़ी रोकी

एजेंसियां। नयी दिल्ली

एससी-एसटी के आरक्षण में क्रीमी लेयर लागू करने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ बुधवार को बुलाए गये भारत बंद का मिला-जुला असर रहा. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति के आह्वान पर बुलाए गए इस बंद को देशभर के 21 संगठनों ने समर्थन दिया था. बिहार की राजधानी पटना में बंद के दौरान जमकर बवाल देखने को मिला. पुलिस ने भी प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया. इस दौरान सिविल ड्रेस में मौजूद एसडीएम पर पुलिस जवान ने लाठियां भांज दी. वहां मौजूद पुलिस अफसरों ने जवान को रोका और बताया कि वो एसडीएम हैं. इसके बाद जवान ने एसडीएम से माफी मांगी. भारत बंद के समर्थन में पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव भी सड़क पर उतरे.

वहीं, राजस्थान के जयपुर, अलवर, अजमेर समेत कई इलाकों में भारत बंद का असर नजर आया. यहां प्रमुख बाजार बंद रहे और सड़कों पर आवागमन अन्य दिनों की तुलना में कम देखने को मिली. वहीं, असम में बंद बेअसर रहा. राज्य भर में विद्यालयों, कार्यालयों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में कामकाज सामान्य ढंग से चला तथा कर्मियों की पूर्ण उपस्थिति रही. भारत बंद का पंजाब और हरियाणा में भी कोई खास असर नहीं दिखा. हालांकि कुछ स्थानों पर विरोध प्रदर्शन हुए. पंजाब और हरियाणा में भारत बंद का कोई खास असर नहीं दिखा. सार्वजनिक परिवहन सेवाएं सामान्य रूप से संचालित रहीं. साथ ही दुकानें भी खुली रहीं.

गुजरात में मालगाड़ी रोकी, डेढ़ घंटे बाद छोड़ा : गुजरात के छोटा उदयपुर, नर्मदा, सुरेंद्रनगर, साबरकांठा और अरावली जैसे जिलों के आदिवासी और दलित बहुल इलाकों में भारत बंद का असर दिखा. यहां बाजार बंद रहे. सुरेंद्रनगर जिले के वाधवन तालुका में प्रदर्शनकारियों ने मालगाड़ी रोक दी और नारेबाजी की. पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को समझाया और करीब डेढ़ घंटे बाद मालगाड़ी भावनगर के लिए रवाना हुई. ओडिशा में सड़क, रेल सेवाएं आंशिक रूप से प्रभावित रहीं. सरकारी कार्यालयों, बैंक, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और शैक्षणिक संस्थानों में सामान्य दिनों की तरह कामकाज हुआ.

यूपी में प्रदर्शन, एमपी में बंद का आंशिक असर

उत्तर प्रदेश में भारत बंद को सपा, बसपा, आजाद पार्टी समेत तमाम संगठनों ने अपना समर्थन दिया. लखनऊ के हजरतगंज चौराहे पर बसपा कार्यकर्ताओं ने अंबेडकर प्रतिमा के पास विरोध-प्रदर्शन किया. प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल हुईं. इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की. वहीं, मध्य प्रदेश में भारत बंद का आंशिक असर दिखा. राजधानी भोपाल के अलावा ग्वालियर चंबल अंचल, विंध्य अंचल, मालवांचल, निमाड़, महाकौशल, बुंदेलखंड क्षेत्र में भी पूरी तरह से शांति रही.

ना झामुमो के रहे, ना भाजपा में जा सके

नई पार्टी बनायेंगे चंपाई सोरेन

जिलिंगगोड़ा गांव में अपने समर्थकों को संबोधित करते चंपाई सोरेन.

पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने सुर बागी होने के बाद झारखंड की राजनीतिक गलियारों में कयासों का दौर लगना शुरू हो चुका था. इस बीच 'एक्स' पर पोस्ट कर झामुमो में अपमान होने की बात कह कर उन्होंने सियासी सरगर्मी और बढ़ा दी थी. चंपाई ने तीन विकल्प भी बताए थे, राजनीति से सन्यास, नयी पार्टी का गठन और इस राह में मिलने वाले समान विचारधारा वाले दोस्त का साथ. सभी को उनके अगले कदम का इंतजार था. चंपाई सोरेन ने बुधवार को साफ कर दिया कि वह राजनीति से सन्यास नहीं लेंगे और नया संगठन बनाएंगे.

विशेष संवाददाता। रांची

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और आंदोलन के वक्त से गुरुजी के मजबूत स्तंभ माने जानेवाले चंपाई सोरेन के झामुमो में रहने की संभावनाएं अब खत्म हो गयी हैं. उन्होंने खुद ही बड़ा ऐलान कर एक तरह से इस पर मुहर लगा दी है. कोलकाता से मंगलवार देर रात झारखंड लौटने के बाद चंपाई सोरेन ने बुधवार को सरायकेला-खरसावां जिला स्थित अपने पैतृक गांव जिलिंगगोड़ा में एक जनसभा को संबोधित किया. उन्होंने कहा कि कोलकाता से लौटने के बाद उनकी बहुत से लोगों से बातचीत हुई. देर रात भी 5000 से अधिक लोगों के के साथ बातचीत हुई थी. अब वे बड़ा फैसला लेने जा रहे हैं.

चंपाई काफी समझदार, अपनी मंजिल ढूंढ लेंगे : मरांडी : पूर्व सीएम चंपाई सोरेन की घोषणा के बाद प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने बहुत ही सधा हुआ बयान दिया है. मरांडी ने कहा कि चंपाई सोरेन काफी समझदार हैं, वो अपनी मंजिल ढूंढ लेंगे. चंपाई सोरेन संघर्षशील रहे हैं, सही राह पर आगे चलेंगे. साथी ढूंढ रहे हैं, तो सही साथी ढूंढ लेंगे. मरांडी ने कहा कि चंपाई से भाजपा में आने का न आग्रह करेंगे और न ही अनुरोध. समझदार चंपाई सोरेन खुद उचित निर्णय लेंगे.

आदिवासी हित की बात करने वाले साथी की तालाश

जिलिंगगोड़ा के उत्क्रमित फुटबॉल ग्राउंड में भारी संख्या में मौजूद समर्थकों को संबोधित करते हुए चंपाई ने कहा कि मैंने तय कर लिया है कि राजनीति से संन्यास नहीं लेंगे. अगर आदिवासियों और दलितों के हित की बात करने वाला कोई साथी मिलेगा, तो उनके साथ आगे बढ़ेंगे. उन्होंने कहा कि सभी जानते हैं कि जब मैं कुछ भी नहीं था, तब भी यहां के मजदूरों के हक में आवाज बुलंद करता था. उनकी लड़ाई लड़ता था. उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि वे अपनी नयी पार्टी बनाएंगे.

सन्यास नहीं लेंगे

पोटका के इंपीरियल रिसोर्ट में बनी आगे की रणनीति : जिलिंगगोड़ा में अपने समर्थकों को संबोधित करने के बाद चंपाई सोरेन पोटका विधानसभा क्षेत्र पहुंचे. यहां इंपीरियल ब्लू रिसोर्ट में उन्होंने अपने समर्थकों एवं शुभचिंतकों के साथ बैठक की. देर शाम तक चली बैठक में अपने सिपहसलारों से अगले कदम को लेकर चर्चा की. मीडिया द्वारा आगे के राजनीतिक कदम के बारे में पूछने पर चंपाई ने कहा कि इंतजार कीजिए जल्द तस्वीर साफ हो जाएगी.

देश भर के 16 माननीय दुष्कर्म के आरोपी

एजेंसी। नयी दिल्ली

देश में 151 मौजूदा सांसदों और विधायकों ने अपने चुनावी हलफनामों में महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित मामलों की जानकारी दी है. इनमें पश्चिम बंगाल के सांसदों और विधायकों की संख्या सबसे अधिक है. एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई. एडीआर ने 2019 और 2024 के बीच चुनावों के दौरान निर्वाचन आयोग को सौंपे गए मौजूदा सांसदों और विधायकों के 4,809 हलफनामों में से 4,693 की जांच की, जिसके बाद महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित मामलों का सामना कर रहे 16 सांसदों और 135 विधायकों को चिह्नित किया गया.

आरोपी माननीयों में बंगाल शीर्ष पर : रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित आरोपों का सामना कर रहे 25 सांसदों और विधायकों के साथ पश्चिम बंगाल शीर्ष पर है, जिसके बाद आंध्र प्रदेश में 21 और ओडिशा में 17 सांसद-विधायक हैं. यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब कोलकाता के एक सरकारी अस्पताल में प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ कथित बलात्कार और हत्या तथा ठाणे में दो बच्चियों के यौन उत्पीड़न की घटनाओं को लेकर देशव्यापी विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं. रिपोर्ट के अनुसार, 16 मौजूदा सांसद और विधायक ऐसे हैं, जिन्होंने आईपीसी की धारा 376 के तहत बलात्कार से संबंधित मामलों की जानकारी दी है. इनमें से दो सांसद और 14 विधायक हैं.

भाजपा के सांसद-विधायक सबसे अधिक : रिपोर्ट के अनुसार, राजनीतिक दलों में सबसे अधिक भाजपा के 54 सांसद और विधायक हैं, जिनके खिलाफ महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित मामले हैं. इसके बाद कांग्रेस के 23 और तेलुगु देशम पार्टी के 17 सांसद-विधायक हैं. भाजपा और कांग्रेस दोनों के ही पांच-पांच मौजूदा सांसद-विधायक बलात्कार के आरोपों का सामना कर रहे हैं.

एडीआर रिपोर्ट की मुख्य बातें

- 16 सांसदों, 135 विधायकों पर महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले
- पार्टी के तौर पर भाजपा के सबसे अधिक आरोपी, बंगाल के माननीय सबसे अधिक

अस्पताल में तोड़फोड़ मामले में तीन निलंबित

कोलकाता। पुलिस ने पिछले सप्ताह आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में हुई तोड़फोड़ के सिलसिले में अपने तीन अधिकारियों को निलंबित कर दिया है. अधिकारियों ने बताया कि निलंबित पुलिसकर्मियों में दो सहायक पुलिस आयुक्त शामिल हैं. बता दें कि बीते 15 अगस्त को तड़के कुछ लोगों ने आरजी कर अस्पताल में घुस कर आपातकालीन विभाग, नर्सिंग स्टेशन और दवा घर में तोड़फोड़ की थी.

भारत के खिलाफ चीन की साजिश को सैटेलाइट तस्वीरों ने किया बेपर्दा

एलएसी के पास बनाया छह हेलीस्ट्रिप

लगातार। न्यूज नेटवर्क

भारत के पूर्वी लद्दाख और अरुणाचल को अपना हिस्सा बताने वाले चीन ने एक बार फिर भारत के खिलाफ साजिश रचना शुरू कर दिया है. चीनी सेना ने लद्दाख से लगनेवाली वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास छह हेलीस्ट्रिप बनाई है. इस खुलासा सैटेलाइट तस्वीरों से हुआ है. लद्दाख के डेमचोक से इन लद्दाख से 160 किमी दूरकी दूरी करीब 160 किलोमीटर है. चीन यहां से भारतीय सेना के टैंकों और अन्य बड़े हथियारों को निशाना बना सकता है.

भारतीय व चीनी सेनाओं का संघर्ष क्षेत्र रहा है डेमचोक : डेमचोक एलएसी के पास ही है और भारतीय और चीनी सेनाओं के बीच संघर्ष क्षेत्र रहा है. यहां भारत और चीन की सेना आमने-सामने तैनात हैं. फिलहाल भारत सरकार की तरफ से इस मुद्दे पर कोई जवाब नहीं आया है. एक मीडिया रिपोर्ट की मानें, तो यह हेलीस्ट्रिप गेयायी नाम की जगह पर बनाया गया है, पर यहां कंस्ट्रक्शन का काम पूरा नहीं हुआ है. सैटेलाइट तस्वीरों से जाहिर होता है कि यहां पर छह हेलीस्ट्रिप तैयार की जा रही है. मतलब साफ है कि यहां आधा दर्जन से अधिक हेलीकॉप्टर एक साथ तैनात किए जा सकते हैं.

रिपोर्ट बाहर आने के बाद कांग्रेस का मोदी पर निशाना

चीन की सेना ने लद्दाख से सटी एलएसी के पास छह हेलीस्ट्रिप बनाए जाने की मीडिया रिपोर्ट बाहर आने के बाद कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है. ऑफिसियल 'एक्स' हैंडल पर पोस्ट में कहा है कि चीन बॉर्डर पर अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा. एक बार फिर सैटेलाइट तस्वीरों से इस बात का खुलासा हुआ है. चीन लगातार एलएसी पर दखल दे रहा है, लेकिन नरेंद्र मोदी खामोश हैं. जो मोदी चीन को 'लाल आंख' दिखाने की बातें करते थे, आज वे चीन का नाम तक नहीं ले पा रहे हैं. चीन ऐसी हिमाकत सिर्फ इसलिए कर पा रहा है, क्योंकि मोदी चीन को पहले ही क्लीन चिट दे चुके हैं.

खुलासा द लांसेट डायबिटीज एंड एंडोक्राइनोलॉजी' पत्रिका में प्रकाशित विश्लेषण ने चौंकाया

रेड मीट खाने से टाइप-2 मधुमेह का खतरा अधिक

एजेंसी। नयी दिल्ली

दक्षिण-पूर्व एशिया सहित दुनिया भर के 20 देशों के 19 लाख से अधिक वयस्कों पर किए अध्ययन के अनुसार रेड मीट का सेवन टाइप-2 मधुमेह के खतरे को बढ़ाता है. 'द लांसेट डायबिटीज एंड एंडोक्राइनोलॉजी' पत्रिका में प्रकाशित विश्लेषण में पाया गया है कि रोज 50 ग्राम प्रसंस्कृत मांस, 100 ग्राम असंसाधित रेड मीट और 100 ग्राम पोल्ट्री मांस लेने से टाइप-2 मधुमेह होने के खतरा क्रमशः 15 प्रतिशत, 10 प्रतिशत और आठ प्रतिशत अधिक है.

अमेरिका, ब्रिटेन, ब्राजील, मेक्सिको सहित अन्य देशों के शोधकर्ताओं की अंतरराष्ट्रीय टीम ने कहा कि दुनिया के कई क्षेत्रों में मांस का सेवन अनुशंसित स्तर से अधिक है और इसका संबंध टाइप-2 मधुमेह सहित गैर-संचारी रोगों से है. उन्होंने कहा कि हालांकि, सभी मौजूदा सबूत काफी हद तक उच्च आय वाले देशों, मुख्य रूप से उत्तरी अमेरिका और यूरोप के अध्ययनों पर आधारित हैं. इस अध्ययन के लिए शोधकर्ताओं ने 31 समूहों को शामिल किया, जिसके लिए डेटा वैज्ञानिक अध्ययन और ऑनलाइन रजिस्ट्री से संकलित किया गया था. अध्ययन में भाग लेने वाले 19,66,444 लोगों में से एक लाख से अधिक लोगों को टाइप-2 मधुमेह हुआ, जो आम तौर पर 10 वर्ष तक रहता है.

शोधकर्ताओं ने कहा, टाइप-2 मधुमेह के साथ असंसाधित रेड मीट और प्रसंस्कृत मांस का सकारात्मक संबंध अमेरिका के क्षेत्र में (क्रमशः 13 और 17 प्रतिशत), यूरोपीय क्षेत्र में (छह और 13 प्रतिशत) अधिक था. वहीं, पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र व पूर्वी एशिया में (17 और 15 प्रतिशत) पाया गया. हालांकि, शोधकर्ताओं को इस बात का कोई सबूत नहीं मिला कि पोल्ट्री के बजाय असंसाधित रेड मीट का सेवन करने से मधुमेह के खतरे को कम करने में मदद मिलती है.

- दुनिया के कई क्षेत्रों में मांस का सेवन अनुशंसित स्तर से अधिक
- काफी हद तक उच्च आय वाले देशों के वयस्कों पर है अध्ययन

संतुलित आहार लेना जरूरी

इस शोध से साफ है कि रेड मीट का अधिक सेवन करने से टाइप 2 डायबिटीज का खतरा बढ़ सकता है. इसलिए, अगर आप अपनी सेहत को बेहतर बनाए रखना चाहते हैं, तो रेड मीट की मात्रा को कम करना और संतुलित आहार लेना जरूरी है. इसके अलावा, मांस के हेल्थ ऑप्शन जैसे कि पोल्ट्री या अनप्रोसेस्ड रेड मीट का सेवन करने से डायबिटीज के खतरे को कुछ हद तक कम किया जा सकता है. इसका मतलब यह भी है कि अपने खाने-पीने की आदतों पर ध्यान देना और जरूरत के मुताबिक इसमें सकारात्मक बदलाव जरूरी है.

युद्धग्रस्त क्षेत्र में शांति व स्थिरता बहाली की उम्मीद : नरेंद्र मोदी

एजेंसी। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि वह यूक्रेन में जारी संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान पर अपना दृष्टिकोण साझा करने के लिए राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ पहले की बातचीत को आगे बढ़ाने के अवसर की प्रतीक्षा कर रहे हैं. पोलैंड और यूक्रेन की आधिकारिक यात्रा पर रवाना होने से पहले जारी एक बयान में मोदी ने युद्धग्रस्त क्षेत्र में शांति और स्थिरता की जल्द बहाली की उम्मीद भी जताई.

इस दौरे के पहले चरण में मोदी बुधवार को पोलैंड की राजधानी वॉरसा पहुंचे. वे यहां 22 अगस्त तक रहेंगे. पोलैंड में अपने प्रवास के दौरान मोदी, राष्ट्रपति आंद्रेज सेबेस्टियन डूडा से मिलेंगे और प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे. इसके बाद वे 23 अगस्त को यूक्रेन की राजधानी कीव भी जाएंगे और यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान पर राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ विचार साझा करेंगे. कीव में मोदी सात घंटे रहेंगे. बता दें कि पीएम मोदी, यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के निमंत्रण पर यूक्रेन का दौरा कर रहे हैं. यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यूक्रेन की पहली यात्रा है. मोदी ने कहा है कि एक मित्र और साझेदार के रूप में हम क्षेत्र में शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली की उम्मीद करते हैं.

- पोलैंड और यूक्रेन की आधिकारिक यात्रा पर पीएम

भारत बंद का राजधानी में दिखा असर : राजद, कांग्रेस, झामुमो सहित कई संगठनों ने 24 जिलों में किया विरोध-प्रदर्शन

भारत बंद के दौरान दिनभर बंद रहे दुकानों के शटर.

विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ताओं ने बंद के समर्थन में जुलूस निकाला.

बंद के दौरान बाइक से जाते आम लोग को वापस लौटने को कहते बंद समर्थक.

बाजार-हाट, स्कूल-कॉलेज, कोचिंग, मॉल सब बंद

बसंत मुंडा। रांची

भारत बंद का रांची में असर दिखा. राज्य के आदिवासी मूलवासी और आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति ने क्रीमी लेयर के कोटे में वर्गीकरण करने के सुप्रीम कोर्ट के फैसला के विरोध में भारत बंद बुलाया था. इस दौरान स्कूल-कॉलेज, बाजार, कोचिंग मॉल समेत व्यावसायिक संस्थान स्वतः बंद कर दिया गया. इसके अलावा शहर में वाहन भी कम चले.

बाजार हाट : भारत बंद के दौरान बुधवार को लगने वाला बहुबाजार, मोरहाबादी बाजार, वेजिटेबल मार्केट में भी सन्नाटा पसरा रहा है. इन बाजारों में सब्जी विक्रेता कम पहुंचे. खरीदारी करने के लिए लोग कम आए. सब्जी बेचने वाली पैरो देवी दोपहर में बाजार पहुंची थी. उसने बताया कि भारत बंद का मालूम नहीं चला.

न्यूक्लियस मॉल : रांची के प्रतिष्ठित न्यूक्लियस मॉल में भी भारत बंद के दौरान सन्नाटा रहा. शाम में कम दुकानें खुलीं, जहां लोगों की भीड़ नहीं के बराबर दिखी.

हरिओम टावर : रातू रोड चौक से वर्धमान कंपाउंड रोड मे स्थित हरिओम टावर में चलने वाले दर्जनो कोचिंग संस्थानों में भारत बंद का असर दिखा. बंद में शैक्षणिक संस्थान भी स्वतः बंद कर दिये गये थे.

खास बातें

- कोचिंग संस्थानों में कोई क्लास नहीं हुआ, सभी बंद रहे
- बड़े मॉल शाम में खुले जरूर, मगर भीड़ नदारद रही

राजनीतिक दलों व सामाजिक संगठनों ने आक्रोश जताया

संवाददाता। रांची

एससी-एसटी के आरक्षण में वर्गीकरण पर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों ने विरोध किया. बुधवार को भारत बंद बुलाकर सड़क पर विरोध जताया. भारत बंद को सफल कराने में रांची में सिसई विधायक जिगा सुशासन होरो, तमाड़ विधायक विकास सिंह मुंडा भी शामिल हुए. झामुमो रांची जिला अध्यक्ष मुश्ताक आलम नेतृत्व में जिला समिति के पदाधिकारियों ने भारत बंद का समर्थन किया था. इस दौरान फिरायालाल स्थित अलबर्ट एक्का चौक से बाइक रैली निकाली, जहां से पुराना हाईकोर्ट डोरंडा पहुंचा. वहां बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. वहां पर शांतिपूर्वक लोगों ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का शांतिपूर्वक विरोध किया.

मौके पर केंद्रीय सदस्य समनूर मंसूरी, सुशीला एक्का, जिला सचिव डॉ हेमलाल कु मेहता, जिला उपाध्यक्ष जनक नायक, बीरू तिर्की, अश्विनी शर्मा, रामानंद बेदिया, कलाम आजाद, जिला संगठन सचिव आदिल इमाम, जुल्फिकार खान आदि शामिल थे.

अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद : अध्यक्ष पवन तिर्की ने कहा कि आज भी आदिवासी-मूलवासी के लोग उस स्तर पर नहीं पहुंचा है. आरक्षण रहित लोगों से बराबरी भी नहीं कर पाए.मौके पर अनुज हेम्बरोम, आकाश तिर्की, निरंजन तिर्की लकी सिंकु, अभिमन्यु उरांव,शिव उरांव , राजू एक्का आदि उपस्थित रहे.

ऑल इंडिया क्रिश्चियन माइनॉरिटी फ्रंट : विधायक प्रत्याशी प्रवीण कच्छप ने कहा कि भारत देश संविधान से चलती है.

राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा : राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के पदाधिकारियों ने सुप्रीम कोर्ट के क्रीमीलेयर के निर्णय का विरोध किया. राष्ट्रपति के नाम उपायुक्त के माध्यम से मांग पत्र सौंपा. इस दौरान हरमू चौक को जाम कर दिया था और जमकर प्रदर्शन किया. प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि न्यायालय ने जो एससी एसटी के कोटे में कोटा और क्रीमीलेयर लगाने का काम किया है. वह संवैधानिक नहीं है, जिसे केंद्र सरकार अध्यादेश लाकर इस मामले को पलटे. विद्याधर प्रसाद ने कहा की आरक्षण प्रतिनिधित्व की व्यवस्था है, ना कि गरीबी उन्मूलन का. अतः किसी भी तरह का क्रीमी लेयर का प्रावधान या उप वर्गीकरण सरासर संविधान की भावनाओं के विरुद्ध है. वरिष्ठ अधिवक्ता श्रीकांत ने कहा कि पिछड़े वर्गों के हित में काम करना चाहिए. उनके लिए विकास के लिए कार्यक्रम बनाना चाहिए.

मेन रोड में बंद के दौरान निकली एक कार पर चढ़कर बंद के समर्थन में नारे लगाते कार्यकर्ता.

झारखंडी भाषा खतियानी संघर्ष समिति, झारखंड स्टेट स्टूडेंट यूनियन : जेबीकेसेस के सैकड़ों लोगों ने करमटोली चौक से बाइक रैली निकाल कर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का विरोध किया और सड़क पर उतरकर आक्रोश व्यक्त किया. इस दौरान अध्यक्ष देवेंद्र महतो ने कहा कि कहा सुप्रीम कोर्ट के फैसले का बहिष्कार कर रहे हैं.

- **केंद्रीय सरना समिति भारत :** अध्यक्ष नारायण उरांव ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसला सत्ताधारी को लाभ पहुंचाने वाला फैसला है. संविधान का हनन करने का प्रयास किया जा रहा है.
- **बहुजन समाजवादी पार्टी :** अवधेश बैठा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को आदिवासी मूलवासी में आक्रोश है. लोगों ने कहा कि देश मे जातिगणना होनी चाहिए, जिसकी अधिक आबादी उसे हक देना होगा. मौके पर राम प्रसाद, सुबोध पासवान, रवि कुमार शामिल थे.
- **राष्ट्रीय संविधान रक्षा मंच :** अध्यक्ष सरजीत मिर्धा ने कहा कि हम सुप्रीम कोर्ट के फैसले का विरोध करते हैं. मौके पर संजय महली ,दवारिका दास, महावीर उरांव, आरती रंजन समेत अन्य शामिल रहे.
- **भारत आदिवासी पार्टी :** भारत आदिवासी पार्टी के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष प्रेम शाही मुंडा ने कहा कि आरक्षण हमारा मौलिक अधिकार है. प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष अजय कच्छप ने कहा कि आदिवासियों पर आरक्षण समाप्त करना हमें समाप्त करने के षड्यंत्र है.

राजद कार्यकर्ता उतरे सड़क पर, लगाए नारे

संवाददाता। रांची

एसटी, एससी के आरक्षण में उप वर्गीकरण व क्रीमीलेयर लागू करने के आदेश के खिलाफ एसटी, एससी, ओबीसी द्वारा भारत बंद के आह्वान पर प्रदेश राजद ने रांची समेत सभी 24 जिलों में सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया और पुरजोर समर्थन दिया. प्रदेश महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव ने कहा कि रांची में बंदी पूर्ण रूप से सफल रहा,बंद के दौरान राजद नेताओं ने रांची जयपाल सिंह स्टेडियम से सुजाता चौक तक पैदल मार्च करते हुए विरोध प्रदर्शन किया. उन्होंने कहा कि बंद में समर्थन के दरम्यान श्यामदास सिंह,अनीता यादव, राजेश रौशन, रंजन यादव,धर्मेंद्र महतो, कमलेश यादव, सुधीर गोप, रामकुमार यादव, जफीर खान, शौकत अंसारी मौजूद रहे.

भारत बंद शत-प्रतिशत सफल रहा : सुबोधकांत

रांची। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने एससी-एसटी के आरक्षण में वर्गीकरण और ओबीसी पर क्रीमी लेयर लागू करने के निर्णय के विरोध में बुधवार को यूपीए में शामिल सभी दलों द्वारा आहूत भारत बंद को शत-प्रतिशत सफल बताया. उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपानीत सरकार संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर रही है. अनुसूचित जाति और जनजाति सहित ओबीसी समुदाय के संविधान सम्मत अधिकारों का हनन किया जा रहा है, इसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जा सकता. उन्होंने भारत बंद को सफल बनाने में शामिल सभी दलों के प्रति आभार व्यक्त किया.

बंद में जनता की एकजुटता सराहनीय : आबिद

झारखंड प्रदेश मोमिन कांफ्रेंस के प्रदेश अध्यक्ष आबिद अली अंसारी ने कहा कि एससी-एसटी और ओबीसी समुदाय के हितों की रक्षा के लिए भारत बंद को अपार जनसमर्थन मिला. यूपीए में शामिल राजनीतिक दलों के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक संगठनों ने भी भारत बंद को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. उन्होंने कहा कि एससी-एसटी व ओबीसी समुदाय को संविधान सम्मत मिले अधिकारों की रक्षा के लिए भारत बंद के दौरान देश की जनता ने जो एकजुटता दिखाई है, सराहनीय है.

एआईएमआईएम ने बाइक रैली निकाली

रांची। भारत बंद के शांतिपूर्वक सफल रहने पर ऑल इंडिया मजलिस इत्तेहादुल मुस्लिमीन झारखंड, रांची महानगर अध्यक्ष शाहिद अय्यूबी के नेतृत्व में मोटरसाइकिल रैली निकाली गई. रैली अल्बर्ट एक्का चौक पहुंच कर प्रदर्शन किया. भारत बंद का समर्थन करते हुए शाहिद अय्यूबी ने कहा कि उच्चतम न्यायालय अपने फैसले पर पुनर्विचार करें. आज भी वह पीछे हैं और उन्हें निजी संस्थानों में आरक्षण का लाभ नहीं दिया जा रहा है. मौके पर पूर्व पार्षद जावेद अख्तर, अनवर उर्फ अन्नु, फहीम अहमद, समीर खान, तौकीर आलम, मो अफसर, रिजवान मोजीबी , मो कामरान, रेहान मोहम्मद तौसीफ आदि मौजूद रहे.

इंडिया गठबंधन ने बंद को बताया शांतिपूर्ण और ऐतिहासिक

रांची। सुप्रीम कोर्ट के आए फैसले के विरोध में बुलाए गए बंद का झारखंड में असरदार रहा. बंद को इंडिया घटक के दलों द्वारा सड़क पर उतरकर समर्थन दिया गया. झामुमो, कांग्रेस, राजद, सीपीआई, आप सहित सभी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने अल्बर्ट एक्का चौक पर प्रदर्शन किया. इसके बाद इंडिया गठबंधन द्वारा बंद को लेकर सीपीआई के प्रदेश कार्यालय में इंडिया गठबंधन ने एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया. प्रेस वार्ता में बंद की सफलता पर खुशी जताई गई. इसमें झामुमो के जिला अध्यक्ष मुश्ताक आलम ने कहा कि झारखंड में बंद शांतिपूर्वक और ऐतिहासिक रहा. हम एसटी एससी और ओबीसी समाज के साथ कंधे से कंधे मिलाकर इस बंद में भाग लिए. सीपीआई के अजय सिंह ने कहा कि न्यायपालिका कानून नहीं बनाती है. संविधान और संसद द्वारा बनाए गए कानून का पालन और सुरक्षा प्रदान करती है. आप नेता संतोष रजक ने कहा कि आरक्षण आर्थिक रूप से नहीं दिया गया है या सामाजिक जातीय आधार पर दिया गया है. राजद के जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र महतो ने कहा कि भारत बंद में राजद के तमाम कार्यकर्ता बढ़-चढ़कर भाग लिए बंदी अभूतपूर्व रहा. उमेश प्रसाद गुप्ता ने कहा कि भारत के संविधान के तहत एससी एसटी ओबीसी का आरक्षण होना चाहिए.

ब्रीफ खबरें

चयनित उम्मीदवारों को दी बधाई

रांची । झारखंड स्टेट इलेक्ट्रिक सप्लाई वर्कर्स यूनियन के उप महामंत्री दीपक गिरि ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर आंतरिक नियोजन विज्ञापन संख्या 05/2016 के नियुक्ति हेतु चयनित सभी

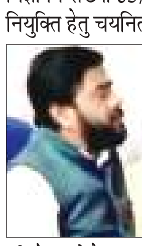

उम्मीदवारों को बधाई दी साथ ही उनके उज्जवल भविष्य की कामना भी की है. उन्होंने उक्त कार्य को अंतिम रूप से संपादित करने के लिए निगम प्रबंधक को भी धन्यवाद दिया. उन्होंने कहा कि वर्षों से लंबित 05/2016 का निराकरण किया जाना यूनियन के अथक प्रयास का परस्पर परिणाम है. उन्होंने कहा कि यूनियन सदैव से उद्योग हित एवं मजदूर हित में काम करते आ रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे.

रांची में भाजपा की युवा आक्रोश रैली कल

रांची। भाजपा की युवा आक्रोश रैली 23 अगस्त को रांची के मोरहाबादी मैदान में होगी. राज्य के सभी जिले से हजारों की संख्या में बीजेपी कार्यकर्ता और नेताओं के रैली में भाग लेने की उम्मीद है. इस दौरान विधि व्यवस्था की गंभीर समस्या उत्पन्न नहीं हो, इसको लेकर डीजीपी अनुराग गुप्ता ने बुधवार की शाम सभी जिलों के एसपी-एसएसपी के साथ समीक्षा बैठक की. समीक्षा बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई है. बैठक में रेंज के डीआईजी और जोनल आईजी भी शामिल हुए. डीजीपी ने जिलों के एसपी-एसएसपी को विधि-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर दिशा-निर्देश दिए.

कांके स्थित कार्यकारी अध्यक्ष ने की बैठक, बोले-

27% आरक्षण ओबीसी का अधिकार

संवाददाता। रांची

कांके स्थित कार्यकारी अध्यक्ष हीरानाथ साहु के आवासीय कार्यालय में बुधवार को झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा की कोर कमेटी की बैठक आयोजित की गयी. बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु व संचालन प्रधान महासचिव इंदु भूषण गुप्ता ने किया. बैठक में 31 जुलाई को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को सौंपे गए 10 सूत्री मांग-पत्र पर चर्चा की गई और सीएम से सकारात्मक पहल करने की मांग की गई. बैठक में निर्णय लिया गया कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर दो अक्टूबर को प्रस्तावित कार्यक्रम 'वैश्य सद्भावना महासम्मेलन आयोजित किया जाएगा. इसके लिए प्रदेश में जन संपर्क अभियान चलाया जायेगा, ताकि अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित हो सके. 30 अगस्त को भुरकुंडा में केंद्रीय समिति की विस्तारित बैठक सह कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित होगा. बैठक में कहा गया कि 27% आरक्षण ओबीसी का संवैधानिक अधिकार है. जब तक अधिकार मिल नहीं जाता है, लड़ाई जारी रखी जायेगी. पुलिस निर्दोष लोगों को झूठे केस में फंसा रही है, इस मुद्दे पर भी जांच करने और उच्च अधिकारियों से मिलकर बात करने का निर्णय लिया गया. मौके पर कार्यकारी अध्यक्ष हीरानाथ साहू, सुरेश साहू, अशोक गुप्ता, कृष्णा साहू, अनिल वैश्य, राहुल साहू, हलधर साहू आदि शामिल थे.

बैठक में झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा के सदस्य.

पीएमजीएसवाई के लिए इंजीनियरों की टीम बनेगी : मुख्य सचिव

रांची। मुख्य सचिव एल खियांग्ते ने प्रधानमंत्री ग्राम्य सड़क योजना के लिए अभियंताओं की विशेष टीम गठित करने का निर्देश ग्रामीण कार्य विभाग को दिया है. यह टीम भारत सरकार से पीएमजीएसवाई की योजनाओं की स्वीकृति व आवंटन कराने के लिए समन्वय का काम करेगी. जेएसआरआरडीए अपने अधीनस्थ इंजीनियरों को इसके लिए प्रतिनियुक्त करेगा. झारखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में पीएमजीएसवाई से सड़कों का जाल बिछाने की योजना चल रही है. 250, 500 व 1000 बसावटों वाले गांव तक सड़क बनायी जा रही है. वहीं, अब 100 की आबादी वाले गांव में भी पीएमजीएसवाई से सड़कें ली जानी हैं.

जेडीए के सदस्यों ने की मंत्री बन्ना गुप्ता से मुलाकात

रांची। रिम्स के जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन (जेडीए) के सदस्यों ने बुधवार स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता से मुलाकात की. इस दौरान एसोसिएशन के सदस्यों ने बन्ना गुप्ता के सामने झारखंड में मेडिकल प्रोटेक्शन एक्ट ऑर्डिनेंस के रूप में लाने, अस्पताल को सेफ जोन घोषित करने समेत कुछ अन्य मांगों को रखा. इस दौरान बन्ना गुप्ता ने डॉक्टरों की मांगों को सुना और उसपर अपना समर्थन भी जताया. बन्ना गुप्ता ने कहा कि इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री को अवगत कराया जाएगा और उनसे बातचीत की जाएगी. साथ ही उन्होंने रिम्स के निदेशक को तत्काल प्रभाव से रिम्स की व्यवस्था में सुधार लाने का निर्देश भी दिया. जेडीए के सदस्यों ने बताया कि

स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता की बातों से उन्हें काफी आश्वासन मिला है. स्वास्थ्य मंत्री ने काफी प्रयास किया है झारखंड में मेडिकल प्रोटेक्शन एक्ट लाने का. हमें उनसे काफी उम्मीद है और हम यह उम्मीद करते है कि इनके शासन काल में ही यह एक्ट लागू होगा. जेडीए के सदस्यों ने कहा कि मेडिकल प्रोटेक्शन एक्ट की मांग को लेकर हम हमेशा चर्चा करते रहेंगे. हमारा प्रयास है कि हम जल्द से जल्द अपने पेन डॉउन आंदोलन को खत्म करने की ओर कदम बढ़ायें.

राज्यपाल से अजय मारू और विधायक लंबोदर महतो ने की मुलाकात

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से बुधवार को राजभवन में पूर्व राज्य सभा सांसद अजय मारू ने शिष्टाचार भेंट की. इसके बाद विधायक लंबोदर महतो ने राज्यपाल से राज भवन में भेंट की. उक्त अवसर पर राज्यपाल को उन्होंने चार सितंबर को सिंहपुर इंटर कॉलेज, सिंहपुर में आयोजित होने वाले शिक्षक सम्मान-सह-प्रतिभा सम्मान समारोह में आमंत्रित किया. केन्द्रीय तसर अनुसंधान प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक एनबी चौधरी ने राज्यपाल से भेंट की एवं संस्थान की गतिविधियों से अवगत कराया. महानिदेशक, गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवाएं अनिल पालटा ने राज भवन में राज्यपाल से शिष्टाचार भेंट की.

उपलब्धि राज्य के आठ जिलों के 193 स्कूलों में 1 स्मार्ट क्लास व 1 आईसीटी लैब लगाया जाएगा

सीसीएल और ईडीसीआईएल के बीच हुआ समझौता

संवाददाता। रांची

प्रोजेक्ट डिजिटल विद्या अंतर्गत झारखंड के आठ जिलों (रांची, रामगढ़, हजारीबाग, बोकारो, लातेहार, चतरा, गिरिडीह और पाकुड़) के 193 सरकारी स्कूलों में 1 स्मार्ट क्लास और 1आईसीटी लैब के अधिष्ठापन के लिए कोल इंडिया की अनुषंगी - सेंट्रल कोलफ़ील्ड्स लिमिटेड एवं ईडीसीआईएल इंडिया लिमिटेड के बीच समझौता ज्ञापन सम्पन्न हुआ. कंपनी की सीएसआर निधि द्वारा 26.13 करोड़ रुपये की लागत से इनके अधिष्ठापन के अतिरिक्त स्थानीय पाठ्यक्रम आधारित डिजिटल सामग्री, शिक्षक प्रशिक्षण और 3 वर्षों तक उपकरणों का रखरखाव शामिल है. यह पहल कोयला मंत्रालय के विजन के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य कोयला खनन वाले जिलों के सरकारी स्कूलों को डिजिटल शिक्षा से युक्त कर ग्रामीण छात्रों तक आधुनिक शिक्षण पद्धति उपलब्ध कराना है.

समझौता करते दोनों कंपनियों के सदस्य

आईटी पहल पर कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता। रांची

मानव संसाधन विकास विभाग ने सतर्कता विभाग के सहयोग से आईटी पहल पर तीन दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया. उद्घाटन सत्र में सीवीओ सीसीएल पंकज कुमार और एके सिंह ने भाग लिया. जिन्होंने प्रतिभागियों को प्रेरित और प्रोत्साहित करने के लिए प्रेरक भाषण दिए. जीएम (एचआरडी) आर के पांडे ने कार्यक्रम के लिए सकारात्मक माहौल तैयार करते हुए प्रतिभागियों का स्वागत किया. कार्यक्रम में मुख्यालय और क्षेत्रों से कुल 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया. कार्यक्रम का उद्देश्य आईटी पहलों के बारे में प्रतिभागियों की समझ को बढ़ाना, नवीनतम तकनीकों और प्रणालियों पर ध्यान केंद्रित करना है, जो विभिन्न परिचालन क्षेत्रों में दक्षता और सुरक्षा में सुधार करेंगे.

सत्र के दौरान शामिल मुख्य विषयों में ये शामिल हैं : आरएफआईडी प्रणाली, माल खरीद से संबंधित एसएपी , सीसीटीवी निगरानी प्रणालियों में एआई का उपयोग, रेलवे साइडिंग के लिए नई नवोन्मेषी प्रणालियां, एमपीएलएस और एचडी वैन.

त्योहारों को लेकर डीजीपी से मिला प्रतिनिधिमंडल

रांची। सर्वधर्म समभाव के भाव की मिसाल पेश करते हुए धार्मिक संगठनों का प्रतिनिधिमंडल बुधवार को डीजीपी अनुराग गुप्ता से मिला. जन्माष्टमी और चेहल्लुम सहित आने वाले पर्व-त्योहारो को लेकर चर्चा की. साथ ही सौहार्द के साथ इसे सम्पन्न कराने में प्रशासनिक स्तर पर सहयोग का अनुरोध किया. श्रीमहावीर मंडल के पूर्व अध्यक्ष जय सिंह यादव और सर्वधर्म सदभावना समिति के अध्यक्ष मो. इसलाम ने डीजीपी को चुनरी और बुके देकर समय देने के लिए उनका आभार जताया. पुलिस महानिदेशक ने हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया. मंडल के मंत्री दीपक ओझा, ओम सिंह, परवेज आलम सहित रंजन कुमार, तनवीर आलम, महावीर ओहदार,नौशाद आलम, अशोक यादव, जसीम हसन, हाजी माशूक, डॉ. असलम परवेज आदि प्रतिनिधिमंडल में शामिल थे.

www.lagatar.in
रांची, गुरुवार 22 अगस्त 2024 • भाद्रपद कृष्ण पक्ष 03, संवत 2081 • पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 • वर्ष : 2, अंक : 134
आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

तापमान
30.8° अधिकतम | 23.8° न्यूनतम

भारत बंद का असर

झारखंड में भारत बंद का मिला-जुला असर देखा गया. रांची में झामुमो समर्थकों ने सड़क पर उतर कर दुकानों और बाजारों को बंद करवाया. बंद के दौरान रातू के कांठीटांड़ चौक के पास अमूमन हर दिन भारी भीड़ रहती है. लेकिन, बुधवार को यहां वाहनों का आवागमन पूरी तरह ठप देखने को मिला. कांठीटांड़ चौक पर सिर्फ पैदल आते-जाते लोग ही दिखे **-फोटो : रमीज**

ब्रीफ खबरें

राजा पीटर की अर्जी पर आंशिक सुनवाई

रांची। झारखंड हाई कोर्ट में पूर्व मंत्री रमेश सिंह मुंडा हत्याकांड मामले में दो सरकारी गवाहों का क्रॉस एग्जामिन के लिए अनुमति मांगे जाने वाली पूर्व मंत्री गोपाल कृष्ण पातर उर्फ राजा पीटर की याचिका पर बुधवार को आंशिक सुनवाई हुई. कोर्ट ने मामले को सक्षम बेंच में भेजने का निर्देश दिया है. मामले में आरोी राजा पीटर ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर एनआईए की ओर से बनाए गए दो सरकारी गवाह का क्रॉस एग्जामिन करने का आग्रह किया है. मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति अनिल कुमार चौधरी की कोर्ट में हुई. इस मामले में राजा पीटर अभी जमानत पर बाहर हैं. उन्हें हाईकोर्ट से जमानत मिली है.

नक्सली की अपील पर कोर्ट का फैसला सुरक्षित

रांची। खूंटी में घटित मनोज महतो हत्याकांड के सजायाफ्ता पीएलएफआई के जोनल कमांडर जेठा कच्छप और एक अन्य सजायाफ्ता सनातन स्वांसी की सजा के खिलाफ क्रिमिनल अपील पर बुधवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. अदालत ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद इनकी सजा के खिलाफ अपील पर फैसला सुरक्षित रख लिया. सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया गया कि जेठा कच्छप के खिलाफ कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं. यह प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीएलएफआई का प्रमुख सदस्य है.

शहर के सार्वजनिक शौचालयों के हालात बदतर, सूखे पड़े रहते हैं नल

जगह-जगह शौचालय तो हैं, पर उसमें पानी ही नहीं

आकर्ष अनिकेत। रांची

राजधानी के लगभग हर इलाके में सार्वजनिक शौचालय की व्यवस्था निगम द्वारा की गयी है. शहर के शौचालयों की स्थिति जानने के लिए हमने शहर के आठ शौचालयों का जायजा लिया. इस दौरान पाया गया कि शहर में हर कुछ दूरी पर एक शौचालय तो जरूर है, पर कहीं शौचालय साफ नहीं थे, तो कहीं नल में पानी नहीं आ रहा था. कुछ शौचालयों में मुख्य गेट का दरवाजा टूटा हुआ मिला. लोगों से बातचीत के दौरान पता चला कि न तो शौचालयों की न तो ठीक ढंग से साफ-सफाई होती है और न ही यहां पानी की व्यवस्था है. लोगों ने बताया कि कभी कभार टैंकर से शौचालय के उपर लगी टंकी में पानी भर दिया जाता है.

हरमू चौक के शौचालय का गेट जाम : हरमू चौक स्थित शौचालय में भी पानी नहीं है और गेट भी जाम है. इस वजह से शौचालय का उपयोग करने वाले लोगों को काफी परेशानी होती है. हरमू निवासी राहुल कुमार ने बताया कि शौचालय काफी गंदा है, पानी भी नहीं है और शौचालय का गेट जाम है, जिससे गेट बंद करने में भी काफी परेशानी होती है.

लालपुर, सहजानंद चौक व कचहरी के शौचालय में पानी नहीं : लालपुर चौक में बीआईटी एक्स. के पास स्थित शौचालय, कचहरी में पुराने नगर निगम भवन के पास और सहजानंद चौक स्थित शौचालय में भी पानी नहीं रहता है. शौचालय के ऊपर टंकी तो लगी है, जो कि अक्सर सूखी रहती है. आस-पास के दुकानदारों ने बताया कि गंदगी के कारण वे लोग शौचालय का इस्तेमाल नहीं करते हैं. पानी नहीं रहने के कारण शौचालय अक्सर गंदा ही रहता है.

बिरसा चौक : कुएं से पानी भरकर ले जाते हैं लोग : बिरसा चौक से बाइपास की ओर बढ़ने पर एक शौचालय है. पास ही में रहने वाले तीजू लोहरा ने बताया कि शौचालय के नल में पानी ही नहीं आता है. कभी-कभी टंकी में टैंकर से पानी भरा जाता है. साफ-सफाई भी ठीक ढंग से नहीं होती है. पास ही में मौजूद कुएं से पानी भर कर अपने साथ ले जाते हैं.

कोकर के शौचालय में जाने के लिए रास्ता ही नहीं : कोकर के बैंक कॉलोनी के पास एक शौचालय है. इस शौचालय में जाने के लिए लोगों को काफी मशक्कत करनी पड़ती है. शौचालय के सामने चौड़ी नाली है और उसपर स्लैब भी नहीं है. पास में ही दुकान लगाने वाले बालाजी ने बताया कि शौचालय में जाते वक्त नाली में गिरने का डर बना रहता है,

रातू रोड में शौचालय जर्जर, बना चुका है नशेड़ियों का अड्डा

रातू रोड में शौचालय के बेसिन में सिरिंज.

रातू रोड में टीवी टावर के पास स्थित शौचालय की स्थिति काफी खराब है. यहां दो में से एक शौचालय में पैन टूटी हुई थी. वहीं दूसरे शौचालय के बेसिन में दो सिरिंज फेंके हुए थे. पास ही में रहने वाले लालजी ने बताया कि रात के वक्त यहां नशेड़ियों का अड्डा जमता है. शौचालय की खराब स्थिति को देखते हुए अक्सर लोग शौचालय के बाहर ही शौच कर चले जाते हैं.

बायपास रोड स्थित सुविधाहीन शौचालय.

- **सार्वजनिक शौचालयों की ठीक ढंग से नहीं होती है साफ-सफाई**
- **शौचालय के ऊपर बनी है टंकी, कभी कभार भरा जता है पानी**

बिरसा चौक बायपास रोड में चार शौचालय, सभी में गंदगी : बिरसा चौक से बाइपास रोड में लगभग 300 मीटर बढ़ने पर एक साथ चार शौचालय हैं. सभी के ऊपर पानी की टंकी है, पर शौचालय के नल में पानी नहीं आता है. पास ही में रहने वाले दिलीप नायर ने बताया कि पानी नहीं होने की वजह से शौचालय हमेशा गंदा ही रहता है. उन्होंने यह भी बताया कि शौचालय के गेट को बंद करने में भी काफी दिक्कत होती है.

चांडिल डैम में लापता विमान की तलाश, न विमान मिला न लापता पायलट

नौसेना टीम का तलाशी अभियान आज से

- सोनारी एयरपोर्ट से उड़ान भरने के 15 मिनट बाद लापता हुआ था ट्रेनिंग विमान

संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर के सोनारी एयरपोर्ट से मंगलवार सुबह 10.30 बजे उड़ान भरने के 50 मिनट बाद लापता हुए अल्केमिस्ट एविएशन प्राइवेट लिमिटेड के एयरक्राफ्ट की खोज करने बुधवार को पहुंची एनडीआरएफ की टीम को सफलता नहीं मिली. विमान में सवार पायलट जीत शत्रु और ट्रेनी पायलट सुब्रतो दीप का कोई पता नहीं चल पाया है. एयरक्राफ्ट के चांडिल डैम में गिरने की स्थानीय लोग पुष्टि कर रहे हैं.

मंगलवार की शाम से ही डैम और आसपास के क्षेत्रों में इसकी तलाश जारी थी. स्थानीय लोगों ने कोयलागढ़, प्रतापपुर स्थित शिव मंदिर के आसपास विमान के गिरने की बात कही थी. बुधवार की सुबह रांची से चांडिल डैम पहुंची 16 सदस्यीय एनडीआरएफ की टीम ने डैम के अंदर लापता विमान और पायलटों की तलाश की, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली. चांडिल डैम के अंदर घुसी एनडीआरएफ की टीम तीन घंटे बाद खाली हाथ वापस लौटी. उसके साथ स्थानीय तैराकों की टीम भी बाहर निकल आई. दोपहर के भोजन के बाद टीम दोबारा डैम के अंदर विमान और पायलट की तलाश करने घुसी. उनके साथ चांडिल डैम के वोट संचालकों की टीम भी देशी तकनीक के साथ डैम में प्रवेश किया. लेकिन, शाम करीब साढ़े चार बजे सभी वापस लौट आए.

डैम से बाहर निकालने के बाद टीम लीडर सूरज कुमार ने बताया कि टीम ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश की है. उन्होंने कहा अगर विमान और पायलट यहां गिरे हैं, तो निश्चित तौर पर टीम के सदस्य उन्हें खोज कर बाहर निकलेंगे. बता दें कि अलकेमिस्ट एविएशन के विमान 'सेसना 152' ने मंगलवार को पूर्वाह्न करीब 11 बजे जमशेदपुर के सोनारी हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी. इस विमान में एक पायलट और एक प्रशिक्षु पायलट सवार था. उड़ान भरने के 15 मिनट बाद ही विमान का एटीसी से संपर्क कट गया था और फिर उसका लोकेशन नहीं मिला.

चांडिल डैम में लापता विमान की खोज करती एनडीआरएफ की टीम.

डैम में पायलट का जूता व पानी पर तेल के अंश मिले

चांडिल एसडीओ शुभ्रा रानी ने बताया कि पुलिस-प्रशासन की टीम घटना पर नजर रखी हुई है. उन्होंने बताया कि डैम के अंदर पानी में घुसी एनडीआरएफ की टीम को पानी के ऊपर तेल का कुछ अंश मिला है. जहां-जहां तेल का अंश मिला टीम के सदस्य उन स्थानों में लापता विमान और पायलटों की तलाश की. एनडीआरएफ की टीम को तलाशी के दौरान ट्रेनी पायलट सुब्रतो दीप का जूता मिला है. टीम दोनों पायलटों के मोबाइल लोकेशन की भी जांच की जा रही है. डैम के आस-पास के गांवों में लोगों को इसकी जानकारी देकर पूछताछ भी की जा रही है.

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने की पहल, आएगी टीम

रांची। जमशेदपुर, सोनारी से उड़ान भरने के बाद लापता हुए एयरक्राफ्ट की खोज में भारतीय नौसेना भी सहयोग करेगी. इसके लिए सरायकेला खरसावां जिला प्रशासन ने रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ को पत्र भेज कर नेवी के सहयोग का आग्रह किया था. मंत्री ने सकारात्मक पहल करते हुए अधिकारियों को तुरंत मदद का आश्वासन दिया. इसके बाद भारतीय नौसेना ने सक्रियता दिखाई है.

ट्रैफिक पोस्ट 42, प्रशिक्षित पुलिसकर्मी 343

राजधानी में 90 किमी के रेडियस में ट्रैफिक का दबाव ज्यादा, सिस्टम अस्त-व्यस्त

सौरभ सिंह। रांची

राजधानी में प्रशिक्षित ट्रैफिक जवानों की भारी कमी है. इस कारण शहर में ट्रैफिक व्यवस्था संभालने में परेशानी हो रही है. रांची में करीब 90 किलोमीटर रेडियस की सड़क पर ट्रैफिक का दबाव है, जिनमें 42 ट्रैफिक पोस्ट हैं. लेकिन, इन्हें संभालने के लिए महज 343 प्रशिक्षित ट्रैफिक पुलिस के कंधों पर ही पूरी जिम्मेदारी है. शहर के अस्त-व्यस्त ट्रैफिक सिस्टम के पीछे, प्रशिक्षित जवानों का न होना भी एक बड़ा कारण है. झारखंड पुलिस मुख्यालय के रिपोर्ट के मुताबिक, रांची में इस साल जनवरी से लेकर जुलाई तक 104228 वाहनों का चालान काटा गया. इस दौरान जुर्माने के रूप में 41.64 लाख रुपया वसूले गये.

रांची में 1666 ट्रैफिक पुलिस बल पद स्वीकृत : रांची में 1666 ट्रैफिक पुलिस बल के पद स्वीकृत हैं, जिनमें 1192 पुलिसबल कार्यरत हैं. इन 1192 पुलिस बल में 580 होमगार्ड और 59 जैप के जवान शामिल हैं. इनमें से सिर्फ 343 पुलिस के जवान ही प्रशिक्षित हैं. बाकी 849 जवान अप्रशिक्षित हैं. ट्रैफिक पोस्ट पर तैनात पुलिस कर्मियों से बात करने पर उन्होंने बताया कि 10 से 12 घंटे ड्यूटी करनी पड़ रही है. पुलिस कर्मियों की संख्या कम होने के कारण उन्हें छुट्टी भी नहीं मिल पाती है. इसके अलावा ऐसे स्थानों पर भी जवानों की तैनाती है, जहां व्यवस्था नहीं है. तिरपाल, टेंट, बोरा, प्लास्टिक, फ्लैक्स आदि की मदद से जुगाड़ टेक्नोलॉजी के जरिए जवानों ने अपने लिए शेड बना रखा है.

रांची में निजी कार 2.58 लाख, दोपहिया वाहन 9.55 लाख

रांची में निजी कार की संख्या 2.58 लाख है, जबकि बाइक, स्कूटी व मोपेड 9.55 लाख हैं. हर साल होने वाले वाहनों की बिक्री में दोपहिया वाहनों की हिस्सेदारी करीब 60-65% रह रही है, जबकि चारपहिया वाहनों की हिस्सेदारी लगभग 20% है. बीते 22 सालों में रांची में न तो नई सड़कें बनी हैं और न ही सड़कों का चौड़ीकरण किया गया है. लेकिन साल दर साल यहां वाहनों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि हुई है और बुनियादी सुविधाएं नहीं बढ़ी हैं.

अब ऑनलाइन जमा करेंगे वेस्ट यूजर चार्ज

रांची। नगर निगम ने अपने नागरिकों की सुविधा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है. अब लोग वेस्ट यूजर चार्ज घर बैठे ऑनलाइन माध्यम से जमा कर सकते हैं. रांची नगर निगम ने ऑनलाइन मोड में वेस्ट यूजर चार्ज जमा करने की शुरुआत कर दी है. ऑनलाइन भुगतान https://www.ranchimunicipal.com पर जाकर कर सकेंगे. निगम के एक अधिकारी ने बताया कि पहले आए दिन निगम के पास वेस्ट यूजर वसूलने के नाम पर ज्यादा पैसे लेने की शिकायत आती थी. अधिकारी ने बताया कि ऑनलाइन माध्यम से वेस्ट यूजर चार्ज का भुगतान करने से ठगी की कोई संभावना नहीं है. लोगों को इससे काफी सुविधा भी होगी. वहीं निगम के अधिकारियों ने शहर के सभी नागरिकों से अपील है कि अपने घरों व व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का ससमय वेस्ट यूजर चार्ज का भुगतान करें.

मंत्री चंपाई सोरेन का एस्कॉर्ट वाहन दुर्घटनाग्रस्त

चालक की मौत, पांच जवान घायल

संवाददाता। रांची

पूर्व मुख्यमंत्री व मंत्री चंपाई सोरेन का एस्कॉर्ट वाहन मंगलवार की देर रात करीब दो बजे दुर्घटनाग्रस्त हो गयी. इस हादसे में एस्कॉर्ट वाहन के चालक की मौत हो गयी है. जबकि पांच जवानों के घायल होने की खबर है. जानकारी के अनुसार, सरायकेला-टाटा मार्ग पर स्थित मुडिया गांव के पास मंत्री चंपाई सोरेन के एस्कॉर्ट वाहन को एक ट्रक ने टक्कर मार दी. इस हादसे में चालक विनय कुमार वान सिंह की से घटनास्थल पर ही मौत हो गयी, जबकि पांच अन्य पुलिस के जवान गंभीर रूप से घायल हो गये. घायल जवानों को बेहतर इलाज के लिए जमशेदपुर रेफर किया गया. जहां उनकी स्थिति खतरे से बाहर बतायी जा रही है. घटना के संबंध में बताया जाता है कि एस्कॉर्ट पार्टी के जवान मंत्री चंपाई सोरेन को उनके आवास जिलिंगगोडा में छोड़कर पुलिस लाइन लौट रहे थे. इसी दौरान हादसा हुआ. दुर्घटना में मृत जवान चाईबासा जिले के भोया गांव के रहने वाले थे. वहीं दुर्घटना के बाद एंबुलेंस से सभी घायलों को सदर अस्पताल सरायकेला लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी को बेहतर इलाज के लिए जमशेदपुर रेफर किया गया.

दुर्घटना के बाद घायल जवानों को देखने पहुंचे साथी पुलिसकर्मी.

कवायद | सरकारी स्कूलों में कक्षा एक के 19% बच्चे पढ़ना जानते हैं हिंदी, 4496 स्कूलों की बदलेगी सूरत

80 स्कूल उत्कृष्ट व पंचायतों के 4416 स्कूल बनेंगे आदर्श विद्यालय

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड के सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे कक्षा एक के सिर्फ 19 फीसदी बच्चों के पास हिंदी पढ़ने की क्षमता है. कक्षा दो के 27% और कक्षा तीन के 31% बच्चे ही हिंदी पढ़ना जानते हैं. वहीं कक्षा के 40% बच्चे गणित के नंबर को पहचानते हैं. कक्षा दो के 51 और कक्षा तीन के 50% बच्चे गणित को पहचानते हैं. स्कूली शिक्षा विभाग द्वारा संस्था प्रथम की सर्वे रिर्पोट में इसका खुलासा हुआ है. अब राज्य सरकार ने जिला स्तर पर 80 स्कूलों को उत्कृष्ट और प्रखंड- पंचायत स्तर पर 4416 स्कूलों को आदर्श विद्यालय के रूप में विकसित करने का फैसला लिया है.

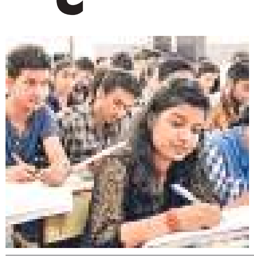

- कक्षा दो के 27 और कक्षा तीन के 31 फीसदी बच्चे ही पढ़ पाते हैं हिंदी
- **कक्षा एक के 40 फीसदी बच्चे गणित के नंबर को पहचानते हैं**
- कक्षा दो के 51 और कक्षा तीन के 50% बच्चे पहचानते हैं गणित के नंबर

स्कूलों में नामांकन दर बढ़ाने की कवायद : राज्य सरकार ने स्कूलों में नामांकन दर बढ़ाने की कवायद भी शुरू कर दी है. प्रारंभिक कक्षाओं में सकल नामांकन अनुपात 102.29% है, जबकि आयुवार नामांकन अनुपात 95.93% है. माध्यमिक कक्षाओं में सकल नामांकन अनुपात 71.77% है. आयुवार नामांकन अनुपात 49.39% है. उच्चतर माध्यमिक कक्षाओं में सकल नामांकन अनुपात 53.90 फीसदी है, जबकि आयुवार नामांकन अनुपात 27.47% है. माध्यमिक विद्यालयों में नामांकन की स्थिति में सुधार के लिए अगले पांच साल में माध्यमिक कक्षाओं में सकल नामांकन अनुपात का लक्ष्य 90% रखा गया है.

आदर्श विद्यालय क्यों है जरूरी

- विद्यार्थियों का अधिक से अधिक से नामांकन
- प्रधान शिक्षक एवं शिक्षकों के नेतृत्व एवं क्षमता में विकास
- सामुदायिक सहभागिता एवं विद्यालय प्रबंधन समिति का सशक्तिकरण
- बालप्रिय आधारभूत संरचना का विकास

योजना का उद्देश्य

- बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए उच्चतर माध्यमिक बालिका विद्यालय के साथ-साथ एक कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय को भी उत्कृष्ट शिक्षण केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा.
- **जिला मुख्यालयों के अलावा प्रखंड, शहरी निकाय एवं पंचायत स्तर पर भी एक-एक विद्यालयों को आदर्श विद्यालय के रूप में विकसित किया जाएगा.**
- आदर्श विद्यालय योजना के तहत विद्यालयों में छात्रों की संख्या के आधार पर आधारभूत संरचना का विकास किया जाएगा.
- कक्षा एक से 9 तक के बच्चों में जानकारी स्तर को बढ़ाया जाएगा.
- **बच्चों के उपलब्धि स्तर का आकलन किया जाएगा.**
- विद्यालय संचालन का नेतृत्व करने वाले प्रधानाध्यापकों की क्षमता विकास एवं नेतृत्व क्षमता को विकसित करने के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा.
- **विषयवार पदस्थापित शिक्षकों की तकनीकी क्षमता के विकास एवं वर्ग कक्ष संचालन प्रक्रिया, केंद्रीय अध्यापन हेतु नियमित प्रशिक्षण की व्यवस्था करने की प्रक्रिया की जाएगी.**

सीबीडीटी पुरस्कार से नवाजे गए रांची के प्रधान आयकर आयुक्त

वित्त मंत्री से प्रमाण पत्र लेते डॉ प्रभाकांत.

प्रमुख संवाददाता। रांची

रांची के प्रधान आयकर आयुक्त डॉ प्रभाकांत को बेहतर कुशल प्रबंधन और आयकर विभाग में मेधावी सेवा के लिए के लिए सीबीडीटी प्रमाण से नवाजा गया. बुधवार को दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण डॉ प्रभाकांत को यह प्रमाण पत्र सौंपा. डॉ प्रभाकांत को यह प्रमाण पत्र 33 साल से अधिक बेहतर कुशल प्रबंधन और मेधावी सेवा के लिए दिया गया. बताते चलें कि इस प्रमाण पत्र के लिए आयकर विभाग के 50,000 से अधिक कर्मियों में से कुल 22 अधिकारियों और कर्मचारियों को पुरस्कार के लिए चुना गया था. प्रधान आयकर आयुक्त डॉ प्रभाकांत ने अपने कॅरियर में कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं. इसी के एवज में उन्हें यह सम्मान मिला है.

प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन खलारी अंचल अधिकारी को सौंपा

बंद का कोयलांचल क्षेत्र में व्यापक असर

संवाददाता।डकरा

सुप्रीम कोर्ट द्वारा एसटी, एससी के लिए आरक्षण में "कोटा में कोटा" व्यवस्था लागू करने और क्रीमीलेयर के निर्धारण के विरोध में बुधवार को भारत बंद का आयोजन किया गया. यह बंद एसटी, एससी, ओबीसी मंच और विभिन्न सामाजिक संगठनों के आह्वान पर किया गया था, जिसका कोयलांचल क्षेत्र के डकरा में व्यापक असर देखा गया. सुबह से ही प्रदर्शनकारियों ने डकरा अंबेडकर पार्क में एकत्र होकर जुलूस की शक्ल में डकरा, केडीएच चूरी, सुभाष नगर,धमधमियां, लपरा सहित अन्य क्षेत्रों में जाकर बाजार बंद करवाया. प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन तैयार किया जिसे खलारी अंचल अधिकारी को सौंपा गया.

इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने "आरक्षण से छेड़छाड़ करना बंद करो", "एससी का ध्रुवीकरण बंद करो", "संविधान की रक्षा कौन करेगा", "सुप्रीम कोर्ट अपना फैसला वापस लो", "संविधान बदलने नहीं देंगे", "आरक्षण में आरक्षण नहीं चलेगा", और "भारतीय संविधान अमर रहे" जैसे नारे लगाते हुए अपना विरोध जताया. एसटी, एससी, ओबीसी एकता मंच के कार्यकारिणी अध्यक्ष देव पाल मुंडा ने कहा, "डॉ. भीमराव अंबेडकर के लिखे संविधान को केंद्र सरकार और सुप्रीम कोर्ट के जजों द्वारा कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है. यह संविधान द्वारा प्रदत्त आरक्षण को समाप्त करने की साजिश है, जिसे हम किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेंगे."अनिता गंझू ने क्रीमीलेयर के लागू करने की योजना को समाज को बांटने की कोशिश बताया. उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था समुदायों के बीच विभाजन पैदा करने की दिशा में एक कदम है. अन्य वक्ताओं में इंदिरा तुरी, राम लखन गंझू, बहुरा मुंडा, कन्हाई पासी, महेंद्र उरांव सहित कई प्रमुख व्यक्तित्वों ने सुप्रीम कोर्ट और केंद्र सरकार के खिलाफ इस बिल का कड़ा विरोध किया. इस अवसर पर रंथु उरांव, रामकुमार उरांव, प्रभाकर गंझू, विजय उरांव, वीरेंद्र गुप्ता, ध्वजाराम धोबी, शांति देवी, ललिता देवी, अशोक उरांव, शिव प्रसाद गंझू, बृजेश उरांव, अनुप रजक, प्रकाश महतो, शिवनारायण लोहर, कैलाश तुरी, और कई अन्य लोग भी उपस्थित थे.यह विरोध प्रदर्शन कोयलांचल क्षेत्र में एसटी, एससी, ओबीसी समुदाय की एकजुटता का प्रतीक था. सामाजिक संगठनों ने एकजुट होकर आरक्षण से छेड़छाड़ और संविधान में किए जा रहे बदलावों के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की. यह विरोध सभा आरक्षण के पक्ष में और क्रीमीलेयर जैसी नई व्यवस्था के खिलाफ एक स्पष्ट संदेश था. सामाजिक संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार और सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्णय वापस नहीं लिए तो वे अपने विरोध को और अधिक तेज करेंगे. उनका कहना है कि वे संविधान और अपने अधिकारों की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास करेंगे.

प्रदर्शनकारियों ने खलारी अंचल अधिकारी को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा.

भारत बंद का खलारी कोयलांचल में रहा असर

खलारी। एससी एसटी आरक्षण के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विरोध में 21 अगस्त को आहूत भारत बंद का खलारी में असर रहा .भारत बन्द को लेकर एससी एसटी ओबीसी एकता मंच सहित कई सामाजिक संगठन एवं राजनीतिक पार्टियों ने भी भारत बंद को समर्थन किया .भारत बंद को देखते हुए विभिन्न दलों के नेता और एससी एसटी समुदाय के लोग सड़क पर उतरकर जोरदार विरोध किया . सुबह से ही मंच के सदस्यों ने केडी मुख्य बाजार, करकट्टा, धमधमिया, मैक्लुस्कीगंज सहित खलारी क्षेत्र में घुम घुम कर दुकानों एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को बंद करवाया . अनुसूचित जाति व जनजाति आरक्षण में क्रीमीलेयर पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को तत्काल खारिज करने की मांग को लेकर खलारी अंचलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा . इस आंदोलन में रंथु उरांव, इंदिरा देवी तूरी, कन्हाई पासी, रामलखन गंझू, अमृत भोगता, देवपाल मुंडा, महेंद्र उरांव, रामेश्वर भोगता, अनिता गंझू, पुतुल देवी, पुष्पा खलखो आदि मौजूद रहे .

भारत बंद करने 'इंडिया' के समर्थक रोड पर उतरे

ओरमांझी। ओरमांझी चौक पर बुधवार को भारत बंद करने इंडिया गठबंधन के समर्थक रोड में उतरे . झारखंड प्रदेश आदिवासी सरना पड़हा समाज, मुन्ना, पतरा, चकला, ओरमांझी, रांची सह झारखंड प्रदेश ग्राम प्रधान महासंघ के अध्यक्ष रमेश उरांव के नेतृत्व में राष्ट्रीय मार्ग 33 ब्लॉक चौक के पास कई घंटे चक्का जाम किया गया . मौके पर प्रखंड कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष तुलसी खरवार, झारखंड मुक्ति मोर्चा के अध्यक्ष नागेश्वर महतो, अब्दुल कुदुस अंसारी, तौहीद आलम, सफीउल्लाह अंसारी,प्रोफेसर प्रेमनाथ मुंडा,सुरेश प्रसाद साहू, नरेश यादव, रमेश चंद्र उरांव,देवेंद्र पहान, परमेश्वर भोक्ता, बाबूलाल महली, जितेंद्र करमाली,घनेनाथ करमाली, सुरेश मुंडा, करमु पहान, जय नारायण, मानकी सूरज उरांव, अविनाश उरांव, दीपक मुंडा, भगत उरांव आदि मौजूद थे .

बेड़ो में बंद का व्यापक असर देखा गया

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड के बेड़ो एवं नरकोपी में 14 घंटे के भारत बंद का व्यापक असर देखा गया . कई इलाकों में बंद का मिला-जुला असर रहा . भीम आर्मी या झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्ताओं और बंद समर्थकों को बंद करने के लिए सड़क पर उतरने नहीं देखा गया . बेड़ो के महावीर चौक, गुमला रोड, बाजार टांड़ में होटल पूरी तरह बंद रहे जबकि गल्ला-किराना की दुकान खुली रही . लंबी दूरी की बसें नहीं चली . शाम 4 :00 बजे ट्रकों का परिचालन भी शुरू हो गया . बंद के दौरान पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद थी . कहीं से कोई अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली . सिटी राइड नहीं चले लेकिन निजी वाहनों का परिचालन सुबह से शाम तक होता रहा .

रातू में भारत बंद का रहा जोरदार असर

रातू। एसटी एससी आरक्षण में वर्गीकरण के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विरुद्ध विभिन्न सामाजिक संगठनों समेत इंडिया गठबंधन के समर्थित पार्टियों द्वारा बुधवार को देशव्यापी बंद का रातू एवं इसके आसपास के क्षेत्रों में व्यापक असर रहा . सुबह से ही भारत बंद को सफल बनाने के लिए समर्थक चौक चौराहों में आ धमके . इस दौरान क्षेत्र के सभी पेट्रोल पंप, स्कूल - कॉलेज, व्यापारिक प्रतिष्ठान तथा आवागमन बंद रहे . पूर्व जिप सदस्य अमर उरांव एवं झामुमो के बेलाल अंसारी के नेतृत्व में सैकड़ो महिला-पुरुष हाथों में सरना झंडा एवं लाठी डंडा लेकर काठीटांड चौक, रातू चट्टी, दलादिली चौक, तिलता चौक, ब्लॉक चौक को जाम कर आवागमन को पूरी तरह से ठप्प कर दिया . इस दौरान स्थानीय दुकानदारों द्वारा खोले गए सभी प्रतिष्ठानों को जबरन बंद करा दिया गया . बंद को सफल बनाने के कुशल उरांव, महावीर विश्वकर्मा, असलम अंसारी, शमीम मंसूरी, रीता देवी ने सराहनीय भूमिका निभाई . बंद के कारण सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा .

चान्हो-मांडर में आरक्षण को लेकर व्यापक बंदी

चान्हो/ मांडर। आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के दिए गए निर्देश के बाद बुधवार को बुलाए गए भारत बंद का व्यापक असर चान्हो ओर मांडर में देखा गया . लंबी दूरी के वाहन सड़कों से गायब रहे . वहीं ऑटो भी चलते नजर नहीं आए . सुबह के दस बजे के साथ ही बंद का व्यापक असर क्षेत्र में दिखाई देने लगा . ब्रांबे चौक में झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष रोशन तिग्गा के नेतृत्व में सड़क पर बांस बली लगाकर जाम लगाया गया . इसके कुछ देर बाद लोगों ने एक ट्रेलर को भी सड़क पर लगा दिया, जिससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं . वहीं दूसरी ओर चान्हो के बीजू पड़ा में भी शांति के साथ बंद समर्थकों ने लोगों से दुकानों को बंद करने की अपील की . बंद के कारण सरकारी स्कूलों के शिक्षकों व बैंक कर्मियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा . वहीं दूसरी ओर स्वधनी के तौर पर निजी स्कूलों ने बंदकी सूचना पर पहले ही छुट्टी की घोषणा कर दी थी, जिससे बच्चों को परेशानी का सामना करना न पड़े . पुलिस बंद से निपटने के लिए कड़ाई के साथ पूरे दिन सड़क पर मौजूद थे .

लापुंग में भारत बंद का मिला-जुला असर

लापुंग। भीम सेना/भीम आर्मी के द्वारा एससी - एसटी आरक्षण में क्रीमीलेयर लागू करने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ भारत बंद का असर लापुंग में मिला-जुला रहा . लापुंग प्रखंड मुख्यालय के चौक-चौराहों पर दुकानें व व्यावसायिक प्रतिष्ठान खुले रहे . लंबी दूरी की यात्री बस एवं अन्य वाहनों का परिचालन नहीं हुआ . लापुंग सहित ककरिया, दोलैचा, लालगंज, फतेहपुर दानेकेरा, महुंगाव में भी व्यावसायिक प्रतिष्ठान खुले रहे . बंद के दौरान झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस पार्टी, भीम आर्मी, भीम सेना के कार्यकर्ता बंद करने के लिए सड़क पर नहीं उतरे . सड़कों पर सन्नाटा छाया रहा . यात्री बसों के परिचालन नहीं होने से लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ी .

एससी समुदाय के लोगों ने दुकानें बंद कराईं

राहे/सोनाहातू। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एससी-एसटी आरक्षण में वर्गीकरण के विरोध में बुधवार सुबह राहे बाजार को बंद कराने के लिए जेवीकेएसएस के उपाध्यक्ष देवेंद्र महतो अपने समर्थकों के साथ सड़क पर उतरे. राहे के एससी समुदाय के लोगों के साथ दुकान में जाकर दुकानों को बंद कराया. कोई यात्री वाहन नहीं चले. दोपहर बाद स्थिति सामान्य हुई. 1 बजे के बाद दुकानें खुल गईं. इधर, सोनाहातू कांग्रेस कमेटी के निशिकांत गोंझु, मुखिया विकास सिंह मुंडा के नेतृत्व में लोग सड़क में उतरकर सड़क को जाम किया और जमकर नारेबाजी की. कुछ देर बाद जाम को हटा दिया गया और बाजार को बंद कराया गया. बंद के कारण कोई यात्री वाहन नहीं चला.

भारत बंद का असर इटकी में भी दिखा

इटकी। इटकी में भारत बंद का मिला-जुला असर रहा. सुप्रीम कोर्ट द्वारा एसटी-एससी आरक्षण में वर्गीकरण एवं क्रीमीलेयर के विरोध में एनएच 23 रांची- गुमला मुख्य मार्ग पर सन्नाटा पसरा रहा. वाहनों का आवागमन ठप रहा. इटकी से रांची चलाने वाली बसों का आवागमन नहीं हुआ. सभी वाहन खड़े रहे. वहीं सरकारी एवं गैर सरकारी स्कूलें बंद रहीं. सरकारी और निजी प्रतिष्ठान खुले रहे, लेकिन उपस्थिति कम रही. इटकी साप्ताहिक बाजार लगा, किंतु अन्य दिनों की अपेक्षा लोगों की उपस्थिति कम रही. व्यापारी इटकी नहीं पहुंचे, जिससे सब्जी का थोक कारोबार प्रभावित रहा.

बंद का बुंडू प्रखंड में रहा असर, खड़े रहे वाहन

बुंडू। विभिन्न संगठनों द्वारा आहूत भारत बंद बुंडू प्रखंड में असरदार रहा. सभी छोटी-बड़ी दुकानें बंद रहीं. बुंडू बस स्टैंड से रांची, टाटा, रामगढ़, पुरूलिया, राहे, सोनाहातु, तमाड़, अड़की, खूंटी इत्यादि के लिए एक भी वाहन बस स्टैंड से नहीं खुला. बाजार और हाट नहीं लगे. स्कूल, कॉलेज, बैंक, पोस्ट आफिस, एलआईसी सहित सभी प्रकार की सरकारी और गैरसरकारी संस्थाएं नहीं खुलीं. बुंडू ब्लॉक व अनुमंडल कार्यालय खुले, लेकिन यहां लोगों की उपस्थिति नामात्र रही. बंद के मद्देनजर प्रशासन द्वारा सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था की गई थी.

न्यूज अपडेट

आदिवासी विकास संघर्ष समिति ने की सड़क जाम

सोनाहातू। आदिवासी विकास संघर्ष समिति के अध्यक्ष भोलेश्वर सिंह मुंडा के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में लोगों ने एससी-एसटी आरक्षण प्रणाली में वर्गीकरण के विरोध में सिल्ली - टीकर - जमशेदपुर सड़क को बारेंदा चौक पर जाम किया एवं सभी दुकानों को बंद कराया. 12 बजे के आसपास थाना प्रभारी चंदन कुमार पहुंचे. शांतिपूर्ण वार्ता के बाद जाम को हटाया गया. सुबह 7 बजे से 12 बजे तक सड़क जाम रही. गाड़ियों की लंबी लाइनें लगी हुई थीं. मौके पर आदिवासी विकास संघर्ष समिति के सचिव राजकिशोर सिंह मुंडा, उपाध्यक्ष राजू मुंडा, कोषाध्यक्ष मनोहर सिंह, बारेंदा मुखिया प्रतिनिधि प्रकाश सिंह मुंडा, जिन्तुडीह के ग्राम प्रधान दीनबंधु सिंह मुंडा, श्रवण नायक, लालजी पुरान, महिराम मछुवा, अंगद कुमार नायक, दिलेश मछुवा आदि उपस्थित रहे.

शाहिद प्रकाश गोप की पहली पुण्यतिथि मनाई गई

इटकी। आईटीबीपी के जवान शहीद प्रकाश गोप की पहली पुण्यतिथि बुधवार को मनाई गई. इटकी साहेब मोड़ स्थित शहीद प्रकाश गोप के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर परिजनों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी. ज्ञात हो कि इटकी कुंदी बगधरा पतरा निवासी आईटीबीपी के शहीद जवान प्रकाश गोप का सिक्किम में भारत चीन बॉडर पर ड्यूटी के दौरान पर्वत चढ़ने के क्रम में ऑक्सीजन की कमी के कारण गत वर्ष मौत हो गई थी. श्रद्धांजलि कार्यक्रम में पत्नी बेबी देवी, रिशु राज, तनिष्क राज, प्रखंड कांग्रेस सचिव मोहित गोप, आशा देवी, सोनी देवी, रूपा देवी, रामधन गोप, सूरज गोप, स्रीजन, रोहित, संदीप, कुंलदीप सहित परिवार के लोग मौजूद थे.

कोलकता कांड के विरोध में निकला कैंडल मार्च

बुंडू। कोलकता दुष्कर्म व हत्या के विरोध में बुधवार को बुंडू में विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा कैंडल मार्च निकाला गया. कैंडल मार्च शहीद क्रांति वीर चौक से सुभाष चौक होते हुए धुर्वा मोड़ बिरसा की प्रतिमा तक निकाला गया. कैंडल मार्च में मजदूर सेवा संगठन, नवाडीहटोली संघ, डॉ भीमराव अंबेडकर क्लब आदि संगठनों के छात्र, युवक व युवतियां शामिल हुईं. कैंडल मार्च के दौरान बलात्कारी व हत्यारे को फांसी दो के नारे लगाये गए. धुर्वा मोड़, बिरसा मूर्ति के समक्ष मार्च सभा में परिणत हो गई. सभा को जिप सदस्य परमेश्वरी सांडिल, जीत मोहन प्रमाणिक, राजकिशोर कुशवाहा, रंजीत कुमार मोदक, कृटी, रोहित नायक, शोभित जायसवाल, गुड्डू भक्ता आदि ने संबोधित किया.

विधायक ने किया पीसीसी पथ का शिलान्यास

सिल्ली/मुरी। सिल्ली प्रखंड अंतर्गत बुधवार को झारखंड सरकार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सह स्थानीय विधायक सुदेश कुमार महतो ने विधायक निधि से लुपंग पंचायत अंतर्गत भोलवा टुंगरी में 200 फीट पीसीसी पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास किया. कार्यक्रम के दौरान उन्होंने उपस्थित लोगों से कहा कि ग्रामीणों की हर समस्या का समाधान करना हमारा नैतिक जिम्मेदारी है. सिल्ली विधानसभा विकास के रास्ते पर अग्रसर है. तत्पश्चात उन्होंने पौधरोपण भी किया. मौके पर आजसू के केंद्रीय सचिव जयपाल सिंह, रांची जिला परिषद उपाध्यक्ष बीणा चौधरी, प्रखंड प्रमुख जितेंद्र बड़ाइक, उप प्रमुख आरती देवी, पूर्व जिला परिषद सदस्य गौतम कृष्ण साहु, मोहम्मद फारूक, मोहम्मद चांद, क्षेत्रीय प्रभारी लक्ष्मण महतो, पंचायत समिति सदस्य अरविंद कुमार समेत सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे.

ऐतिहासिक होगी भाजपा का जनाक्रोश रैली : बलराम

बेड़ो। बेड़ो भाजपा मंडल के तत्वाधान में सरस्वती विद्या मंदिर परिसर में क्रमशः 23 अगस्त को आयोजित होने वाले जनाक्रोश रैली तथा 25 अगस्त आयोजित प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बेड़ो भाजपा मंडल के अध्यक्ष बलराम सिंह की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई. बैठक का संचालन मीडिया प्रभारी मनोज कुमार साहु ने किया. बैठक के दौरान जनाक्रोश रैली को सफल बनाने के लिए रणनीति बनाई गई. बलराम सिंह ने कहा कि भाजपा की जनाक्रोश रैली ऐतिहासिक होगा. उन्होंने कहा कि अब बेड़ो प्रखंड में नई ऊर्जा के साथ भाजपा के कार्यकर्ताओं को झारखंड सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए एकजुट होकर काम करने की जरूरत है.

आपसी विवाद में दो पक्षों के बीच हुई मारपीट

रातू। थाना क्षेत्र अंतर्गत पिर्रा में आपसी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई. घटना में असलम अंसारी के पुत्र समीर अंसारी घायल हो गया है. घायल युवक का प्राथमिक इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रातू में किया गया. बुधवार को सुबह 9:30 बजे पिर्रा में विवाद को लेकर दो पक्ष आपस में तू-तू मैं- मैं के साथ गाली-गलौज करने लगे. बात तब आगे बढ़ गई जब कलाम अंसारी ने लाठी से समीर अंसारी के सिर पर वार कर जख्मी कर दिया. मारपीट में पिर्रा निवासी कलाम अंसारी के खिलाफ थाने में आवेदन दिया है.

काठीटांड की मोबाइल दुकान से चोरी : रातू। थाना क्षेत्र के काठीटांड ब्लॉक रोड स्थित मां कमला मोबाइल दुकान से अज्ञात चोर ने मोबाइल की चोरी कर ली. दुकान के संचालक एवं रातू थाना क्षेत्र के झखराटांड़ निवासी पवन कुमार केसरी के बयान पर रातू थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है. दर्ज प्राथमिकी के अनुसार एक ग्राहक दुकान में आया और समान लेकर 25 सौ रुपये यूपीआई से भुगतान कर चला गया. इसी दौरान उसने दुकान में रखे रियलमी के मोबाइल सेट की भी चोरी कर ली.

सात शादियां करने के बाद अब किशोरी को भगाया

संवाददाता।किरीबुरु

छोटानागरा थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव की किशोरी (14) को शादी की नीयत अथवा मानव तस्करी के उद्देश्य से 14 अगस्त को लेकर कुम्बिया गांव निवासी संग्राम चेरोवा भाग गया है. वह अब तक सात शादियां कर चुका है. वह वर्तमान में चुर्गी गांव की नाबालिग युवती को लेकर बेंगलुरु चला गया है. छोटानागरा थाना प्रभारी संग्राम चेरोवा ने बताया कि आरोपी बेंगलुरु में है तथा उसके साथ नाबालिग युवती भी है. पुलिस ने आरोपी को फोन कर अविलंब युवती को लेकर छोटानागरा थाना आने का आदेश जारी किया है. हालांकि संग्राम काफी शातिर है, वह वापस आता है या नहीं कहा नहीं जा सकता है.

ग्रामीण सूत्रों के अनुसार, संग्राम शुरू से ही गलत प्रवृत्ति का रहा है. वह काफी कम उम्र से ही अब तक सात शादियां कर चुका है. इसमें से छह लड़कियों को शादी करने के कुछ दिन बाद मौज मस्ती कर छोड़ चुका है. उसके द्वारा छोड़ी गई छह पत्नियों में से कुछ को एक-एक बच्चा भी हुआ था. संग्राम की दूसरी पत्नी कुम्बिया गांव में रहती है.

तलाकशुदा महिला ने फांसी लगा आत्महत्या की

संवाददाता ।पलामू

पति के प्रताड़ना से तंग आकर 23 वर्षीय महिला आशिया परवीन ने बुधवार की सुबह फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली. वह अपने पति की प्रताड़ना से परेशान थी और पिछले कुछ दिनों से मायके में ही रह रही थी. जानकारी के मुताबिक मंगलवार की रात वह खाना खाने के बाद परिवार के लोग सो गए थे. बुधवार की सुबह लोगों ने किचन का दरवाजा बंद पाया, तो परिजनों ने कुछ देर कर दरवाजा खुलवाने की कोशिश की. बाद में दरवाजा को किसी तरह खोला गया तो देखा कि वह फांसी के फंदे से झूल रही थी. परिजनों ने उसे फंदे से उतार कर इलाज के लिए एमआरएमसीएच लेकर पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. जिसके बाद मामले की जानकारी मेदिनीनगर शहर थाना की पुलिस को दी गई. दोपहर में शव का पोस्टमार्टम कराया गया.

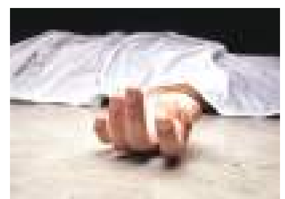

शादी के बाद दो माह ही ससुराल में रही, तलाक के बाद मायके में रह रही थी

पुलिस ने बताया कि महिला के मायके वालों के बयान के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की जायेगी. महिला गढ़वा के ओबरा गांव निवासी नसीम अंसारी की पत्नी थी. पति द्वारा प्रताड़ित किये जाने की वजह से उसने तलाक ले लिया था. तलाक लेने के बाद वह अपने मायका बांसडीह महूगांवा में रह रही थी. अचानक उसने बुधवार की सुबह घर के किचन में फांसी लगा ली. आशिया परवीन की शादी वर्ष 2023 में हुई थी. शादी के बाद दो महीने ही ससुराल में रही. उसके बाद वह मायके लौट गई थी.पति से विवाद रहने के कारण आशिया ने महिला थाना और कोर्ट में भी मामला दर्ज कराया था. परिजनों का कहना है कि नसीम अंसारी का गांव के ही किसी लड़की के साथ प्रेम प्रसंग था. इस कारण नसीम आशिया को प्रताड़ित करता था. पंचायती भी हुई थी, लेकिन कोई सुधार नहीं होने पर महिला अपने मायके लौट गई. कोर्ट से उसका तलाक भी हो गया था. शादी में दिए गए समान वापस मिल गए थे, लेकिन तीन लाख रुपए नहीं मिले थे. इसी बीच उसने अचानक से फांसी लगा ली. महिला द्वारा अचानक आत्महत्या करने से परिजन सकते में हैं.

खुलासा अमन श्रीवास्तव के खिलाफ छोटे भाई को देनी थी गवाही, बड़े भाई को उठा लिया

आका को बचाने के लिए दो युवकों का किया था अपहरण

संवाददाता।रामगढ़

जिले में अमन श्रीवास्तव का गिरोह काफी सक्रिय हो गया है. गिरोह के सदस्यों ने अपने आका को बचाने के लिए दो युवकों का अपहरण किया था. गवाही गुजर जाने के बाद उन दोनों युवकों को छोड़ दिया गया. एसपी अजय कुमार ने इस संबंध में जानकारी दी है. उन्होंने बताया कि आपराधिक गिरोह और अपहृत युवकों के परिजनों के बीच मीडिएटर का काम प्रेम पांडेय उर्फ प्रेम प्रकाश पांडेय कर रहा था. उसे गिरफ्तार कर लिया गया है.

रामगढ़ एसपी ने बताया कि प्रेम पांडेय द्वारा ही अमन श्रीवास्तव गिरोह का मैसेज भुरकुंडा के युवकों को दिया जा रहा था. 13 अगस्त को विक्की साव और शानू कुमार राणा का अपहरण बेहद नाटकीय ढंग से किया गया था. उन लोगों को शादी इंगेजमेंट के कार्यक्रम में वीडियोग्राफी करने के लिए वाराणसी जाने की बात कह कर भुरकुंडा से ही कुछ लोग साथ ले गए थे. दोपहर दो बजे से उन लोगों का मोबाइल ऑफ कर दिया. दोनों के घरवालों ने अनहोनी घटना की आशंका जताते हुए भुरकुंडा पुलिस को लिखित सूचना दी.

कार्रवाई के संबंध में जानकारी देते रामगढ़ एसपी अजय कुमार.

इस मामले में पुलिस ने भी तत्काल प्राथमिकी दर्ज की. दोनों युवकों की बरामदगी के लिए पतरातू एसडीपीओ वीरेंद्र कुमार राम के नेतृत्व में सर्किल इंस्पेक्टर योगेंद्र सिंह, भुरकुंडा ओपी प्रभारी अभिषेक कुमार ने कई स्थानों पर छापेमारी की. इस दौरान अपहरणकर्ताओं की एक कार सासाराम के पास से बरामद की गई, जिस पर फर्जी नंबर प्लेट लगा हुआ था. वहीं, इस घटना में शामिल प्रेम पांडे उर्फ प्रेम प्रकाश पांडे को जयनगर पतरातू से गिरफ्तार किया गया. उसने जेल में बंद अमन श्रीवास्तव से मोबाइल पर बात कर अपहरण करने की साजिश रचने की बात स्वीकार कर है.

प्रेम पांडेय पर हत्या व रंगदारी के कई मामले दर्ज : प्रेम पांडेय पूर्व में भोला पांडेय गिरोह में काम करता था. दो-तीन वर्ष पूर्व भोला पांडे गिरोह से अलग होकर अपना गिरोह चलाता था. इसके विरुद्ध पूर्व में कई हत्या और रंगदारी के केस दर्ज हैं. वर्तमान में अमन श्रीवास्तव गिरोह के लिए वह काम कर रहा है.

कामेश्वर हत्याकांड का चश्मदीद गवाह था अमित

पुलिस की जांच में सामने आया कि 2015 में पतरातू बाजार में पांडेय गिरोह के तत्कालीन संचालक किशोर पांडेय की सुशील श्रीवास्तव गिरोह के अपराधियों ने गोली मार कर हत्या कर दी थी, जिसमें अमन श्रीवास्तव एवं अन्य की संलिप्तता थी . ये लोग वर्तमान में जेल में बंद हैं . इस वारदात में विक्की साव का छोटा भाई अमित साव चश्मदीद गवाह है और 17 अगस्त को उसकी गवाही कोर्ट में होनी थी . जेल में बंद अमन श्रीवास्तव के गिरोह के अपराधियों द्वारा अमित साव पर अपने पक्ष में गवाही देने के लिए दबाव बनाया जा रहा था, जिसके लिए प्रेम पांडेय व भारत पांडेय को जिम्मेदारी सौंप गई थी .

'रांची चलो' के नारों के साथ रोजगार के अवसर बढ़ाने की मांग

भाजयुमो ने निकाला मशाल जुलूस

संवाददाता।ओरमांझी

युवाओं के हक और रोजगार की मांग को लेकर आगामी 23 अगस्त को रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित होने वाली "युवा आक्रोश रैली" की तैयारी के तहत भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष धनंजय महतो और दिलीप मेहता के नेतृत्व में बुधवार को ओरमांझी के शास्त्री चौक पर एक भव्य मशाल जुलूस निकाला गया. जुलूस में बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया और "रांची चलो" के नारों के साथ सरकार से युवाओं के अधिकारों की रक्षा करने और रोजगार के अवसर बढ़ाने की मांग की. जुलूस में शामिल युवाओं का उत्साह और ऊर्जा देखने लायक थी, और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि 23 अगस्त को होने वाली रैली सरकार को युवाओं की समस्याओं की गंभीरता को समझाने का एक महत्वपूर्ण अवसर होगा. रांची जिला ग्रामीण अध्यक्ष विनय महतो धीरज ने कहा, "हमारी मांगें जायज़ हैं और हम अपने हक के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं. जुलूस में मुख्य रूप से रांची जिला ग्रामीण अध्यक्ष विनय कुमार, जिला मंत्री सह प्रमुख अनुपमा देवी, धीरज महतो वरिष्ठ नेता अमरनाथ चौधरी, वरिष्ट नेता मानकी राजेंद्र शाही, उप मुखिया संतोष गुप्ता, महामंत्री नरेंद्र सिंह, मंडल अध्यक्ष दिलीप मेहता, महामंत्री अलख नाथ महतो, राजधाम साहू, अरविंद बबलू आदि मौजूद रहे.

मशाल जुलूस निकालते भारतीय जनता युवा मोर्चा के सदस्य.

आक्रोश : प्रस्तावित वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ 15 सितंबर को पटना में इमारते शरिया का सम्मेलन

मुसलमानों को औकाफ से वंचित करने की साजिश : काजी वसी अहमद

संवाददाता। रांची

केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित वक्फ संशोधन विधेयक पर मरकजी दारूल कजा इमारत शरिया फुलवारी शरीफ पटना के नाएब काजी शरीयत मुफ्ती व काजी वसी अहमद कासमी ने झारखंड राज्य के रांची, लोहरदगा व जमशेदपुर में अधिकारिक बैठकें कीं. वहीं रांची के इमारत शरिया कार्यालय में प्रेस वार्ता में पत्रकारों से मुखातिब होते हुए कहा कि केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित वक्फ संशोधन विधेयक मुसलमानों को औकाफ संपत्तियों से वंचित करने की एक गहरी और लंबी साजिश है, जिसे किसी भी तरह से स्वीकार नहीं किया जा सकता. औकाफ की संपत्तियों का मालिक अल्लाह होता है, इसलिए उसकी हिफाजत करना मुसलमानों का फरीजा और एक अहम जिम्मेदारी है. उन्होंने कहा कि वक्फ की आय को वक्फ करने वाले के इरादे को नजर अंदाज किए बिना सामान्य कल्याण के लिए खर्च किया जायेगा, जिससे वक्फ की स्थिति समाप्त हो जाएगी. सुन्नी वक्फ बोर्ड और शिया वक्फ बोर्ड की व्यवस्था चली आ रही है, लेकिन वर्तमान संशोधन विधेयक से जो अल्पसंख्यक अधिनियम 1995 और 2013 के बीच भेदभाव करने का प्रयास है, इसी प्रकार वक्फ ट्रिब्यूनल की शक्तियों को रद्द किया जा रहा है और जिला मजिस्ट्रेट को वक्फ भूमि का निर्धारण करने का अधिकार दिया जा रहा है, जिससे मामले में और अधिक जटिलता पैदा हो जायेगी. वक्फ बोर्ड के सीईओ के

पत्रकारों से बात करते इमारते शरिया के प्रतिनिधि.

लिए मुस्लिम होने की शर्त हटा दी जायेगी. वक्फ कर्ता को पांच साल तक इस्लाम का पालन करना होगा और गैर-मुस्लिम के वक्फ को अमान्य घोषित कर दिया जायेगा. यह इसमें दिए गए अधिकारों के विपरीत है. और यह औकाफ की स्थिति को पूरी तरह से रद्द कर देगा. इस संबंध में, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के प्रस्ताव के अनुसार, इमारत शरिया बिहार, ओडिशा और झारखंड द्वारा आयोजित प्रोटेक्शन ऑफ अवकाफ शीर्षक के तहत एक महत्वपूर्ण सम्मेलन 15 सितंबर को गांधी मैदान के पास बापू सभागार पटना में आयोजित किया जायेगा.

दारुल-कजा इमारत शरिया रांची के काजी शरियत मुफ्ती मो अनवर कासमी ने कहा कि प्रस्तावित वक्फ संशोधन विधेयक से औकाफ की संपत्तियों, मस्जिदों, मदरसों, मकबरों, ईदगाहों आदि की स्थिति और चरित्र पर अपूरणीय प्रभाव पड़ेगा. प्रस्तावित वक्फ संशोधन विधेयक से न केवल नुकसान की आशंका है, बल्कि खतरा निश्चित है और इस विधेयक के पारित होने से निकट भविष्य में मुसलमानों को गंभीर कष्टों और कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा.

औकाफ की सुरक्षा दीनी जिम्मेदारी : काजी

जमशेदपुर के काजी शरियत मौलाना सऊद आलम कासमी ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा वक्फ एक्ट में संशोधन के लिए पेश किया गया बिल हर दृष्टि से मुसलमानों के लिए बेहद हानिकारक है, जिससे मौजूदा सरकार धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप कर रही है, जबकि वक्फ का मामला पूर्णत: धार्मिक है. उपरोक्त स्थानों की बैठकों में काजी कलीमुल्लाह मजहर कासमी, काजी शरियत दारूल कजा इमारते शरिया चितरपुर, मुफ्ती उमर फारूक मजाहिरी, काजी शरियत दारूल कजा इमारते शरिया लोहरदगा, मुफ्ती अबु दाऊद कासमी सहायक काजी दारूल कजा इमारते शरिया रांची, मौलाना तारिक अनवर रहमानी मरकजी दारूल कजा इमारत शारीया फुलवारी शरीफ पटना, मौलाना मुजाहिदुल्लाह कासमी शामिल थे.

न्यूज अपडेट

रंजीत केसरी को मिली कराटे में ब्लैक बेल्ट की डिग्री

रांची। शोतोकान कराटे की जापानी संस्था निहोन शोतोकान कराटे-डो फुरिन्काजान ने राज्य के वरिष्ठ कराटे मास्टर और आईआईटी धनबाद के कराटे कोच रंजीत केसरी को ब्लैक बेल्ट की 8वीं डिग्री प्रदान की. चार दशक से अधिक समय से कराटे में अभ्यासरत केसरी ने 1988 में ब्लैक बेल्ट की पहली डिग्री शोदान प्राप्त की थी और तब से वे नियमित रूप से युवाओं को इस कला का प्रशिक्षण देते आ रहे हैं. रंजीत केसरी द्वारा प्रशिक्षित सैकड़ों कराटे खिलाड़ी ब्लैक बेल्ट की डिग्री प्राप्त कर चुके हैं. कराटे इंडिया ऑर्गनाइजेशन (केआईओ) द्वारा प्रमाणित संस्था इंटरनेशनल शोतोकान कराटे-डो क्योकाई के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत रंजीत केसरी वर्ष 2016 से जापान के इंटरनेशनल कराटे मास्टर्स एसोसिएशन के आधिकारिक सदस्य भी हैं. उनकी वर्षों की कड़ी मेहनत, तकनीकों और क्षमताओं का मूल्यांकन करने के बाद उन्हें निहोन शोतोकान कराटे-डो फुरिन्काज़ान के प्रमुख शिहान मासाहिरो मोटोमुरा द्वारा 8वीं डिग्री (हचिदान) से सम्मानित किया गया है. केसरी की इस उपलब्धि पर झारखंड ओलंपिक संघ के वरीय उपाध्यक्ष सह स्पोर्ट्स कराटे एसोसिएशन ऑफ झारखंड के सीईओ केके सिंह, अध्यक्ष मानस सिन्हा के अलावा संजय प्रसाद, पंकज सिंह, उदय कुमार, गुलजार राजा, साधन चंद्र लोहार, इबरार कुरैशी, राजेश सिंह, शेख नसीमुद्दीन, मो इस्लाम, मनोज शर्मा सहित झारखंड के अन्य वरीय कराटेकारों ने बधाई दी है.

ताइक्वांडो इंस्ट्रक्टर व डॉन पुम एग्जामिनर कोर्स शुरू

रांची। ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया और वर्ल्ड ताइक्वांडो मास्टर्स एसोसिएशन (कुकीवन) द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय ताइक्वांडो मास्टर इंस्ट्रक्टर कोर्स और डान पुम एग्जामिनर कोर्स का उद्घाटन बुधवार को खेलगांव के हरिवंश टाना भगत स्टेडियम हुआ. इसका आयोजन 21 से 26 अगस्त तक होगा. इस सेमिनार में देश-विदेश के लगभग 200 प्रशिक्षक भाग लेंगे. कोर्स का उद्घाटन आईपीएस सरोजनी लकड़ा ने दीप प्रज्वलित कर किया. बता दें कि कुकीवन के निदेशक ग्रैंड मास्टर जै वोन कांग, की हांग किम, बो सियोन ह्वांग, प्रोफेसर जै.युन अन और जुंग चोई द्वारा सेमिनार में कोर्स करवाया जा रहा है.

मेनरोड में पठान तंजीम, रांची का चुनाव 25 को

रांची। पठान तंजीम रांची चुनाव 2024 की टीम रहबर ए पठान की बैठक चर्च रोड रंगसाज मस्जिद के पास हुई. मौके पर रांची जिला झारखंड मुक्ति मोर्चा अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष फरीद खान ने कहा कि सदर पद के उम्मीदवार मो शोएब खान (राजू), मो शोएब खान सह सचिव, नसीम खान कोषाध्यक्ष पद के उम्मीदवार है. अल्पसंख्यक मोर्चा की टीम अपना समर्थन करती है. शोएब खान ने कहा कि टीम रहबर ए पठान ने अपना 11 सूत्री घोषणा पत्र जारी किया है. सह सचिव के उम्मीदवार ने कहा कि सरकार की योजनाओं को तंजीम के माध्यम से लोगों तक पहुंचाया जायेगा. कोषाध्यक्ष के उम्मीदवार ने कहा कि शिक्षा पर बल दिया जायेगा और नशाखोरी विरोधी अभियान चलाया जायेगा. चुनाव 25 अगस्त को अंजुमन मुसाफिर खाना मेन रोड में होगी. मौके पर रांची जिला झारखंड मुक्ति मोर्चा अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष फरीद खान, मो शोएब खान राजू, मो शोएब खान, मो नसीम खान, मो वसीम खान, मतिउर्रहमान, मो. पप्पू आदि शामिल थे.

चेहल्लुम पर अंसार नगर में 10 दिवसीय मजलिस

रांची। चेहल्लुम के अवसर पर अंसार नगर स्थित मस्जिद ए जाफरिया में इमाम ए हुसैन एवं शहीदाने कर्बला की याद में 10 दिवसीय मजलिस का आयोजन किया गया है. यह मजलिस 26 अगस्त तक चलेगी. इस मजलिस और चेहल्लुम के कार्यक्रम का आयोजन खानवादे (खानदान) मरहूम सैयद अनवर हुसैन द्वारा किया जा रहा है. बुधवार को पांचवें दिन की मजलिस में दिल्ली से आये मौलाना सैयद गुलाम अली नकवी ने इमाम ए हुसैन के जीवन पर प्रकाश डाला. समाजसेवी सैयद फराज अब्बास ने बताया कि 26 अगस्त को चेहल्लुम के अवसर पर जुलूस निकाला जायेगा. यह जुलूस मेन रोड कश्मीर वस्त्रालय के सामने, विश्वकर्मा मंदिर लेन स्थित अनवर आर्केड से दिन के 10 बजे निकलेगा, जो मेन रोड, अंजुमन प्लाजा, उर्दू लाइब्रेरी, डेली मार्केट, टैक्सी स्टैंड, चर्च रोड, कर्बला चौक से कर्बला पर जा कर समाप्त होगा.

ब्रीफ खबरें

बिरसा चौक मे जुटेंगे केंद्रीय सरना समिति के सदस्य

रांची। केंद्रीय सरना समिति समेत अन्य आदिवसी संगठनों के सदस्य 22 अगस्त को बिरसा चौक में दोपहर 2.30 बजे जुटेंगे. केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की ने यह जानकारी दी है. उन्होंने बताया कि कैलासपति नाथ मिश्र की प्रतिमा हटाने को लेकर मीडिया से बातचीत करेंगे. उल्लेखनीय है कि केंद्रीय सरना समिति बिरसा चौक पर कैलासपति नाथ मिश्र की प्रतिमा लगाये जाने का शुरू से ही विरोध करती रही है. साथ ही उसे वहां से हटाने की मांग भी, लेकिन सरकार या पुलिस-प्रशासन के कानों पर जूं तक नहीं रेंग पा रही है.

यूनियन क्लब एंड लाइब्रेरी का वार्षिक चुनाव आठ सितंबर को

रांची। यूनियन क्लब एंड लाइब्रेरी के सत्र 2024-26 के लिए वार्षिक चुनाव आठ सितंबर को होगी. साधारण सभा व वार्षिक चुनाव क्लब के प्रांगण में होगी. चुनाव प्रक्रिया में सभापति, दो सह सभापति, संपादक, कोषाध्यक्ष और 16 कार्यकारिणी सदस्यों के पद के लिए चुनाव होगा. 23 अगस्त को रात्रि 8 बजे तक नामांकन पत्र भरने व जमा करने की तिथि तय की गई है. नामांकन पत्र तीन सितंबर को रात्रि आठ बजे तक है.

सुहागिनों ने रखा कजरी तीज व्रत

रांची। भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि बुधवार को सुहागिनों ने कजरी तीज व्रत धारण कर अखंड सौभाग्य की कामना की. पूरे साल मनाए जाने वाले तीन तीजों में इसका महत्व अधिक बताया जाता है. जीवन में सुख-समृद्धि और खुशहाली बनी रहती है. इसी भाव से विवाहिताओ ने निर्जला उपवास रख माता पार्वती और भगवान शिव की आराधना में रमी रहीं. कुंवारी कन्याएं भी सुयोग्य वर की प्राप्ति के लिए व्रत धारण किया. दिनभर सात्विकता से भक्ति करने के बाद सांझ ढलते चंद्रमा को अर्घ्य देकर पारण किया. अब भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि छह सितंबर को हरतालिका तीज व्रत की चहुंओर धूम रहेगी.

'त्याग की पराकाष्ठा' का लोकार्पण 1 सितंबर को

रांची। शब्दकार मंच के तत्वावधान में रांची की साहित्यकार मीरा सिंह की कहानियों का प्रथम संकलन 'त्याग की पराकाष्ठा' का लोकार्पण 1 सितंबर को अपराह्न 3.30 बजे करमटोली चौक स्थित प्रेस क्लब के सभागार में होगा. उल्लेखनीय है कि मीरा सिंह काव्य लेखन के साथ ही लघुकथा, कहानी, संस्मरण आदि गद्य विधाओं में भी लेखन करती हैं.

मुख्य अतिथि के रूप में सीएम हेमंत सोरेन निभाएंगे भागीदारी, बांटेंगे पुरस्कार

मोरहाबादी मैदान में 24 से श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

संवाददाता। रांची

मोरहाबादी मैदान में इस बार श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का जलवा देखते ही बनेगा. यहां रांची जिला श्रीकृष्ण जन्मोत्सव समिति की ओर से इस बार भी दो दिवसीय भव्य आयोजन किया जाएगा. बुधवार को प्रेस वार्ता में समिति के मुख्य संरक्षक सह गो सेवा आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद ने बताया कि 24 अगस्त को बाल गोपाल और बाल राधा फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता से श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की शुरुआत होगी.अंतिम दिन 25 अगस्त को भजन संध्या के साथ दही-हांडी प्रतियोगिता का अलग आकर्षण रहेगा. इसमें सीएम हेमंत सोरेन मुख्य अतिथि के रूप में भागीदारी निभाएंगे. विजयी प्रतिभागियों के बीच पुरस्कार बांटेंगे. उन्होंने बताया कि आयोजन स्थल में आकर्षक विद्युत सज्जा के साथ लेजर शो का मनमोहक नजारा देखते ही बनेगा. श्रद्धालु लेजर शो के माध्यम से श्रीकृष्ण लीला और रामायण का दृश्यावलोकन करेंगे. अध्यक्ष विनोद गोप, संरक्षक डॉ. राजेश गुप्ता छोटू, मनोज गुप्ता, संजय सोनी, राजेश गुप्ता, राहुल, गौतम सिंह, रोहित सिंह, तरुण मल्लिक आदि मौके पर मौजूद थे.

छह माह से 12 साल के बच्चे ले सेंगे हिस्सा : गीतांजलि बैंकवेट हॉल, मोरहाबादी मैदान में बाल गोपाल और बाल राधा फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में छह से 12 साल के बच्चे हिस्सा ले सकेंगे. प्रतियोगिता दो ग्रुप में होगी. पहला छह माह से पांच और दूसरा छह से 12 साल के बच्चों के बीच. इसमें भाग लेने के इच्छुक शनिवार को ही दिन के तीन बजे से आयोजन स्थल पर निबंधन करा सकते हैं.

एक लाख एक हजार का पहला इनाम : विजयी गोविंदा टीम को एक लाख एक हजार का प्रथम, द्वितीय 41 हजार और तृतीय 21 हज़ार रुपये नगद के साथ ट्रॉफी से नवाजा जाएगा. महिला गोविंदा के लिए प्रथम 55 हजार, द्वितीय 31 हजार और तृतीय पुरस्कार के रूप में 11 हजार रुपये की नगद राशि के साथ ट्रॉफी दी जायेगी. इसमें 18 साल से ऊपर के गोविंदा ही भाग ले सकेंगे. पुरुष के लिए हांडी की ऊंचाई 20 और महिला के लिए 17 फीट रखी जाएगी. प्रत्येक टीम को हांडी फोड़ने के लिए पांच मिनट का समय दिया जाएगा.

कार्यक्रम की रूपरेखा जारी करते आयोजन समिति के सदस्य.

खास बातें

- नन्हे-मुन्ने मचाएंगे धमाल गोविंदा फोड़ेंगे दही-हांडी
- देखते ही बनेगा विद्युत सज्जा के साथ लेजर शो

31 सौ रुपये में मिलेंगे रजिस्ट्रेशन के फार्म

दही-हांडी प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक गोविंदा टीम 31 सौ रुपया शुल्क देकर निबंधन फार्म प्राप्त कर सकते हैं. फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 24 अगस्त है. संजय पूजा दुकान, मोरहाबादी और गायत्री मेडिकल हॉल, कचहरी चौक से फार्म दिया जा रहा है. जानकारी के लिए मो. 8210811004 पर संपर्क किया जा सकता है.

राम मंदिर चुटिया में 26 को होगी दही-हांडी प्रतियोगिता

संवाददाता। रांची

प्राचीन राम मंदिर चुटिया में 26 अगस्त को धूमधाम से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मनायी जाएगी. मौके पर बाल रूप सज्जा के साथ दही-हांडी प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी. भजन-संकीर्तन का कार्यक्रम आधी रात तक चलेगा. विजय साहू ने बताया कि शाम साढ़े सात बजे बाल रूप सज्जा प्रतियोगिता से कार्यक्रम की शुरुआत होगी. इसके बाद भजन की सुमधुर स्वरलहरियों के बीच गोविंदा दही-हांडी फोड़ेंगे. रात 12 बजे भगवान का जन्मोत्सव हर्षोउल्लास से मनाया जाएगा. मंहत गोकुल दास नेम-निष्ठा से पूजन-अनुष्ठान संपन्न कराएंगे. जगन्नाथ साहू, कैलाश केशरी, उमंग साहू, आशीष कुमार, नीरज साहू, छोटू शर्मा, अमित केशरी, संजय साव, गोल्डी आदि इसके सफल आयोजन में योगदान दे रहे हैं.

पिस्का मोड़ में धूमधाम से मनेगा गणेश उत्सव

संवाददाता। रांची

पिस्का मोड़ के विश्वनाथ शिव मंदिर प्रांगण में इस बार भी धूमधाम से गणेश उत्सव मनाया जाएगा. गणेश भक्त मंडल इसकी तैयारी जोर-शोर से कर रहा है. मंडल अध्यक्ष शैलेश्वर दयाल सिंह ने बताया कि सजे भव्य मंदिर में मन्नत पूरी करने वाले भगवान गणपति विराजेंगे. पूजा स्थल पर आकर्षक विद्युत सज्जा की जाएगी. नित्य पूजन-आरती के साथ लड्डू और विशेष भोग बांटा जाएगा. उन्होंने बताया कि तीन दिनी उत्सव की शुरुआत सात सितंबर से होगी. विजय साहू, राकेश साहू, खूबलाल कुमार, रवि भगत, विजय सिंह, राकेश कुमार, अजय गुप्ता, पंकज वर्मा, संतोष सहाय गुड्डू, नवनीत नंदन, नमित लाल, विक्की तिवारी, विमलेश्वर दयाल सिंह, शंभू षड़ंगी आदि इसके सफल आयोजन में मुख्य योगदान दे रहे हैं.

श्रीशिव महावीर मंदिर में जन्माष्टमी मेला 26 से

संवाददाता। रांची

श्रीशिव महावीर मंदिर, डोरंडा में इस बार भी दो दिनी जन्माष्टमी मेला लगाया जाएगा. इसकी तैयारी जोर-शोर से की जा रही है. पुरुषोत्तम विजयवर्गीय ने बताया कि श्रीशिव महावीर मंदिर न्यास समिति की ओर से राजधानी में सबसे पहले मेला लगा कर जन्माष्टमी उत्सव को भव्य रूप दिया गया था. न्यास 1990 से इसका आयोजन कर रहा है. इस बार भी मेला का अलग आकर्षण रहेगा. उन्होंने बताया कि पहले दिन सोमवार को सांझ ढलते बाल रूप सज्जा प्रतियोगिता से शुरुआत होगी. इसमें शून्य से 12 साल तक के बच्चे श्रीकृष्ण-राधा के रूप धरकर हिस्सा ले सकेंगे. भजन-संकीर्तन से आधी रात तक मंदिर परिसर गुंजायमान रहेगा. अंतिम दिन शाम पांच बजे से भजन संध्या के साथ विजयी प्रतिभागियों के बीच श्रीराम भरत मिलाप समिति की ओर से पुरस्कार बांटे जाएंगे. उन्होंने भक्तों से इसमें बढ़-चढ़ कर भाग लेने की अपील की है.

सेंट जेवियर्स कॉलेज में भारतीय मुद्रा प्रणाली पर सत्र का आयोजन

दी गयीं साइबर सुरक्षा संबंधी जानकारियां

संवाददाता। रांची

भारतीय रिजर्व बैंक, पटना के तत्वावधान में बुधवार को संत जेवियर्स महाविद्यालय में इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग जागरूकता और प्रशिक्षण (ई-बात) कार्यक्रम एवं भारतीय मुद्रा प्रणाली पर एक सत्र का आयोजन किया गया. इसका उद्घाटन भारतीय रिजर्व बैंक, पटना के क्षेत्रीय निदेशक सुजीत कुमार अरविंद ने किया. मौके पर संत जेवियर्स महाविद्यालय के प्रधानाचार्य, रेवेरेंड डॉ नेबोर लकड़ा, उप प्रधानाचार्य, अध्यक्ष (छात्र कल्याण), प्रभात कुमार, महाप्रबंधक, अमित कुमार, उप-महाप्रबंधक प्रिया प्रकाश, सहायक महाप्रबंधक एवं अन्य संकाय सदस्य शामिल हुए. पटना के क्षेत्रीय निदेशक सुजीत कुमार अरविंद ने इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग के इतिहास, वर्तमान परिदृश्य व साइबर सुरक्षा से संबंधित पहलुओं से उपस्थित विद्यार्थियों को अवगत कराया. उन्होंने उन विभिन्न तरीकों को समझने के महत्व पर जोर दिया, जिनके माध्यम से उपद्रवियों द्वारा धोखाधड़ी की जाती है.

भारतीय रिजर्व बैंक, पटना के महाप्रबंधक प्रभात कुमार ने डिजिटल बैंकिंग के अन्य पहलुओं जैसे रिजर्व बैंक द्वारा किये गये पहल के साथ-साथ यूपीआई, क्यूआर कोड, ई-वॉलेट सरीखे विभिन्न उत्पादों पर प्रकाश डाला. मुद्रा प्रबंधन प्रणाली पर सत्र के दूसरे भाग में, भारत में मुद्रा प्रबंधन के परिदृश्य पर प्रकाश डाला गया, जिसमें भारतीय मुद्रा प्रणाली का इतिहास, मुद्रा की मुख्य विशेषताएं और आम जनता के लिए नोटों की विनिमय सुविधाओं की जानकारी शामिल है. सत्र के उत्तरार्द्ध में देश में मुद्रा प्रबंधन की बुनियादी समझ के बारे में भी बताया गया. दोनों सत्रों के बाद संवादात्मक प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित की गई, जिसे छात्रों ने खूब सराहा. इसके अतिरिक्त, संत जेवियर्स महाविद्यालय के परिसर में भारतीय स्टेट बैंक के द्वारा नोट विनिमय और सिक्का मेला का भी आयोजन किया गया.

सेंट जेवियर्स कॉलेज में आयोजित सत्र में भाग लेते शिक्षक एवं छात्र.

राजधानी में हुआ एक करोड़ से अधिक का कारोबार

सावन खत्म होते ही दुकानों पर टूट पड़े नॉन वेज लवर्स

संवाददाता। रांची

सावन के खत्म होते ही नॉनवेज लवर्स की बल्ले-बल्ले हो गई. हालांकि सावन सोमवार को ही खत्म हो गया था. मंगलवार के कारण नॉनवेज लवर्स का उत्साह उतना नहीं रहा. बुधवार को मटन-चिकन और मछली की दुकान पर नॉनवेज लवर्स टूट पड़े. राजधानी रांची में नॉनवेज का लगभग एक करोड़ से भी अधिक का कारोबार हुआ.

रेट में उछाल के बाद भी उत्साह में कमी नहीं : मटन चिकन और मछली के रेट में उछाल के बावजूद भी नॉनवेज लवर्स के उत्साह में कमी नहीं दिखी. खरीदा भी और छक कर खाया भी. मटन का रेट प्रति किलो 700 से 800 रुपये तक पहुंच गया है. वहीं चिकन 150 से 170 रुपये किलो बिका.

स्टॉक भी खत्म हो गया

लालपुर-बहुबाजार के दुकानदारों ने बताया कि बुधवार को चिकन की इतनी मांग अचानक बढ़ गई कि स्टॉक कम पड़ने लगा है. मांग बढ़ जाने के कारण चिकन की कीमत में अचानक 20 से 30 रुपये प्रति किलो बढ़ चुकी है. राजधानी में लगभग 700 मटन की दुकानें हैं.

प्याज ने भी तरेरी आंखें

प्याज भी अपनी आंखें तरेर रहा है. प्याज की कीमत 45 से 50 रुपये किलो है. इसके वाजजूद नॉनवेज लवर्स ने प्याज खरीदने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी. रेहु मछली 180 से 200 रुपए, कतला मछली 259 से 300 रुपए किलो तक बिका.

आदिवासी नाबालिग के साथ दुष्कर्म की घटना से आक्रोश

बैठक में मौजूद जनजाति सुरक्षा मंच की कांके इकाई के सदस्य.

संवाददाता। रांची

जनजाति सुरक्षा मंच की बुधवार को बोड़ेया में बैठक की गयी, जिसमें चान्हो में आदिवासी नाबालिग लड़की के साथ घर में घुसकर जबरन दुष्कर्म करने की घटना पर आक्रोश व्यक्त किया गया. बैठक की अध्यक्षता जनजाति सुरक्षा मंच के मीडिया प्रभारी सोमा उरांव ने की.

इस मौके पर झारखंड के वरिष्ठ कार्यकर्ता रवि प्रकाश उरांव ने कहा कि 20 अगस्त को चान्हो में नाबालिग आदिवासी लड़की के साथ मीमसाद अंसारी ने घर में घुसकर दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया. बैठक में घटना की उच्चस्तरीय जांच कराने तथा उस घटना में सहयोग करने वाले अन्य अपराधियो को भी गिरफ्तार करने और दोषियो को फांसी की सजा देने की मांग की गयी. वक्ताओं ने कहा कि इन दिनों आदिवासी महिलाओं के साथ तेजी से अत्याचार बढ़ा है. बैठक में जनजाति सुरक्षा मंच के क्षेत्रीय संयोजक संदीप उरांव, प्रवक्ता मेघा उरांव, विश्वकर्मा पहान एवं मीडिया प्रभारी सोमा उरांव मौजूद थे.

जन सेवा **हजारों कांवरियों के स्वास्थ्य की हुई नि:शुल्क जांच, दवा का भी वितरण**

कांवरियों को समर्पित दुम्मा के स्वास्थ्य शिविर का समापन

संवाददाता। रांची

सीसीएल के तत्वावधान में बिहार-झारखंड की सीमा पर स्थित दुम्मा में एक नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया. जिसमें क्षेत्र के हजारों लोगों ने स्वास्थ्य जांच कराया. यह लगातार दसवां वर्ष है जब सीसीएल बिहार-झारखंड की सीमा पर स्थित पवित्र स्थल पर आने वाले हजारों कांवर यात्रियों की सेवा की. 21 जुलाई, 2024 से शुरू हुए इस शिविर में धार्मिक समागम के उत्साह के बीच श्रद्धालुओं के लिए स्वास्थ्य जांच एवं उपचार का एक लोकप्रिय केंद्र बन गया था. इस शिविर का आयोजन सीसीएल द्वारा देवघर में आयोजित श्रावणी मेले को ध्यान में रख कर किया जाता है, जिसमें कांवर लेकर देवघर में बाबा बैद्यनाथ को जल अर्पित करते जा रहे कांवरियों के लिए किसी वरदान से कम नहीं होता.

इस एक मासीय स्वास्थ्य शिविर में गिरिडीह, ढोरी और बीएंडके सहित सीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों के चिकित्सकों की एक समर्पित टीम को अनेक प्रकार की सेवाएं प्रदान करने के लिए तैनात किया गया था. ब्लड प्रेशर और शुगर लेवल की नियमित जांच से लेकर विशेषज्ञ फिजियोथेरेपी सत्र तक, शिविर तीर्थयात्रियों की विविध स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करता रहा. सभी के लिए उपचार सुलभ हो सके, इसके लिए बीमारी के अनुरूप नि:शुल्क दवाएं भी वितरित की गईं. चिकित्सा सेवाओं से लैस शिविर कांवरियों के लिए आराम का स्थान बन गया था, जिसमें शुद्ध पेयजल और ताज़ा चाय इत्यादि का प्रबंध भी किया गया था. इसके अलावा भी थके हुए श्रद्धालुओं की मांसपेशियों को आराम देने और असुविधा दूर करने के लिए शिविर में मुफ्त मालिश की सुविधा भी उपलब्ध थी. गिरिडीह क्षेत्र के सीएमओ डॉ. परिमल सिन्हा, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (ढोरी) डॉ. सुधांशु शर्मा और बीएंडके क्षेत्र के उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. शंकर प्रसाद के कुशल मार्गदर्शन में, चिकित्सा टीम तीर्थयात्रियों के कल्याण के लिए लगातार काम की.

महाप्रबन्धक (गिरिडीह) बासब चौधरी ने सीसीएल की समुदाय के प्रति लंबे समय से चली आ रही प्रतिबद्धता पर गर्व व्यक्त किया. उन्होंने कहा, हम 2014 से सावन के महीने में दुम्मा में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित कर रहे हैं. उल्लेखनीय है कि सीसीएल पिछले कई वर्षों से श्रावणी मेले के दौरान स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन कर स्थानीय समुदाय की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है.

दुम्मा के स्वास्थ्य शिविर में महिला की जांच करते चिकित्सक.

प्रभात तारा मैदान में आज से 5101 कुंडीय विश्वशांति महायज्ञ होगा शुरू

संवाददाता। रांची

प्रभात तारा मैदान में गुरुवार से विहंगम योग का दो दिनी 5101 कुंडीय विश्व शांति वैदिक महायज्ञ प्रारंभ हो जाएगा. सद्गुरु सदाफलदेव जी महाराज की 137वीं जन्म जयंती पर इसका आयोजन किया जा रहा है. इसमें स्थानीय सहित बाहर से आए बड़ी संख्या में अनुयायी हिस्सा लेंगे. सद्गुरु के उत्तराधिकारी संत विज्ञानदेव जी के सान्निध्य में यज्ञाहुति अर्पित कर विश्व शांति की कामनाएं करेंगे.

विज्ञानदेव जी दिन के तीन बजे हवाई मार्ग से पधारेंगे.अनुयायी अपने गुरु की अगुवाई करते हुए एयरपोर्ट से सीधा यज्ञस्थल आएंगे. यहां शाम चार बजे 'अ' अंकित श्वेत ध्वज फहरा कर विधिवत यज्ञ की शुरुआत की जाएगी. इसके बाद भजन-संकीर्तन कर श्रद्धालु अपने सद्गुरु के श्रीचरणों में श्रद्धा अर्पित करेंगे. साथ ही विज्ञानदेव सभी के बीच आशीर्वचन का प्रसाद बांटेंगे. संदेश पत्रिका के संपादक सुखनंदन सिंह सदय ने बताया कि अंतिम दिन 23 अगस्त को सुबह छह बजे से आसन-प्राणायाम, प्रशिक्षण और सभा होगी. इसके बाद विज्ञानदेव के सान्निध्य में यज्ञानुष्ठान कर मंगल कामनाएं की जाएंगी.

प्रभात तारा मैदान में विश्वशांति महायज्ञ के लिए मंडप का निर्माण अंतिम चरण में.

अलविदा लैटरल इंट्री

सामाजिक न्याय आंदोलन का दबाव लगातार अपना असर दिखा रहा है. लैटरल इंट्री के मामले में चौतरफा विरोध को देखते हुए उसके वापस लेने की पहल कर दी गयी है. लैटरल इंट्री के मामले में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने तीखा विरोध एक्स पोस्ट के माध्यम से जताया था. राहुल गांधी ने संविधान पर इसे हमला बताया था. बसपा सुप्रीमो मायावती और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी जोरदार विरोध जताया. केंद्र सरकार के भीतर से भी विरोध के स्वर को मंत्री चिराग पासवान से स्वर दिया. इसके साथ देश भर के दर्जनों आदिवासी, दलित और पिछडे संगठनों, उसके बुद्धिजीवियों ने केंद्र सरकार पर आरक्षण को खत्म करने का अरोप लगाया. इसके साथ ही आदिवासियों और दलितों के आरक्षण में राज्यों को दिए गए वर्गीकरण के अधिकार और क्रिमी लेयर के मुद्दे का भी भारी विरोध हो रहा है. केंद्र सरकार पर इसका दबाव साफ नजर आ रहा है. आरक्षण का सवाल एक संवेनशील मुद्दा है. लोकसभा चुनाव के समय भी संविधान और आरक्षण के साथ जाति जनगणना के मुद्दे ने अपना असर दिखाया था. इस समय सामाजिक न्याय के सवाल पर राजनीतिक दलों के बीच चैंपियन होने की प्रतिस्पर्धा जारी है. इस बात को समझने की जरूरत है कि किसी भी निर्णय को थोपने का सामाजिक प्रतिकार अश्वयंभावी है. ऐसे हालात में एक सर्वसम्मत राय बनाने की जरूरत है. भारत के संविधान में भारत के 140 करोड़ लोगों की आत्मा बसती है. इसके साथ ही संविधान प्रदत्त अधिकारों के प्रति भी जागरूकता बढ़ी है. केंद्र सरकार को इस तथ्य को समझने की जरूरत है. लैटरल इंट्री बैकडोर से कारपोरेट समर्थकों को प्रवेश दिलाने की पहल के रूप में अपनी पहचान बना चुका है. देश ने देखा है कि आर्थिक मामलों की निगरानी करने वाली एक संस्था प्रमुख के रूप में हुई नियुक्ति को ले कर किस तरह विदेशी संस्थाएं रिपोर्ट दे रही हैं. सरकारी पदों पर सामाजिक विविधता की गारंटी केवल यूपीएससी की नियुक्ति प्रक्रिया से ही संभव है. जरूरत है कि उच्च पदों पर सामाजिक बहुलता और विविधता का पूरा ध्यान रखा जाए ताकि देश की नीतियों के निर्माण में समावेशी निर्णय का माहौल परिपक्व हो. ऐसा नहीं दिखना चाहिए कि कुछ चुनिंदा लोग ही देश की नीतियों के निर्धारण में प्रमुखता से हावी हैं. इस तथ्य को भी समझने की जरूरत है कि सामाजिक संतुलन का माहौल अब तेजी से बदला है. इसे स्वीकार करते हुए ही सरकार को निर्णय लेना चाहिए. 2024 के जनादेश के संदेशों का सबक भी यही है. भागीदारी का मतलब केवल प्रतिनिधत्व मात्र नहीं है, बल्कि उसे ज्यादा व्यापक धरातल प्रदान करने की अनिवार्यता है. आजादी के बाद देश में जिस तरह की सामाजिक शक्तियों का संतुलन बना है, उसे भी गंभीरता से समझने की जरूरत है. भारत के वंचित समूहों की ताकत उनकी एकता और भागीदारी की प्रक्रिया में ही अंतरनिहित है. लैटरल इंट्री यानी परीक्षा-प्रतियोगिता और संवैधानिक प्रावधानों के बगैर भारतीय प्रशासन में संयुक्त सचिव से लेकर निदेशक जैसे पदों पर निजी क्षेत्र के कथित प्रोफेशनल्स को मनमर्जी नियुक्त करने की पॉलिसी ! इस पॉलिसी के तहत 45 लोगों की होने जा रहीं नियुक्तियों की प्रक्रिया रद्द करनी पड़ी.

> सरकारी पदों पर सामाजिक विविधता की गारंटी केवल यूपीएससी की नियुक्ति प्रक्रिया से ही संभव है. जरूरत है कि उच्च पदों पर सामाजिक बहुलता और विविधता का पूरा ध्यान रखा जाए, ताकि देश की नीतियों के निर्माण में समावेशी निर्णय का माहौल परिपक्व हो.

सुभाषित

कन्या वरयते रूपं माता वित्तं पिता श्रुतम्।
बान्धवा: कुलमिच्छन्ति मिष्टान्नमितरेजना:।।

विवाह के समय कन्या सुन्दर पति चाहती है. उसकी माताजी सधन जमाई चाहती है. उसके पिताजी ज्ञानी जमाई चाहते हैं तथा उसके बन्धु अच्छे परिवार से नाता जोड़ना चाहते हैं, परन्तु बाकी सभी लोग केवल अच्छा खाना चाहते हैं.

रात के अंधेरे पर स्त्रियों का धावा

पीड़िता एक बेहद होनहार छात्रा थी. परिवार की गरीबी उसकी प्रगति में बाधा नहीं बन सकी. उसके माता पिता दर्जी का काम करते थे. लेकिन उसने एमबीबीएस प्रवेश परीक्षा और आईआईटी जेईई दोनों एक साथ क्वालीफाई किया. पर उसने डॉक्टर बनने का फैसला किया. उसके परिवार की स्थिति सुधरने लगी थी. पिता दर्जी का काम छोड़कर गारमेंट का व्यापार करने लगे थे. वह पूरे मोहल्ले की प्यारी लड़की थी. लेकिन इस घटना ने स्त्री स्वाधीनता के हजारों स्वतंत्रता सेनानी पैदा कर दिए.

• देश-काल

अरुण कुमार त्रिपाठी

इस बार का पंद्रह अगस्त कुछ अलग था. अलग इसलिए नहीं कि एक दिन पहले अपने संबोधन में राष्ट्रपति महोदया ने विभाजन विभीषिका को याद किया. अलग इसलिए नहीं कि प्रधानमंत्री ने लाल किले के प्राचीर से सांप्रदायिक सिविल कोड को हटाकर सेक्यूलर सिविल कोड लाने की बात की. अलग इसलिए नहीं कि पिछली बार की तरह उन्होंने एक बार फिर महिलाओं की सुरक्षा की बात की. अलग इसलिए कि 14/15 की आधी रात को देश की तमाम महिलाएं अपने घरों में बैठकर टीवी नहीं देख रही थीं. वे अपनी सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए कोलकाता से लेकर दिल्ली और देश के दूसरे शहरों में सड़कों पर उतर आई थीं. उनके हाथों में मशालें थीं और जुबान पर नारे थे और दिल में दुख और आक्रोश था. वे 'रिक्लेम द नाइट' के आंदोलन के साथ रात के अंधेरे को चीर रही थीं और मांग कर रही थीं कि हर सार्वजनिक स्थल पर महिलाओं को रात में भी उतनी ही सुरक्षा मिलनी चाहिए जितनी दिन में होती है. वे आधी आबादी के लिए अंधेरे और उजाले के बारे में इस फर्क को मिटा देना चाहती थीं और जवाब दे रही थीं उस मानस को जो बलात्कार और हत्या होने के बाद भी स्त्री को ही दोषी ठहराते हुए कहता है कि आखिर वे वहां गई क्यों थीं.

वे महिलाएं कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में नौ अगस्त की रात को पीजी मेडिकल पाठ्यक्रम की छात्रा और जूनियर डॉक्टर के साथ हुए बलात्कार के बाद उसकी हत्या का प्रतिरोध कर रही थीं. वैसे तो देश भर में हुए इस प्रतिरोध की भावना को मीडिया ने अलग अलग तरीके से दर्शाया लेकिन सबसे विशेष प्रस्तुति थी 'द टेलीग्राफ' की. उस अखबार ने स्वतंत्रता दिवस वाले दिन के अपने पहले पेज को पूरी तरह से काला कर दिया और उस पर रात में हो रहे महिलाओं के प्रदर्शन के साथ खबर का शीर्षक दिया----इन द डार्कनेस, डिफाइंस(अंधेरे में, प्रचंड प्रतिरोध). अखबार ने उस प्रदर्शन में आईं युवतियों से लेकर अस्सी नब्बे साल तक की महिलाओं से बात की. उन सबका जज्बा देखने और सुनने लायक था. एक बूढ़ी औरत कह रही थी कि वह डॉक्टर लड़की हम सबकी सेवा कर रही थी. मेरी भी ऐसी ही तीन पोतियां हैं. आज हम उनके लिए नहीं खड़े होंगे तो कब खड़े होंगे.

पीड़िता एक बेहद होनहार छात्रा थी. परिवार की गरीबी उसकी प्रगति में बाधा नहीं बन सकी. उसके माता पिता दर्जी का काम करते थे. लेकिन उसने एमबीबीएस प्रवेश परीक्षा और आईआईटी जेईई दोनों एक साथ क्वालीफाई किया. पर उसने डॉक्टर बनने का फैसला किया. उसके परिवार की स्थिति सुधरने लगी थी. पिता दर्जी का काम छोड़कर गारमेंट का व्यापार करने लगे थे. वह पूरे मोहल्ले की प्यारी लड़की थी. लेकिन इस घटना ने स्त्री स्वाधीनता के हजारों स्वतंत्रता सेनानी पैदा कर दिए. उन्होंने उम्र की सीमाएं तोड़ दीं और दिन और रात का अंतर मिटा दिया. कोलकाता से जिस तरह की खबरें आईं उससे लग रहा था कि जैसे 1947 में लोग आजादी का जश्न मनाने रात को सड़कों पर निकल पड़े थे वैसे ही इस बार वे स्त्रियों की आजादी की रक्षा के लिए बाहर आ गए थे.

रिक्लेम द नाइट' नाम के इस आंदोलन के लिए लोगों को जगाया एक 26 साल की समाजशास्त्र की छात्रा रिमझिम सिन्हा ने. उसकी फेसबुक पोस्ट ने लोगों को झकझोर दिया. हालांकि उसे यकीन नहीं था कि लोग इस तरह से निकलेंगे. उसे ज्यादा से ज्यादा सौ पचास लोगों के बाहर आने और रात के अंधेरे पर धावा बोलने की उम्मीद थी. लेकिन कॉलेज स्ट्रीट पर इतने लोग उतर आए कि सड़कों पर सिर ही सिर दिखाई पड़ रहे थे. कोई शंख बजा रहा था कोई नारा लगा रहा था, कोई मोबाइल जलाए था. इस आंदोलन की भारत में पहली प्रभावी झलक 2021 में निर्भया की बलात्कार-हत्या के बाद दिखी थी. उस समय दिल्ली का इंडिया गेट निर्भया को न्याय दिए जाने की मांग से गूंज उठा था. हालांकि इस आंदोलन का इतिहास अमेरिका के नारीवादी आंदोलन से शुरू होता है. जब 1975 में आफिस से घर लौटते समय सुसान अलेक्जेंडर की रास्ते में हत्या कर दी गई थी. बाद में इसी तरह का आंदोलन 1977 में इंग्लैंड में लीड्स में हुआ. उसी साल ऐसा ही आंदोलन जर्मनी में भी हुआ. धीरे धीरे यह आंदोलन रेडिकल फेमनिस्ट आंदोलन की रणनीति बन चुका है. जाहिर तौर पर हर सामाजिक आंदोलन का राजनीतिक पक्ष होता है और उससे राजनीति निकलती है.

एक ओर कहा जा रहा है कि इंटर्न डॉक्टर के साथ जो कुछ हुआ उसके लिए तृणमूल कांग्रेस के गुंडे जिम्मेदार हैं. अगर ऐसा न होता तो अभियुक्त तुरंत गिरफ्तार होता और कॉलेज के प्रिंसिपल पर कठोर कार्रवाई होती. बात तो यहां तक हो रही है कि वह इंटर्न कॉलेज के कई गहरे राज से परिचित हो गई थी और इसीलिए उसे सबक सिखाने के लिए ऐसा किया गया या करवाया गया. इसलिए इस मामले में बड़े लोगों का हाथ होने से इंकार नहीं किया जा सकता. अब चूंकि हाई कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद सीबीआई जांच कर रही तो देखना है कि कौन कौन सी साजिशें सामने आती हैं. लेकिन दूसरी ओर ममता बनर्जी जो कि प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री, गृहमंत्री होने के साथ मुख्यमंत्री भी हैं वे भी सड़क पर उतर आई हैं और अपराधी को एक हफ्ते में सजा दिलाकर फांसी दिए जाने की मांग कर रही हैं. ध्यान रहे कि ममता स्वयं एक स्त्री भी हैं. लेकिन इस राजनीतिक पैंतरेबाजी से कहीं ज्यादा महत्त्वपूर्ण है स्त्रियों के भीतर पैदा हुआ स्वाधीनता का जज्बा. सवाल यह है कि 15 अगस्त की रात को 'रिक्लेम द नाइट' के आह्वान से शुरू हुआ यह आंदोलन क्या आरजी कर मेडिकल कॉलेज के अभियुक्त को सजा दिलाकर समाप्त हो जाएगा?

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

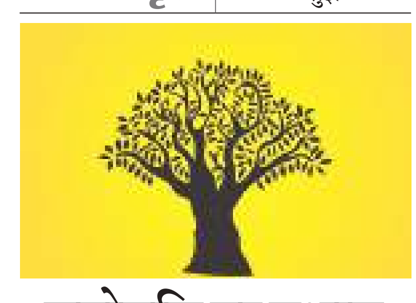

मनोवृत्ति पर प्रभाव

परिवेश में जो कुछ भी होता है, उसका प्रभाव तो मनुष्य की मनोवृत्ति पर पड़ता ही, लेकिन उसमें खान-पान विशेष कारक होता है. कहावत है जैसा अन्न, वैसा मन. जैसा आहार, वैसा व्यवहार. अशुद्ध आहार से शुद्ध व्यवहार की अपेक्षा करना किसी बड़ी मूर्खता से कम नहीं है. इसका विलोम यह है-घर में हमेशा हमें बच्चों के सामने गालियों का प्रयोग करना चाहिये, ऐसे थोडा ही है कि बच्चे गालियां ही सीखेंगे? न भी सीखें और अच्छे शब्द ही अपनाए. या फ़िर उन्हीं का अधिकार होना चाहिए वे क्या सीखें, क्या बोलें. बच्चों के समक्ष ही टीवी पर थोडे बहुत अश्लील हिंसक फ़िल्म-कार्यक्रम देखने चाहिए, कोई देखने सुनने मात्र से थोडे ही ऐसी हरकते करने लगेंगे? और उन्हे क्या देखना क्या सुनना उनका अधिकार है जब बडे होंगे तो स्वतः ही निर्णय कर लेंगे क्या करना है और क्या नहीं, यह उनका अधिकार होना चाहिए. फ़िर भला हिंसक कृत्यों व मंतव्यो से ही उत्पन्न, मांसाहार से मन में हिंसक विचारों का प्रस्फुटन क्यों नहीं हो सकता? यह तर्क निर्थक हो जाता है कि 'जरूरी नहीं मांसाहारी क्रूर प्रकृति के ही हों.' न भी हों, किन्तु क्रूर प्रकृति के पनपने की संभावनाएं अधिक ही हो जाती है. विवेकशीलता इसी में है कि हमें परिणामो से पूर्व ही सम्भावनाओं से बचने के उपाय कर लेने चाहिए. किसी जीव की हिंसा किये बिना मांस प्राप्त करना असंभव है. हिंसा से विरत हुए बिना अहिंसा-भाव को हृदय में जगाना असम्भव है, अतः अहिंसा-भाव के अभाव में, दया, करूणा, प्रेम, अनुकम्पा, वात्सल्य दिखावे के शब्द मात्र रह जाते है. जीवों के प्रति करूणा लाए बिना, अहिंसा की मनोवृति प्रबल नहीं हो सकती. यह कुतर्क विषय से भ्रमित करने के लिए है कि 'पहले मानव के प्रति हिंसा समाप्त की जाय उसके बाद ही जानवरों पर दया के बारे में सोचा जाय.' मानव के साथ तो होने वाली हिंसाएं उसी के द्वेष और क्रोध का परिणाम होती है, और मानव के लिये द्वेष और क्रोध पर पूर्ण जीत हासिल करना आज तो सम्भव नहीं है. और निरिह निर्दोष जीव के साथ हमारे सम्बंध इस प्रकार क्रोध - द्वेष के साथ नहीं बिगडते, फ़िर इन निरपराधी ईश्वर की संतानों को क्यों दंड दिया जाय. अतः मै समझता हू मानव के कोमल भावों की अभिवृद्धि के लिये भी अहिंसा, जीवों से ही प्रारंभ की जानी चाहिए. वही विस्तृत होकर, परस्पर मानव सम्बंधो से भी क्रूरता दूर करने की प्रेरक बनती है. वस्तुतः समुचित अहिंसा के विचार ही हमें मानवों के प्रति भी सहिष्णु बनाते है. सर्वभूतों से सम्पूर्ण, सम्यक प्रेम ही, निष्पक्ष अहिंसा की मनोवृति को दृढ़भूत कर सकता है.

पदक चाहिए तो बदलनी होगी पूरी खेल नीति

• खेल जगत

जगमति सांगवान

पेरिस ओलंपिक में छह अगस्त को भारतीय खिलाड़ी विनेश फोगाट ने जिस प्रकार एक के बाद एक तीन बाऊट जीती और खास तौर पर अजेय मानी जाने वाली जापानी सुसाकी को हराया, उससे देश में उत्साह और आह्लाद पैदा हुआ. उसने महिला कुश्ती में पहली बार कोई गोल्ड मेडल जीतने की आस जगाई थी. लेकिन सात अगस्त की सुबह सौ ग्राम ओवरवेट होने की वजह से विनेश के डिसक्वालीफाई होने की खबर आते ही देशवासियों का वह आह्लाद विनेश के प्रति भारी हमदर्दी में बदलने लगा. बहरहाल, इस प्रकरण से कुछ लोगों में खेल सिस्टम के खिलाफ अविश्वास भी गहराया. कई फिल्मी हस्तियों व खिलाड़ियों की बयानबाजी, ओलंपिक डेलिगेशन द्वारा सही समय पर अधिकृत बयान न देने, तथा खेल मंत्री द्वारा संसद में पूरे प्रकरण को सिर्फ विनेश की ट्रेनिंग पर खर्च के हिसाब तक सिकोड़ देने का अच्छा संकेत नहीं गया.इसी प्रकार सेमीफाइनल के उपरांत एकदम विनेश के वेट में अचानक वृद्धि व अन्य कई सवालों का जवाब नहीं मिल रहा. इन निर्णायक क्षणों में आईओए, कुश्ती फेडरेशन, उसके कोच, फिजिशियन की भूमिका पर भी सवाल हैं. ऐसे में सरकारी तंत्र व खेल मंत्रालय को एक श्वेत पत्र के माध्यम से जनता से मुखातिब होना चाहिए. उतना ही जरूरी है हमारी खेल नीति में लिंग संवेदी बदलाव. पेरिस के वकीलों ने ओलंपिक अधिशासी कोर्ट के स्तर पर विनेश की ओर से उसकी कांस्य पदक साझा करने की अपील दर्ज करवा कर एक स्वागतयोग्य पहल की.जनता को विश्वास में लेने के लिए सरकारी तंत्र द्वारा यथासंभव तत्काल समुचित प्रयास करना इसलिए भी अति आवश्यक है क्योंकि इस पूरे प्रकरण की अपनी एक त्रासदीपूर्ण पृष्ठभूमि है. जिसकी उपेक्षा नहीं की जा सकती. पिछले दिनों चाहे वह हरियाणा के पूर्व खेल मंत्री पर लगे यौनहिंसा के आरोप हों, कुश्ती संघ के तत्कालीन अध्यक्ष व भाजपा के शक्तिशाली पूर्व सांसद बृजभूषण पर विनेश समेत अन्य ओलंपियन खिलाड़ियों द्वारा यौन दुर्व्यवहार के खिलाफ जंतर-मंतर पर लड़ा गया अभूतपूर्व संघर्ष हो, जनता की नजर में सरकार की डीलिंग चुनावी कंसीडरेशन से संचालित रही है. यह कवायद महिला खिलाड़ियों को न्याय देने वाली नहीं थी. जिसके नकारात्मक असर खेल जगत पर पड़े हैं.यहां सवाल स्वाभाविक है कि न्याय के लिए आवाज उठाने वाली वह हरियाणा की ओलंपियन एथलीट जूनियर कोच हो या महिला ओलंपिक कुश्ती में देश के लिए पहली मेडल विजेता साक्षी मलिक और अब विनेश फोगाट. इन सभी को आखिर खेल ही क्यों छोड़ना पड़ा है? उनके मनोबल को पितृसत्तात्मक सिस्टम के ठेकेदार कब तक तोड़ते रहेंगे? सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बगैर तो एफआईआर तक दर्ज नहीं हुई.जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों को क्या इस चीज का अंदाजा नहीं है कि उनके संवेदनहीन व भेदभाव पूर्ण व्यवहार ने इन खिलाड़ियों व राष्ट्रीय गरिमा को कितनी ठेस पहुंचाई है? इन निहित स्वार्थी तत्वों के क्रियाकलापों के कारण कितनी बेटियों को उनके माता-पिता द्वारा खेल से दूर किया गया है? इस आधुनिक युग में भी जिन असंख्य एकलव्यों के अंगूठे कलम किये जा रहे हैं, वक्त उनका हिसाब लेगा.हकीकत में तो पूरे खेल जगत के प्रति ही सरकार का रवैया उपेक्षा पूर्ण नजर आता है. हाल का खेल बजट भी इसकी एक नजीर हो सकता है. इसमें खेलों के लिए बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं जगती. जो खिलाड़ी इस बार पेरिस ओलंपिक में खेले हैं, उनकी अगर केस स्टडी की जाए तो पता लगेगा कि उनके संघर्ष के दौर में तो उनके परिवारों ने ही अपना बजट निचोड़ कर उनके खेल करियर निर्माण पर लगाया है. सरकारें तो मेडल जीतने के बाद ही जो पुरस्कृत करने की होड़ लगाती हैं उसकी आड़ में तो वे अपने ही राजनीतिक स्वार्थ साधते हैं. अपनी इमेज बिल्डिंग करते हैं. राजनीति को चमकाने के लिए इन खिलाड़ियों की उपलब्धियों को भुनाने को लालायित रहते हैं. अभी भी जो लोग खेलों में अपना कैरियर बना रहे हैं, वे वही हैं जिनके परिवारों के पास उनके ऊपर खर्च करने के लिए कुछ सामर्थ्य है. खास तौर पर महिला खिलाड़ी बनने की आकांक्षा रखने वाली साधारण परिवारों की बेटियों के सपने तो संसाधनों के अभाव में अभी भी आए दिन चूर-चूर हो रहे हैं.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> पेरिस के वकीलों ने ओलंपिक अधिशासी कोर्ट के स्तर पर विनेश की ओर से उसकी कांस्य पदक साझा करने की अपील दर्ज करवा कर एक स्वागतयोग्य पहल की.जनता को विश्वास में लेने के लिए सरकारी तंत्र द्वारा यथासंभव तत्काल समुचित प्रयास करना इसलिए भी अति आवश्यक है क्योंकि इस पूरे प्रकरण की अपनी एक त्रासदीपूर्ण पृष्ठभूमि है.

तब पीने योग्य नहीं रह जाएगा भूजल

• जलवायु

मुकुल व्यास

दुनिया में लगभग हर चार में से एक व्यक्ति जीवित रहने के लिए पृथ्वी की सतह के नीचे मौजूद जलाशयों पर निर्भर है क्योंकि साफ पानी की झीलों, नदियों और बांधों तक सभी लोगों की पहुंच नहीं है. वैज्ञानिकों ने चेताया है कि सदी के अंत तक लाखों लोग पानी की इस मामूली आपूर्ति से भी वंचित हो सकते हैं क्योंकि बढ़ते तापमान के कारण उथले भूजल के विषाक्त होने का खतरा है. शोधकर्ताओं की एक अंतर्राष्ट्रीय टीम ने वैश्विक तापमान वृद्धि के विभिन्न परिदृश्यों के तहत दुनिया भर में भूजल स्रोतों के तापमान परिवर्तनों को सटीक संख्या में बताने के लिए ऊष्मा परिवहन का एक विश्व-स्तरीय मॉडल विकसित किया है. सबसे खराब स्थिति में, 2100 में लगभग 59 करोड़ लोग ऐसे जल स्रोतों पर निर्भर हो सकते हैं जो पीने योग्य पानी के लिए सबसे कड़े मानकों को पूरा नहीं करते हैं. इस समय गर्मी की लहरें, बर्फ की पिघलती हुई टोपियां और समुद्रों का बढ़ता स्तर नियमित रूप से सुर्खियां बटोर रहे हैं. लेकिन हमारा ध्यान भूमि पर ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों की तरफ नहीं जाता.जलवायु परिवर्तन पर चर्चा करते हुए हमारा फोकस मौसम की घटनाओं और पानी की उपलब्धता पर रहता है. लेकिन हमें भूजल पर पड़ने वाले जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के बारे में अधिक व्यापक रूप से सोचने की आवश्यकता है. यह सच है कि हमारे पैरों के नीचे की चट्टान और मिट्टी की परतें समुद्री जल की गर्मी को अवशोषित करने की क्षमता से मेल नहीं खाती हैं. फिर भी,यह आश्चर्यजनक है कि भूजल के गर्म होने के परिणामों पर इतना कम ध्यान दिया गया है, खासकर जब पानी की कमी और रिचार्ज (पुनर्भरण) दर पर इतनी अधिक चर्चा होती है. सतह के ठीक नीचे छिद्रपूर्ण चट्टानों के भीतर फंसा पानी घुले हुए खनिजों, प्रदूषकों और संभावित रोगजनकों से भरा हो सकता है. लेकिन बहुत बड़ी आबादी के समक्ष इस प्रदूषित जल पर निर्भर रहने के सिवाय और कोई विकल्प नहीं है. इन भूमिगत जलाशयों को सिर्फ़ एक या दो डिग्री गर्म करने से परिणाम भयावह हो सकते हैं. इससे पर्यावरण में ऑक्सीजन की कमी हो सकती है और खतरनाक बैक्टीरिया के विकास को बढ़ावा मिल सकता है,या आर्सेनिक और मैंगनीज जैसी भारी धातुओं की अत्यधिक मात्रा पानी मे घुल सकती है.जलवायु परिवर्तन से संबंधित एक अन्य अध्ययन में वैज्ञानिकों ने दुनिया में मीथेन उत्सर्जन में वृद्धि पर चिंता व्यक्त की है. रिकॉर्ड तोड़ गर्मी, लोगों की गिरती सेहत, गायब होती बर्फ की चादरों और अप्रत्याशित मौसम के रूप में जलवायु परिवर्तन की बड़ी चेतावनियां हमें लगातार मिल रही हैं. फिर भी हम वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों की बढ़ती मात्रा को उत्सर्जित कर रहे हैं. इससे हमारा अस्तित्व खतरे में पड़ रहा है. विशेषज्ञों की एक अंतर्राष्ट्रीय टीम द्वारा किए गए एक नए अध्ययन में बताया गया है कि 2006 से वैश्विक मीथेन उत्सर्जन बढ़ रहा है. 2020 से इसमें तेजी आई है. यदि हम बहुत जल्द कुछ कठोर कदम नहीं उठाएंगे तो उत्सर्जन की यह प्रवृत्ति जारी रहेगी.नए अध्ययन के शोधकर्ताओं ने मीथेन उत्सर्जन रोकने के लिए रणनीतियां तैयार की हैं जिनका उपयोग विभिन्न देश उचित कार्रवाई करने के लिए कर सकते हैं. इसमें मदद करने के लिए उन्होंने एक ऑनलाइन टूल भी विकसित किया है. शोधकर्ताओं का कहना है कि मीथेन उत्सर्जन में यह निरंतर वृद्धि मुख्य रूप से जीवाश्म ईंधन के लगातार उपयोग के कारण है. मीथेन सीधे तेल,गैस और कोयले की ड्रिलिंग और प्रोसेसिंग द्वारा उत्पादित होती है. अब एक नई बात यह है कि गर्म जलवायु के कारण प्राकृतिक आर्द्रभूमि से मीथेन का बढ़ता उत्सर्जन ग्रीनहाउस गैसों में वृद्धि कर रहे हैं. लैंडफिल, पिघलते हुए पर्माफ्रॉस्ट (स्थायी तुषार भूमि) और पशुधन से भी मीथेन का उत्पादन होता है. अमेरिका में ड्यूक विश्वविद्यालय के जलवायु विशेषज्ञ ड्रू शिंडेल का कहना है कि फिलहाल इन स्रोतों से उत्सर्जन में योगदान मामूली है. हालांकि इन पर भी बारीकी से नज़र रखने की ज़रूरत है.अध्ययन में पाया गया है कि इन सभी मीथेन स्रोतों पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है. कार्बन डाइऑक्साइड में कमी लाने के लक्ष्यों के साथ-साथ मीथेन में कमी के लक्ष्यों को भी लागू किया जाना चाहिए.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> जलवायु परिवर्तन पर चर्चा करते हुए हमारा फोकस मौसम की घटनाओं और पानी की उपलब्धता पर रहता है. लेकिन हमें भूजल पर पड़ने वाले जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के बारे में अधिक व्यापक रूप से सोचने की आवश्यकता है. यह सच है कि हमारे पैरों के नीचे की चट्टान और मिट्टी की परतें समुद्री जल की गर्मी को अवशोषित करने की क्षमता से मेल नहीं खाती हैं.

मीडिया में अन्यत्र

मॉलिवुड पर जस्टिस हेमा कमेटी की रिपोर्ट

जस्टिस हेमा कमेटी की रिपोर्ट में मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं के खिलाफ 17 प्रकार के शोषण का उल्लेख है. रिपोर्ट को सार्वजनिक करने में पांच साल लगे. इस रिपोर्ट में यौन उत्पीड़न रोकने वाले कानूनों की सीमाओं और ताकतवर लॉबी के प्रभाव का भी वर्णन है. रिपोर्ट में महिलाओं की असुरक्षा पर जोर दिया गया है. मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं की स्थिति को जाहिर करने वाली जस्टिस हेमा कमेटी की रिपोर्ट आखिर सोमवार को सार्वजनिक हो गई. रिपोर्ट में दी गई बातें हैरान तो करती ही हैं, इस रिपोर्ट को सामने लाने के लिए जिस तरह की मशक्कत करनी पड़ी, वह भी अपने आप में बहुत कुछ कहती है. कमेटी का गठन 2017 में मलयालम फिल्मों की जानी-मानी अभिनेत्री के अपहरण और सेक्शुअल असॉल्ट की घटना के बाद किया गया था. कमेटी ने 2019 में अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपी थी. लेकिन रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं किया गया. सूचना के अधिकार (RTI) के तहत किए गए आवेदनों के जरिए पांच साल के लंबे और कठिन संघर्ष के बाद यह रिपोर्ट पब्लिक डोमेन में लाई जा सकी. रिपोर्ट का कंटेंट देखने पर यह स्पष्ट हो जाता है कि क्यों वहां की ताकतवर लॉबी इसे सार्वजनिक किए जाने के खिलाफ थी और क्यों उसने इसे लोगों की नजरों से छुपाए रखने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा दी थी. रिपोर्ट में कम से कम 17 तरह के शोषण गिनाए गए हैं, जिनसे केरल फिल्म इंडस्ट्री में काम कर रही महिलाओं को गुजरना पड़ता है. इनमें लेडीज टॉयलेट और चेंजिंग रूम जैसी सुविधाओं की कमी और पारिश्रमिक में भेदभाव से लेकर काम के बदले में सेक्स की डिमांड तक तमाम तरह के शोषण शामिल हैं. रिपोर्ट में ठीक ही कहा गया है कि सेक्शुअल हैरासमेंट ऑफ विमिन एट वर्कप्लेस (प्रिवेंशन, प्रॉहिबिशन एंड रिड्रेसल) एक्ट 2013 जैसे कानून और इसके तहत अनिवार्य बताए गए इंटरनल कमेटी गठित करने जैसे प्रावधान इन मामलों में ज्यादा मदद नहीं करते. इसकी एक वजह यह है कि ये वर्कप्लेस पर हैरासमेंट की बात करते हैं जबकि फिल्म इंडस्ट्री में शोषण अक्सर काम मिलने से पहले ही शुरू हो जाता है. दूसरी बात यह कि शोषण करने वाले लोगों की लॉबी इतनी ताकतवर है कि शिकायत करने की हिम्मत दिखाने पर भी करिअर खत्म हो जाता है. भले जस्टिस हेमा कमेटी की यह रिपोर्ट सिर्फ केरल फिल्म इंडस्ट्री की बात करती हो, अन्य फिल्म इंडस्ट्री को लेकर भी ऐसे आरोप लगते रहे हैं. इजिस समय यह रिपोर्ट सार्वजनिक हुई है, कोलकाता में एक डॉक्टर के रेप और मर्डर की घटना को लेकर पूरा देश उद्वेलित है.

(एनबीटी)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

जान/पहचान

हिंदी फिल्मों के गानों में दशकों पूर्व अजीबोगरीब शब्दों का प्रयोग कर अद्भुत भाव उकेर दिये जाते थे. उदाहरण के लिए किशोर कुमार का गाया यह गीत तो आपने सुना ही होगा-अजनबी, तुम जाने पहचाने से लगते हो. भाव महसूस कीजिए, कोई या तो अजनबी होगा या जाना-पहचाना होगा. अगर जान-पहचान हो गयी तो फिर कोई अजनबी कैसे रह सकता है. यानी विरोधाभास अलंकार. दूसरा गाना रफी साहब की आवाज में प्रसिद्ध हुआ-तुमने किसी की जान को जाते हुए देखा है? देखो वो मुझसे रूठ कर मेरी जान जा रही है. जान निकलने के बाद तो बेजान हो जाना स्वाभाविक है, लेकिन फिल्मों का नायक जान जाने के बाद भी गाना गा रहा है. यानी विरोधाभास के साथ वक्रोक्ति. यह तो हुई मनोरंजन की बात. जान-पहचान शब्द हिंदी भाषा में बहु प्रचलित शब्द है. इसका प्रयोग अनपढ़ से लेकर विद्वान तक करते रहते हैं. जान शब्द के दो रूप हैं. एक तद्भव और दूसरा फारसी मूल. जान संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द है. इसका मतलब है जानकारी, ज्ञान, समझ, परिचय, अनुमान, खयाल, राय. जान-पहचान का जान इसी वर्ग का शब्द है. फारसी मूल में भी जान संज्ञा स्त्रीलिंग ही है. इसका मतलब है किसी प्राणी या वस्तु को गतिमान या संचालित करनेवाला तत्व या शक्ति, प्राणशक्ति, शारीरिक क्षमता, जीवन, प्राण, जीवंतता, प्रेरणा, स्फूर्ति, शक्ति, बल, सामर्थ्य, दम, बूता, आधारभूत गुण, सौंदर्य या लालित्य, रस का गुण, किसी प्रिय के लिए किया जानेवाला संबोधन, जां के रूप में समासांत में भी प्रयुक्त, प्रेयसी, प्रिय, प्रेमी, पत्नी, बहुत प्यारी चीज, किसी वस्तु या कृति आदि की शोभा बढ़ाने वाला तत्व, सार-तत्व. फिल्म शोले का यह डायलॉग आपको याद होगा-बड़ी जान है तेरे इन हाथों में ठाकुर. पहचान भी संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द है. इसका मतलब है पहचानने की क्रिया या भाव, किसी का गुण या मूल्य जानने की योग्यता, परख, निश्चित पहचान का चिह्न, परिचय, भेदक अभिलक्षण चिह्न, गुण-दोष के आधार पर वस्तु को परखने की शक्ति.

आनी चाहिए फीता काटने की कला

• तीर-तुक्का

रवि प्रकाश

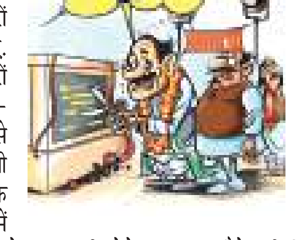

फीता काटना एक कला है. जब कोई दस-बीस जगह जाकर तरह-तरह के लोगों को फीता काटते हुए देखता है और केवल देखता ही नहीं है, गहराई से उसका निरीक्षण करता है तथा अपना सारा चिंतन फीता काटने में लगा देता है, तब उसे फीता काटने के वास्तविक महात्म्य का पता चलता है. अन्यथा ज्यादातर लोग फीता काटने के लिए जाते हैं और कैंची हाथ में जैसे ही उन्हें पकड़ाई जाती है, फीता काट देते हैं. जबकि यह इतनी सरल और सीधी-सादी प्रक्रिया नहीं होती है. फीता काटने से पहले आदमी को चारों तरफ गर्व से सिर उठाकर देखना चाहिए. एक नजर फीते की ओर, दूसरी नजर चारों तरफ उपस्थित भीड़ की ओर. अगल-बगल-पीछे सबको देखने के बाद उसे कैंची हाथ में लेने की प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए अर्थात कैंची को बहुत नाजुक तरीके से हाथ में उठाना होता है. इसमें कभी भी अपनी उतावलेपन की भावना को प्रकट नहीं होने देना चाहिए. वरना मामला बिगड़ जाता है. भीतर भले ही कैंची को झटपट प्लेट से उठाकर फीता काटने की आंधियां चल रही हों, लेकिन व्यक्ति की कलात्मकता इसी में है कि वह मंद मंद मुस्कुराते हुए धीरे-धीरे कैंची को प्लेट से उठाए और हल्के-हल्के फीते तक ले जाए. बस यहां आकर थोड़ा-सा रुकने की जरूरत है. अभी आपको फीता नहीं काटना है. कुछ लोग इसी समय अपना हाथ आपकी कैंची की तरफ बढ़ाने के उत्सुक होंगे. उन्हें जबरन पीछे धकेलने की कला आपको आनी चाहिए. यह बात सुनिश्चित कर लीजिए कि कैंची अकेले आपके हाथों में ही सुशोभित होनी चाहिए. अगर अगल-बगल के दो लोगों ने भी कैंची को स्पर्श कर लिया, तो समझ लीजिए कि आपका श्रेय एक तिहाई रह जाएगा. कल को जब इतिहास लिखा जाएगा, तब फोटो को सबूत के तौर पर कोई भी प्रस्तुत करके यह कह सकता है कि फीता तीन लोगों ने काटा है. तब आप क्या करेंगे? सिवाय हाथ मलने के कुछ नहीं बचेगा? इसलिए कैंची को अपने शरीर के बीचो-बीच बिल्कुल सुरक्षित पोजीशन में रखिए. कैमरे की तरफ ध्यान अवश्य दें, लेकिन कैंची को चिंतन की धारा से बाहर न जाने दें. परोक्ष रूप से ध्यान पूर्णतः फीते पर ही रहना चाहिए. जरा सोचिए ! कितने उखाड़-पछाड़ के बाद फीता काटने का सौभाग्य जीवन में आता है! कितने पापड़ बेले! कितनी सिफारिशें पड़वाईं ! क्या-क्या सौदे नहीं किए! न जाने कितने वायदों के बाद फीता काटने की मंजूरी मिल पाती है! फीता काटने की दौड़ में अनेक प्रतियोगी लगे रहते हैं. एक अनार, सौ बीमार. जिसे फीता काटने का सौभाग्य मिल जाता है, सचमुच अपने आप को धन्य मानता है. दौड़ में एक को ही विजयश्री प्राप्त होती है. बाकी मन-मसोसकर रह जाते हैं कि यह जो फीता काटने का सौभाग्य अमुक को मिला है, काश हमें मिल जाता! अगर दांव लग जाता तो हम भी फीता काट रहे होते!

लाइफ लाइन

डॉ दीपक चंद्रा प्रकाश
न्यूरोलॉजिस्ट,मेडिका हॉस्पिटल और रांची न्यूरोलॉजी क्लीनिक

एमपॉक्स
डरिए नहीं, बस सर्तक रहिए

कोविड 19 वायरस से हम बमुश्किल अभी अभी तो उबरे हैं कि एक अन्य वायरस एमपॉक्स ने आतंक फैलाना शुरू कर दिया है. डब्ल्यूएचओ ने इसे ग्लोबल पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी करार दिया है. एमपॉक्स वायरस जानवरों से मनुष्यों में फैलता है. इसके लक्षणों में दाने निकलना, फफोले बनना, बुखार शामिल है. इसके लक्षण चेचक के समान होते हैं, हालांकि चिकित्सकीय रूप से यह कम गंभीर होता है. सामान्यतया, इसके लक्षण दो से चार सप्ताह तक रहते हैं.

एमपॉक्स क्या है?

एमपॉक्स एक वायरल बीमारी है जो मंकीपॉक्स वायरस के कारण होती है, जो ऑर्थोपॉक्सवायरस जीनस की एक प्रजाति है. एमपॉक्स को पहले मंकीपॉक्स के नाम से जाना जाता था. इस वायरस की पहचान वैज्ञानिकों ने पहली बार 1958 में की थी जब बंदरों में 'पॉक्स जैसी' बीमारी का प्रकोप हुआ था. एमपॉक्स वायरस के उसी परिवार 9से संबंधित है, जिसमें चेचक होता है.

यह कैसे फैलता है?

एमपॉक्स वायरल संक्रमण है. आमतौर पर संक्रमित व्यक्ति या जानवर के साथ संपर्क में आने से फैलता है. दो इंसान के बीच संक्रामक त्वचा या मुंह या जननांगों जैसे अन्य घावों के सीधे संपर्क के माध्यम से फैल सकता है. हालांकि विशेषज्ञ बताते हैं कि यह संक्रमण कपड़ों, टैटू की शॉप, पार्लर या अन्य पब्लिक जगहों पर यूज होने वाली कॉमन चीजों से भी फैल सकता है. जब संक्रमित पशु किसी इंसान को काटता है, खरोंचता है, चाटता है या ऐसी ही दूसरी गतिविधि करता है तो भी यह वायरस जानवरों से मनुष्यों में फैल सकता है.

पहचानिए लक्षण

एमपॉक्स के लक्षण वायरस के संपर्क में आने के 21 दिनों के अंदर दिखना शुरू होते हैं. एमपॉक्स से संक्रमित पीड़ित के शरीर पर आमतौर पर सबसे पहले दाने नजर आते हैं. ये दाने हाथ, पैर, छाती, चेहरे या मुंह या जननांगों के आसपास हो सकते हैं. कुछ दिनों बाद इन दानों में मवाद बन जाते हैं जो बाद में पपड़ी के रूप में तब्दील हो जाते हैं. बुखार, सिरदर्द और मांसपेशियों में दर्द आदि एमपॉक्स के अन्य लक्षण हो सकते हैं. वायरस से लड़ने की कोशिश करते समय लिम्फ नोड्स भी सूज सकते हैं. आम तौर पर ये लक्षण तीन दिन से तीन हफ्ते तक रह सकते हैं.

उपचार

हालांकि अब तक एमपॉक्स का अभी तक कोई खास इलाज नहीं है, लेकिन जैसा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सुझाव दिया है, इसके लक्षणों पर दर्द और बुखार की दवा चिकित्सक देते हैं. कई बार मजबूत रोग प्रतिरोधात्मक क्षमता होने पर और त्वचा संबंधी अधिक अगर किसी मरीज की इम्यूनिटी अच्छी है और उसे स्किन संबंधी लक्षण अधिक नहीं उभरे हों तो बिना किसी विशेष उपचार के भी वह ठीक हो सकता है. बस उसे देखभाल की जरूरत होगी.

इनको खतरा कम

मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक, जिन लोगों को छोटी चेचक या चिकनपॉक्स हो चुका है या इससे संबंधित टीका (वैक्सीन) लग चुका है, उनमें इस बीमारी के होने का खतरा नहीं के बराबर है.

झारखंड के औषधीय वृक्ष

वात, पित, दाह, रुधिरविकार, क्षय, नाशक होता है अमड़ा

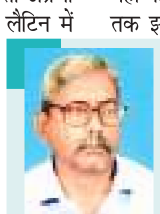

अनिल कुमार पाठक
पारंपरिक चिकित्सक

आमड़ा या अमड़ा झारखंड में सर्वत्र मिलने वाला लोकप्रिय फल है जिसकी पहचान आचार और चटनी के लिए है. हिंदी और बंगला में आमड़ा नाम से पुकारते हैं तो अंग्रेजी में स्पौन्डियस मिनट और लैटिन में स्पौन्डियस मैंगिफेरा कहते हैं. यह एक ग्राम औषधीय वृक्ष हैं. चालीस पचास साल पहले यह झारखंड के वन प्रदेश में देखने को मिल जाता था. पर अब वन प्रदेश से विलुप्त हो गया है. लातेहार जिला के वन विभाग से रिटायर्ड और औषधीय वृक्ष के ज्ञाता स्व. एन. के. मिश्रा जी के अनुसार आजादी के बाद वन प्रदेश से वृक्षों की कटाई की नीलामी अर्थात निविदा प्रक्रिया के चलते और ग्रामीण द्वारा संरक्षण विहिन फल का दोहन के चलते विलुप्त हो गया है. जंगलों में अमरा के वृक्ष अब देखने को नहीं मिलते हैं.

कच्चा अमड़ा के फल खट्टे होते हैं और वात नाशक, रुचिकर, गरम, दस्तावर होता है और पके अमडा फल स्वदिष्ट, पाक में शीतल, तृप्तिकारक, कफकारी, वीर्यवर्द्धक, पुष्टिकारक, बलकारक, भारी, वात, पित, दाह, क्षय, रुधिरविकारनाशक होता है.

अमड़ा के वृक्ष ऊंचे होते हैं. काण्ड स्थूल, त्वचा अर्थात वृक्ष की उपरी सतह का रंग श्वेत वर्ण का होता है. पत्र पीले चिकने और एक विशेष ढंग से छोटे छोटे पत्र आपस में जुड़े हुए रहते हैं और अग्रभाग में एक फुट पत्र होता है अर्थात एक प्यारा सा पता जुड़ा रहता है, बसंत ऋतु में मंजूरी आता है और जिसका रंग स्वर्ण वर्ण का होता है. देखने में मनभावन लगता है. फल का आकार बेर से थोड़ा सा बड़ा और अंडाकार होता है जिसे पूर्ण गोलाकार नहीं कह सकते हैं. ग्रीष्म ऋतु के अंत तक झारखंड के ग्रामीण इलाके के बाजार में उपलब्ध होने लगता है और ग्रामीण इलाकों से यह फल झारखंड की राजधानी रांची में बिकने के लिए आ जाते हैं. इस वृक्ष का छाल, फल, गोंद का उपयोग में लाया जाता है. इस देहाती फल और वृक्ष को बहुत ही ज्यादा संरक्षण की आवश्यकता है और राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड रांची को वृक्षारोपण कार्यक्रम में इसे शामिल करना चाहिए.

(औषधीय पौधा की खेती एवं संवर्धन संरक्षण के जानकार)

सभी तस्वीर : अनिल कुमार पाठक

डॉ मनीषा घई
सीनियर कंसल्टेंट डाइटीशियन

विटामिन बी 12 की कमी से हो सकती हाथ-पैरों की झुनझुनी

विभिन्न तरह के विटामिन और मिनरल ऐसे पोषक तत्त्व हैं, जो शरीर के विभिन्न कार्यों में भूमिका निभाते हैं. इन्हें भोजन या सप्लीमेंट्स से लिया जाता है. इनके अभाव में शरीर में कई तरह की परेशानियां उभरने लगती है. ऐसा ही एक पोषक तत्व है विटामिन बी 12. विटामिन बी 12 हमारे शरीर के लिए काफी जरूरी होता है. यह वेजिटेरियन फूड्स की अपेक्षा नॉन-वेजिटेरियन फूड्स में अधिक पाया जाता है. विटामिन बी 12 की कमी के हाथ-पैर में कुछ संकेत दिखते हैं. आइए जानें कि विटामिन 12 किन खाद्य पदार्थों में पाया जाता है, इसकी कमी से क्या समस्या होती है आदि...

क्या है विटामिन बी 12

विटामिन बी12 एक आवश्यक पोषक तत्व है जो नॉनवेज, पनीर और अंडे जैसे एनीमल प्रोडक्ट्स में अधिक मात्रा में पाया जाता है. लाल रक्त कोशिकाओं के बिना शरीर ऑक्सीजन भी शरीर के अंगों तक नहीं ले जा सकता और विटामिन बी इन्हीं लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण में भी मदद करता है. विटामिन बी की कमी कई स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है. विटामिन बी12 की कमी का आमतौर पर आसानी से इलाज किया जाता है लेकिन जब तक आप लक्षणों को पहचान नहीं लेते, तब तक वह आपके डेली रूटीन को मुश्किल बना सकता है. विटामिन बी की कमी के गंभीर मामलों में हार्ट फेल, डायबिटीज, गठिया और कैंसर का जोखिम हो सकता है.

क्या हैं इसके लक्षण

विटामिन बी12 की कमी विभिन्न तरीकों से सामने आ सकती है. सबसे आम लक्षणों में थकान, सुस्ती, सिरदर्द, बेहोशी महसूस होना या सांस लेने में मुश्किल होना है. हाथ और पैरों में झुनझुनी या सुन्नता भी विटामिन बी की कमी का संकेत है. दरअसल विटामिन बी 12 नर्व्स के स्वास्थ्य को सही रखने के लिए जरूरी है क्योंकि यह माइलिन के प्रोडक्शन में अहम भूमिका निभाता है जो नर्व्स के चारों ओर एक प्रोटेक्शन लेयर है. जब विटामिन बी12 कम होता है तो यह प्रोटेक्शन कमजोर हो सकती है जिससे नर्व की लेयर डैमेज हो जाती है जिससे हाथ-पैर में झुनझुनी होने लगती है.

इससे अपच, दस्त, भूख में कमी, धड़कन, आंखों की समस्याएं, घाव या लाल जीभ, मुंह में छाले, मांसपेशियों में कमजोरी, डिमेंशिया आदि लक्षण भी विटामिन बी 12 की कमी के संकेत हो सकते हैं.

बचाव के लिए क्या करें

हमारा शरीर विटामिन बी 12 नहीं बनाता है. इसलिए इसे खाद्य पदार्थों और सप्लीमेंट से लिया जाता है. लेकिन अच्छी बात यह है कि यह हमारे शरीर में स्टोर रहता है. यानी दूसरे अन्य कई विटामिन की तरह फ्लश आउट नहीं होता. यदि आप शाकाहारी या वीगन हैं तो यह मुश्किल हो सकता है क्योंकि बी12 रेड मीट, मटन के लिवर, अंडे की पीले हिस्से, सी फूड आदि में पाया जाता है. मशरूम में भी इसकी अच्छी मात्रा होती है. कुछ मात्रा में इसे दूध, दही, पनीर, दालों आदि से भी पाया जा सकता है लेकिन नॉनवेज की तुलना में यह बेहद कम है. इसलिए शाकाहारियों में इसकी कमी होने पर ऐसे लोगों को विटामिन बी 12 सप्लीमेंट दिया जाता है.

इन्हें पड़ती अधिक जरूरत

उम्र के साथ शरीर की विटामिन्स को अवशोषित करने की क्षमता कम हो जाती है. इसलिए बुजुर्गों में इसकी अधिक जरुरत होती है. इसी तरह विटामिन बी9 (फोलिक एसिड) गर्भस्थ शिशु के विकास के लिए जरूरी है. गर्भवती महिलाओं को फोलिक एसिड की उचित मात्रा सुनिश्चित करनी चाहिए. चूंकि विटामिन बी12 मुख्य रूप से पशु उत्पादों में पाया जाता है. इसलिए शाकाहारी लोगों को इस विटामिन की कमी का सामना करना पड़ सकता है. तनाव, अवसाद जैसी समस्याओं के लिए विटामिन बी6 और बी12 अहम होते हैं. इसलिए मनोरोगियों के आहार में विटामिन बी 12 की उपलब्धता के लिए आश्वस्त हों.

दवाओं के साइड इफेक्ट से पायरिया!

डॉ आकांक्षा चौधरी
एमडीएस (मसूढ़ों एवं इंप्लांट सर्जरी विशेषज्ञ)

पायरिया या पीरियोडोंटाइटिस मसूड़ों का गंभीर संक्रमण है. यह एक आम बीमारी है जिससे दुनिया में 90 प्रतिशत लोग जूझ रहे हैं. यह अधिकतर ग्राम नेगेटिव, स्पाइरोकीट, बैसिलस बैक्टीरिया आदि के कारण होता है. इसमें जबड़े और मसूड़ों की हड्डी को नुकसान होता है. समय रहते इस बीमारी पर ध्यान नहीं दिया गया, तो यह बढ़कर इतना फैल जाती है कि दांत हिलना शुरू हो जाते हैं. हड्डी और दांतों के डैमेज को रोकने के लिए मौखिक स्वच्छता बनाए रखना जरूरी है.

पायरिया के लक्षण

मसूढ़ों से खून आना इसका सबसे प्रमुख लक्षण है. यह प्रायः टूथ ब्रश करने के दौरान होता है. दो दांतों के बीच की दूरी बढ़ने लगती है. दांतों का टूट कर गिरना इसके अन्य लक्षण हैं. मसूढ़े लाल हो जाते हैं. मसूढ़ों में सूजन की शिकायत होती है. सांसों से बदबू आती है और रोज ब्रश करने के बाद भी इससे पीड़ित शख्स के करीब आप कई बार नहीं जा पाते.

ये हैं कारण

1. **धूम्रपान करना :** मसूड़ों की बीमारी के लिए धूम्रपान को सबसे महत्वपूर्ण जोखिम कारक माना जाता है. तंबाकू के इस्तेमाल से मसूड़ों की बीमारी होती है. दरअसल, धूम्रपान और तंबाकू मुंह में हानिकारक बैक्टीरिया को पनपने के लिए एक अनुकूल वातावरण बनाते हैं. धूम्रपान न करने वाले लोगों के मुकाबले धूम्रपान करने वाले लोगों में ट्रीटमेंट का प्रभाव देरी से होता है.

2. **आनुवंशिकता :** कई बार सब कुछ ठीक तरीके से करते रहने के बाद भी मसूढों की बीमारी हो जाती है. आबादी का लगभग एक तिहाई हिस्सा मसूढों की समस्याओं से ग्रस्त है और ये ओरल हेल्थ समस्याएं उन्हें आनुवंशिकता में मिली हैं.

3. **दवाएं :** एंटीडिप्रेसेंट दवाएं, एंटीहिस्टामिन जैसी दवाओं में ऐसे तत्व होते हैं, जो मुंह में लार बनने की क्रिया को धीमा करते हैं. लार दांतों को साफ रखने में मदद करती है, जिससे बैक्टीरिया की वृद्धि में रोकथाम होती है. इसलिए, लार की मात्रा कम होने से प्लैक और दांत में मैल जमा होने लगता है.

4. **डायबिटीज :** डायबिटीज होने की वजह से शरीर में कई तरह के और संक्रमण की आशंका बढ़ जाती है. इनमें मसूढों का इंफेक्शन भी शामिल है. मसूढों में सूजन और पायरिया ये दोनों इंन्सुलिन इस्तेमाल करने की क्षमता को बिगाड़ देते हैं, जिससे शुगर को कंट्रोल करना मुश्किल हो जाता है.

5. **पोषण में कमी :** यदि आहार में विटामिन बी और सी, कैल्शियम आदि पोषक तत्व न हों, तो यह स्थिति मसूढों के रोगों को बढ़ावा दे सकती है. कैल्शियम बहुत जरूरी होता है, क्योंकि यह हड्डियों को मजबूत रखता है इनमें दांतों को सहारा प्रदान करने वाली हड्डियां भी शामिल हैं. विटामिन सी संयोजी ऊतकों की मजबूती को बनाए रखने में मदद करता है.

6. **हार्मोन में बदलाव :** गर्भावस्था, मेनोपॉज और यहां तक कि मासिक धर्म के दौरान होने वाले हार्मोन में बदलाव मसूढों को पायरिया होने के प्रति अतिसंवेदनशील बना देते हैं. इससे पायरिया की आशंका बढ़ जाती है.

पायरिया से बचाव

दांतों को स्वस्थ बनाने के लिए ओरल हाइजीन जरूरी है.

- सुबह उठने के बाद और रात को सोने से पहले ब्रश अवश्य करें.
- ब्रश करने की तरह फ्लॉसिंग करने की भी आदत डालें इससे दांतों की सफाई सही तरीके से होगी.
- सिगरेट या तंबाकू जैसी चीजों का सेवन बंद कर दें.

पायरिया से बचने के लिए कुछ आवश्यक खाद्य पदार्थ

1. पोषक तत्व और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर क्रेनबेरी दांतों और मसूढ़ों के लिए अच्छा स्रोत है.
2. अदरक और लहसुन के सेवन से दांतों और मसूढ़ों की परेशानी कम होती है.
3. दिन में एक से दो कप ग्रीन टी सेहत को स्वस्थ रखने के साथ दांतों को भी स्वस्थ रखता है.
4. सोयाबीन में मौजूद पर्याप्त विटामिन और मिनरल फायदेमंद होता है.
5. आहार में ब्रोकली के सेवन से भी फायदा मिलता है.
6. स्वस्थ मुंह के लिए चुइंगम चबाने की आदत डालें लेकिन ध्यान रहे इसे बहुत देर तक चबाते ना रहें.
7. गाजर और पालक का रस पीने से फायदा होता है.
8. सेंधा नमक या अनार के छिलके का पाउडर बना कर नियमित दांतों पर मसाज करना.
10. खाने के बाद ठीक तरह से कुल्ला करने से दांतों को सफाई हो जाती है.

पांव पसार रही हैं ये बीमारियां

बरसात में मच्छरों का प्रकोप बढ़ जाता है. इसके साथ ही बढ़ जाती है मच्छरों से होने वाली बीमारियों की आशंका. आइए आज हम मच्छरों से होने वाली कुछ आम बीमारियों और उसके लक्षणों की करें चर्चा ...

1. **मलेरिया** – मच्छर जनित बीमारियों में मलेरिया सबसे चर्चित है. झारखंड समेत पूरे देश में इससे हर साल लाखों लोग प्रभावित होते हैं. यह प्लास्मोडियम जीनस के एककोशिकीय परजीवी के कारण होता है. परजीवी आमतौर पर मच्छरों के काटने से मनुष्यों में फैलता है. गंभीर अवस्था में इससे श्वसन संबंधी समस्याएं और ऑर्गन फेलियर तक के लक्षण नजर आ सकते हैं और समुचित इलाज के अभाव में यह जानलेवा भी हो सकता है.

2. **डेंगू** - डेंगू फैलाने के लिए एडीज मच्छर जिम्मेदार माना जाता है. यह रुके हुए पानी में होता है. कूलर, नाली, निर्माण स्थलों, गर्म पानी की टंकियों, स्विमिंग पूल, गमलों, कूड़े-कचरों में मच्छर की यह प्रजाति पनप सकती है. तेज बुखार, जोड़ों और मांसपेशियों में गंभीर दर्द, आंखों में परेशानी और गंभीर मामलों में ब्लीडिंग बुखार या शॉक सिंड्रोम जैसे लक्षण हो सकते हैं. ये लक्षण एक हफ्ते या अधिक समय तक बने रहते हैं. गंभीर अवस्था में यह भी जानलेवा हो सकता है.

3. **जापानी एन्सेफलाइटिस** - जापानी एन्सेफलाइटिस एक वायरल दिमाग संक्रमण है जो क्यूलेक्स मच्छरों से फैलता है. इसके गंभीर मामलों में दिमाग में सूजन हो सकती है और कोमा या मृत्यु हो सकती है.

4. **येलो फीवर या पीला बुखार** - यह भी एडीज मच्छर से फैलता है. यह वायरल है. हल्का बुखार, ठंड लगना, भूख न लगना, मतली, पीठ में परेशानी, सिरदर्द और थकान से लेकर गंभीर पीलिया और आंतरिक ब्लीडिंग जैसे लक्षण हो सकते हैं. आमतौर पर पांच दिनों के अंदर ये समस्या ठीक हो जाती है. भारत में इसकी आशंका नहीं है.

5. **चिकनगुनिया** - बुखार, जोड़ों में परेशानी और सूजन, मांसपेशियों में दर्द, सिरदर्द और दाने आदि लक्षण चिकनगुनिया में उभर सकते हैं. आमतौर पर इन लक्षणों से हफ्ते भर के भीतर राहत मिल जाती है. हालांकि, इस बीमारी से हुई जोड़ों की परेशानी महीनों या सालों तक रह सकती है.

6. **जीका वायरस** - एडीज मच्छरों से फैलने वाले जीका वायरस में डेंगू जैसे लक्षण उभर सकते हैं. बुखार, सिरदर्द, दाने, जोड़ों में दर्द और लाल आंखें आदि. गर्भवती महिलाओं और गर्भधारण की योजना बना रही महिलाओं को इस बीमारी से सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

भारत की स्टार क्रिकेटर स्मृति मंधाना टॉप-3 में पहुंचीं, हरमनप्रीत नौवें स्थान पर

हरमनप्रीत कौर

आईसीसी ने जारी की महिला वनडे रैंकिंग

एजेंसी। दुबई

भारत की स्टार खिलाड़ी और उप-कप्तान स्मृति मंधाना महिलाओं की आईसीसी (इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल) वनडे रैंकिंग में एक पायदान के सुधार के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गयी हैं. मंधाना के नाम 738 रेटिंग अंक है और वह वनडे प्रारूप में भारत की शीर्ष रैंकिंग वाली बल्लेबाज है. कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इस सूची में अपना नौवां स्थान बरकरार रखा है. श्रीलंका की दिग्गज बल्लेबाज चमारी अट्टापट्टू तीसरे से चौथे स्थान पर खिसक गई जबकि टीम की उनकी साथी बल्लेबाज नीलाक्षिका डी सिल्वा (तीन पायदान ऊपर 32वें), हर्षिता समरविक्रमा (आठ स्थान के सुधार के साथ 44वें) और कविशा दिलहारी (चार स्थान के सुधार के साथ 50वें पायदान) ने अपनी रैंकिंग में सुधार किया. मंधाना टी20 इंटरनेशनल रैंकिंग में अपने चौथे स्थान का बचाव करने में सफल रही. समरविक्रमा और आयरलैंड की सलामी बल्लेबाज गैबी लुईस करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल करने में सफल रहे. श्रीलंका और आयरलैंड के बीच खेले गये दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में 44 गेंद में 65 रन बनाने वाली समरविक्रमा तीन स्थान के सुधार के साथ 13वें तो वहीं 75 गेंद में 119 रन की मैच जिताऊ पारी खेलने वाली लुईस चार स्थान के सुधार के साथ 21 स्थान पर पहुंच गयी. लुईस इससे पहले जुलाई 2022 में इस रैंकिंग पर पहुंची थी.

आरसीबी को बनाया था चैंपियन

आईपीएल में जो काम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम नहीं कर सकी उसे वुमेंस प्रीमियर लीग में स्मृति मंधाना की अगुआई वाली टीम ने कर दिखाया था. मंधाना की कप्तानी में आरसीबी टीम पहली बार ट्रॉफी जीतने में सफल रही थी. स्मृति मंधाना ने साल 2016 में अपना पहला वनडे शतक बनाया था, जब उन्होंने होबार्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 109 गेंदों में 102 रन बनाए थे.

स्मृति मंधाना

ब्रीफ खबरें

सतीश जापान ओपन के प्री क्वार्टर फाइनल में

योकोहामा (जापान)। भारत के बैडमिंटन खिलाड़ी सतीश कुमार करुणाकरन ने बुधवार को यहां पहले दौर में डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसन के मैच के बीच में चोटिल होने के कारण हटने पर जापान ओपन के पुरुष एकल के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई. भारत के 23 साल के सतीश जब 6-1 से आगे चल रहे थे तब दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी एंटोनसन ने योकोहामा एरेना में मुकाबले के तीसरे मिनट में ही हटने का फैसला किया. दुनिया के 47वें नंबर के खिलाड़ी सतीश प्री क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड के केंटाफोन वैंगचेरोएन से भिड़ेंगे.

साउथ दिल्ली सुपर स्टार्स ने सेंट्रल दिल्ली को हराया

नयी दिल्ली। प्रियांश आर्य की 51 गेंदों में 82 रन की शानदार पारी की बदौलत साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स ने यहां दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) क्रिकेट टूर्नामेंट में सेंट्रल दिल्ली किंग्स को छह विकेट से हराया. सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने मंगलवार को खेले गए मैच में पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद ध्रुव कौशिक (56) और यश ढुल (52) के अर्धशतकों की मदद से सात विकेट पर 176 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया.

श्रीलंका ने लिया पहले बल्लेबाजी का फैसला

मैनचेस्टर। श्रीलंका ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला के पहले टेस्ट में बुधवार को यहां टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया. वेस्टइंडीज के खिलाफ 3-0 की जीत के बाद इस श्रृंखला में खेल रहा इंग्लैंड कप्तान बेन स्टोक्स के बिना उतरा है जिन्हें इस महीने घरेलू मैच के दौरान पैर की मांसपेशियों में चोट लग गई थी. ओली पोप कप्तान की भूमिका निभा रहे हैं जबकि डैन लॉरेंस को जैक क्राउली की जगह पारी का आगाज करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है.

एरिका एंड्रीवा ने डेनिएल कोलिन्स को हराया

मॉन्टेरी (मैक्सिको)। एरिका एंड्रीवा ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए शीर्ष वरीयता प्राप्त डेनिएल कोलिन्स को हराकर मॉन्टेरी डब्ल्यूटीए 500 हार्डकोर्ट टेनिस प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया. एंड्रीवा ने देर रात तक चले इस मैच में 1-6, 6-3, 6-3 से जीत दर्ज की. यह पहला अवसर है जबकि उन्होंने विश्व रैंकिंग में शीर्ष 20 में शामिल किसी खिलाड़ी को हराया. यही नहीं वह पहली बार किसी शीर्ष स्तरीय डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंची हैं.

एडम गिलक्रिस्ट दुनिया के तीन महान विकेटकीपर्स के नाम बताए

एडम गिलक्रिस्ट ने धौनी को बताया विकेटकीपर नंबर-2

महान क्रिकेटर रॉडनी मार्श को पहले स्थान पर रखा

एजेंसी। मेलबर्न

क्रिकेट की दुनिया के महान विकेटकीपर बल्लेबाजों में शुमार महान ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट ने दुनिया के तीन महान विकेटकीपर चुने हैं. उन्होंने भारत के महान महेंद्र सिंह धोनी को तीन महानतम विकेटकीपर बल्लेबाजों में शामिल किया है. हालांकि, गिलक्रिस्ट ने धोनी को नंबर-2 पर रखा है. उन्होंने पहला नाम नाम अपने ही देश के दिग्गज क्रिकेटर का लिया. दूसरा नाम महेंद्र सिंह धोनी का लिया कर तीसरे नंबर पर श्रीलंका के एक दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज को शामिल किया है. गिलक्रिस्ट ने एमएस धौनी से पहले ऑस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर रॉडनी मार्श का नाम लिया. गिलक्रिस्ट ने कहा कि मार्श उनके आदर्श थे. 2003 और 2007 के वर्ल्ड कप विजेता गिलक्रिस्ट ने धौनी की कूलनेस की सराहना करते हुए उनका नाम लिया. आखिर में उन्होंने श्रीलंका के कुमार संगाकारा का नाम लिया.

तीनों विकेटकीपर के रिकॉर्ड इस प्रकार हैं

गिलक्रिस्ट ने जो तीन नाम चुने हैं उनके विकेटकीपिंग रिकॉर्ड पर नजर डालें तो रॉडनी मार्श ऑस्ट्रेलिया के लिए 96 टेस्ट मैचों में 343 कैच लपके और 12 स्टंप आउट भी किए. वहीं, वनडे में उन्होंने 92 मैच खेलते हुए 120 कैच लपके और 4 स्टंप किए. भारतीय दिग्गज विकेटकीपर धौनी ने 90 टेस्ट मैचों में 256 कैच लपके और 38 स्टंप किए. वहीं, वनडे में उन्होंने 350 मैच खेलते हुए कुल 321 कैच और स्टंप पूरे किए. टी20 इंटरनेशनल में धौनी के नाम 57 कैच और 34 स्टंप दर्ज हैं. यह उन्होंने 98 मैच खेलते हुए हासिल किए. कुमार संगाकारा ने 134 टेस्ट खेले, जिसमें 182 कैच और 20 स्टंप किए. वनडे में 404 मैच खेलते हुए 402 कैच और 99 स्टंप पूरे किए. टी20 इंटरनेशनल में इस दिग्गज ने 25 कैच और 20 स्टंप किए. यह उन्होंने 56 मैच खेलने के दौरान हासिल किया.

एडम गिलक्रिस्ट

रॉडनी मार्श

एमएस धौनी

कुमार संगाकारा

दोस्तों के साथ छुट्टी मनाते दिखे एमएस धौनी, सोशल मीडिया पर फोटो वायरल

रांची। महेंद्र सिंह धौनी इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं. वह अब सिर्फ आईपीएल में खेलते हुए नजर आते हैं. धौनी अपने परिवार के साथ रांची में ही रहते हैं. इस दौरान छुट्टियों पर घूमने के लिए वह बाहर भी निकलते हैं. सोशल मीडिया पर एक तस्वीर काफी तेजी से वायरल हुई. इसमें महेंद्र सिंह धोनी अपने दोस्तों के साथ बैठे हैं और पार्टी करते हुए नजर आ रहे हैं. यह तस्वीर झारखंड के रांची शहर की है. इसमें धौनी क्रिकेट से दूर अपने दोस्तों के साथ मौज मस्ती करते हुए दिखाई दिए. धौनी के साथ बैठे उनके दोस्त में से किसी को पहचान पाना मुश्किल है. इसका मतलब ये है कि यह उनके रांची के करीबी दोस्त हैं. धौनी को कुछ दिन पहले रांची के सड़कों पर बाइक चलाते हुए भी देखा गया था. धौनी के फैंस जानते हैं कि उन्हें बाइक चलाना कितना पसंद है.

आपको बता दें कि रांची के सिमलिया में स्थित धौनी का बंगला है. दौनी के बंगले में उनके पालतू डॉग के अलावा कई सारे पेट्स हैं, जिनके साथ धौनी समय गुजारते हुए नजर आते हैं. इसके अलावा रांची के सैंबो में धौनी का फार्म हाउस है. जहां कई एकड़ में धौनी खेती करते हैं. जब भी धौनी रांची दौरे पर आते हैं तो वह परिवार के साथ अपने फॉर्म हाउस आना नहीं भूलते. भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर महेंद्र सिंह धौनी बेशक विश्व क्रिकेट के सबसे बेहतरीन कप्तानों में से एक थे. उनकी कप्तानी में भारत ने 3 आईसीसी ट्रॉफी जीतने का कारनामा किया है. धौनी की कप्तानी में भारत ने साल 2007 और साल 2011 का विश्व कप जीता था. 2011 के विश्व कप में धौनी ने छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई थी.

रौनक दहिया को अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक

भाषा। अम्मान (जॉर्डन)

भारत के रौनक दहिया ने यहां चल रही अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में ग्रीको रोमन शैली के 110 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक जीता. अपने आयु वर्ग की रैंकिंग में दूसरे नंबर पर काबिज रौनक ने कांस्य पदक के प्लेऑफ में तुर्की के इमरुल्लाह कैपकन को आसानी से 6-1 से हराया. यह मौजूद चैंपियनशिप में भारत का पहला पदक है. इससे पहले रौनक सेमीफाइनल में हंगरी के रजत पदक विजेता ज़ोल्टन कज़ाको से हार गए थे. इस वर्ग में स्वर्ण पदक यूक्रेन के इवान यानकोवस्की ने जीता, जिन्होंने तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर कजाको को 13-4 से हराया. भारत के पास 51 किग्रा रेपेचेज में दूसरा पदक जीतने का मौका है लेकिन इसके लिए साईनाथ पारधी को दो मुकाबले जीतने होंगे. उनका पहला मुकाबला अमेरिका के डोमिनिक माइकल मुनारेटो से होगा. अगर वह यह मुकाबला जीत जाते हैं तो उन्हें कांस्य पदक के लिए आर्मेनिया के सर्गिस हारुत्युनन और जॉर्जिया के इउरी चैपिडेज के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ना होगा.

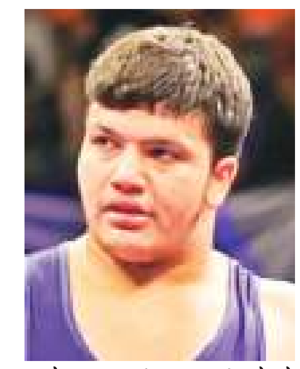

कियान नासिरी नया चेहरा

झिंगन संभावित खिलाड़ियों में नहीं

भाषा। नयी दिल्ली

सेंटर-बैक संदेश झिंगन को भारत के नए मुख्य कोच मनोलो मार्केज़ ने इंटरकॉन्टिनेंटल कप फुटबॉल टूर्नामेंट के लिए बुधवार को चुनी गई 26 सदस्यीय संभावित टीम में नहीं लिया है जबकि ईस्ट बंगाल की तरफ से खेलने वाले ईरान के फुटबॉलर जमशेद नासिरी के बेटे और चेन्नईयिन एफसी के फॉरवर्ड कियान नासिरी के रूप में नया चेहरा टीम में शामिल किया गया है. मोहन बागान एसजी के राइट-बैक आशीष राय और ईस्ट बंगाल के गोलकीपर प्रभुसुखन सिंह गिल को भी तीन से नौ सितंबर तक हैदराबाद में होने वाले तीन देशों के टूर्नामेंट के लिए लगाए जाने वाले शिविर के लिए संभावित टीम में लिया गया है. जनवरी में सीरिया के खिलाफ भारत के एशियाई कप ग्रुप मैच के दौरान डिफेंडर झिंगन के दाहिने घुटने में चोट लगी थी और माना जा रहा है कि वह अभी तक चोट से उबर नहीं पाए हैं.

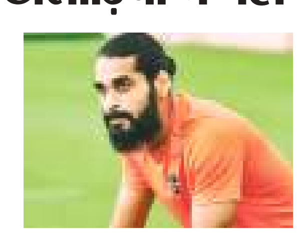

यह 31 वर्षीय सेंट्रल डिफेंडर मई में कुवैत और कतर के खिलाफ फीफा विश्व कप 2026 प्रारंभिक संयुक्त क्वालीफिकेशन राउंड दो के मैचों में भी नहीं खेल पाया था. इंटरकॉन्टिनेंटल कप में भारत के अलावा सीरिया और मॉरीशस की टीम भाग लेंगी. भारत फीफा की नवीनतम विश्व रैंकिंग में 124वें जबकि सीरिया 93वें और मॉरीशस 179वें स्थान पर है. अभ्यास शिविर 31 अगस्त से हैदराबाद में शुरू होगा.

सिंकफील्ड कप : गुकेश ने नेपोमनियाचची से ड्रॉ खेला

भाषा। सेंट लुई (अमेरिका)

विश्व चैंपियनशिप के चैलेंजर भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने सिंकफील्ड कप शतरंज टूर्नामेंट के दूसरे दौर में रूस के इयान नेपोमनियाचची के साथ रोमांचक ड्रॉ खेला, जिससे वह संयुक्त दूसरे स्थान पर बने हुए हैं. अपनी पहली बाजी में मौजूदा विश्व चैंपियन चीन के डिंग लिरेन के साथ अपेक्षाकृत आसान ड्रॉ खेलने के बाद गुकेश में यहां नेपोमनियाचची के खिलाफ रोमांचक मुकाबला खेला. भारतीय खिलाड़ी सफेद मोहरों से खेल रहा था और वह कुछ बेहतर स्थिति में भी दिख रहा था, लेकिन रूस के खिलाड़ी ने उन्हें कोई मौका नहीं दिया. दोनों खिलाड़ी 60 चाल के बाद ड्रॉ पर सहमत हो गए. भारत के एक अन्य खिलाड़ी आर प्रज्ञाननंदा ने फ्रांस के मैक्सिम वाचिएर लाग्रेव के साथ ड्रॉ खेला.

शाह को दो अग्रणी टीमों ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड से समर्थन मिल चुका है!

आईसीसी के नए चेयरमैन बन सकते हैं जय शाह

27 अगस्त तक अगले अध्यक्ष के लिए नॉमिनेशन करना होगा

एजेंसी। नयी दिल्ली

जय शाह आईसीसी के नए चेयरमैन बन सकते हैं. वर्तमान अध्यक्ष ग्रेग बार्कले ने एक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा की, जबकि शासी निकाय और इसके प्रमुख ब्रॉडकास्ट अधिकार धारक स्टार के बीच 4.46 बिलियन डॉलर का विवाद चल रहा है. ऐसे में नए चेयरमैन को लेकर जय शाह का नाम उभरकर सामने आ रहा है. बीसीसीआई के महासचिव के तौर पर उनके कार्यकाल ने भारत को सबसे ताकतवर क्रिकेट बोर्ड के तौर पर अपनी पकड़ और मजबूत करने में मदद की है. द ऐज की रिपोर्ट के अनुसार, शाह को नॉमिनेशन के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की दो अग्रणी टीमों ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड से समर्थन प्राप्त हो चुका है. आईसीसी के प्रवक्ता ने बताया, आईसीसी के अध्यक्ष ग्रेग बार्कले ने बोर्ड को पुष्टि की है कि वह तीसरे कार्यकाल के लिए खड़े नहीं होंगे और नवंबर के अंत में अपना वर्तमान कार्यकाल समाप्त होने पर पद से हट जाएंगे. बार्कले को नवंबर 2020 में स्वतंत्र आईसीसी अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था, जिसके बाद उन्हें 2022 में फिर से चुना गया था. आईसीसी अधिकारी ने कहा, वर्तमान निदेशकों को अब 27 अगस्त, 2024 तक अगले अध्यक्ष के लिए नॉमिनेशन प्रस्तुत करना होगा, और यदि एक से अधिक उम्मीदवार हैं, तो चुनाव होगा.

डालमिया और पवार रह चुके हैं आईसीसी प्रमुख

जगमोहन डालमिया (1997 से 2000) और शरद पवार (2010-2012) केवल दो भारतीय हैं जिन्होंने अतीत में आईसीसी के प्रमुख का पद संभाला है. बीसीसीआई के महासचिव के रूप में शाह का कार्यकाल 2025 में समाप्त हो रहा है. इसके बाद वो एक नई भूमिका में नजर आ सकते हैं. किसी भी व्यक्ति को आईसीसी के अध्यक्ष के रूप में चुने जाने के लिए, उस व्यक्ति को 16 में से कम से कम नौ वोट प्राप्त करने की आवश्यकता होती है, जो कि 51 प्रतिशत है.

टेस्ट मैच फीवर ऑस्ट्रेलिया 2014-15 के बाद से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी नहीं जीत पाया है

एशेज के समान महत्वपूर्ण है बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी: स्टार्क

भाषा। सिडनी

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क का मानना है कि भारत के खिलाफ होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्राफी में तीन दशक में पहली बार पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे जिससे यह श्रृंखला उनकी टीम के लिए प्रतिष्ठित एशेज के समान महत्वपूर्ण हो गई है।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच नवंबर में शुरू होने वाली महत्वपूर्ण श्रृंखला में 1991-92 के बाद पहली बार पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे. स्टार्क ने वाइड वर्ल्ड ऑफ स्पोर्ट्स से कहा,इस बार यह पांच मैच की श्रृंखला होगी, जिससे यह एशेज श्रृंखला के समान महत्वपूर्ण हो गई है. ऑस्ट्रेलिया 2014-15 के बाद से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी नहीं जीत पाया है जबकि भारत ने इस बीच लगातार चार श्रृंखला जीती हैं. भारत ने इस दौरान दो बार 2018-19 और 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया को उसकी धरती पर हराया. स्टार्क न केवल श्रृंखला जीतने का इरादा रखते हैं, बल्कि वह चाहते हैं कि उनकी टीम क्लीन स्वीप करे, विशेष कर तब जबकि यह श्रृंखला विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है. उन्होंने कहा, हम अपनी घरेलू धरती पर प्रत्येक मैच में जीत हासिल करना चाहते हैं और हम यह भी जानते हैं कि भारत की टीम काफी मजबूत है.

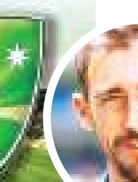

भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तालिका में अभी पहले जबकि ऑस्ट्रेलिया दूसरे स्थान पर है. स्टार्क ने कहा, भारत और ऑस्ट्रेलिया अभी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज हैं. इसलिए प्रशंसकों और निश्चित रूप से खिलाड़ियों के लिए एक बहुत ही रोमांचक श्रृंखला होने वाली है. उम्मीद है कि आठ जनवरी को ट्रॉफी हमारे हाथ में होगी. स्टार्क 100 टेस्ट मैच खेलने से केवल 11 मैच दूर हैं और बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज का अभी लंबी अवधि के प्रारूप से संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है. उन्होंने कहा, जब भी मुझे बैगी ग्रीन कैप पहनने का मौका मिलता है तो यह बहुत खास लगता है. उम्मीद है कि गर्मियों के सत्र में हम पांचों टेस्ट मैच जीतने में सफल रहेंगे. जहां तक 100 टेस्ट मैच खेलने का सवाल है तो निश्चित तौर पर यह बहुत खास होगा. स्टार्क अगले महीने सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए इंग्लैंड जाएंगे और इसके बाद बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी की तैयारी के लिए न्यू साउथ वेल्स की तरफ से घरेलू क्रिकेट में खेलेंगे. मेरे लिए टेस्ट क्रिकेट हमेशा प्राथमिकता में रहा है. आगामी सत्र में हमें सात टेस्ट मैच खेलने हैं. इनमें से पांच भारत और दो श्रीलंका के खिलाफ होंगे.

अंतिल की अगुआई में पहला जत्था पेरिस रवाना

पैरा एथलीटों की नजरें 12 पदक पर

भाषा। नयी दिल्ली

पांच स्वर्ण सहित एक दर्जन पदक जीतने की उम्मीद के साथ भारत के पैरालंपिक एथलीटों का पहला जत्था स्टार भाला फेंक खिलाड़ी सुमित अंतिल की अगुआई में पेरिस पैरालंपिक के लिए रवाना हो गया है. परिस्थितियों के अनुकूल खुद को ढालने के लिए पैरालंपिक खिलाड़ी समय से पहले रवाना हुए हैं. देश के 16 पैरा एथलीट उद्घाटन समारोह से तीन दिन पहले 25 अगस्त को खेल गांव में प्रवेश करेंगे और उससे पहले कुछ दिन पेरिस के होटलों में रुकेंगे. पैरालंपिक में अपने खिताब की रक्षा करने वाला पहला भारतीय बनने के लिए चुनौती पेश करने वाले अंतिल सहित अन्य भारतीय खिलाड़ी फ्रांस की राजधानी के पास की सुविधाओं में प्रशिक्षण लेंगे ताकि वे वहां के मौसम के अनुकूल खुद को ढाल सकें. पैरा एथलेटिक्स स्पर्धाएं 30 अगस्त से पैरालंपिक के समापन दिवस आठ सितंबर तक 'स्टेड डी फ्रांस' में आयोजित की जाएंगी. इसी स्टेडियम में पेरिस ओलंपिक के दौरान सक्षम खिलाड़ियों ने प्रतिस्पर्धा की थी. पैरा एथलेटिक्स के मुख्य कोच सत्यनारायण ने पीटीआई को बताया, सुमित अंतिल और कुछ अन्य पैरा एथलीट खेल गांव में प्रवेश करने से पहले कुछ दिनों के लिए नेल्सन मंडेला खेल परिसर में प्रशिक्षण लेंगे. नेल्सन मंडेला खेल परिसर स्टेड डी फ्रांस से लगभग पांच किमी दूर है. इसमें एथलेटिक्स, रग्बी, टेनिस, व्हीलचेयर टेनिस और तैराकी के लिए अत्याधुनिक प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध हैं. सत्यनारायाण ने कहा, कुछ लोग खेल गांव के पास के होटलों में रुकेंगे और वे दिन के समय वहां प्रशिक्षण सुविधाओं का उपयोग कर सकते हैं.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष — बारहवें भाव में चंद्रमा राहु का योग है. गलत खर्च और लोगों से बचें. धन के साथ-साथ प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. किसी खास चीज अच्छा लाभ का योग है. सहकर्मियों से मनमुटाव हो सकती है, इसलिए असावधानी न बरतें. हनुमानजी का पूजन ध्यान करें.

वृष — गलत आय से बचें. वैसे आय के लिए दिन बहुत ही अच्छा है. दोपहर के बाद समय बहुत ही अनुकूल है. अन्य साथियों से आगे ले जायेगी. किसी करीबी दोस्त से धोखा मिल सकता है. आंखें बंद करके किसी पर विश्वास न करें. गौ माता का सेवा करें.

मिथुन — समय अनुकूल है. आय भाव में चन्द्र है. सात्विक आय ज्यादा लाभकारी होगा. आर्थिक स्थिति पूरी तरह से सामान्य रहेगी, धन की आवक सामान्य तौर पर बनी रहेगी, वहीं खर्च भी बढ़ सकते हैं. अपना धन किसी को उधार न दें.

कर्क — धर्म के प्रति मन उदासीन होगा. कोई बड़ा लाभ होगा. परिवार में सुख शांति भरपूर रहेगी. किसी शुभ कार्य के होने का संकेत भी सितारे दे रहे हैं. किसी विवाद में न पडें. धन आगमन से मन खुश होगा. हनुमान चालीसा का पाठ करें.

सिंह — धर्म से भाग्य उदय होगा. कर्म के लिए दिन अच्छा है. मनोरंजक होगी. ससुराल से अच्छा लाभ का मौका दिख रहा है. जीवनसाथी से संबंध थोड़े बेहतर होंगे. कहीं पैसा फंसने का भी योग बन रहा है और कोई भी जोखिम भरा कार्य ना करें.

कन्या — थोड़ा मानसिक तनाव होगा. पर भाग्य का साथ मिलेगा. आप कार्य में अपनी पसंदीदा चीजों की तरफ ध्यान देंगे. किसी करीबी से धोखा मिल सकता है, अतः आंखें बंद करके किसी पर विश्वास न करें. यात्रा का योग है.

तुला — जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा. कोई नया कार्य कर सकते हैं. शौक की तरफ रुझान रहेगा, जबकि स्पोर्ट्स, योग आपको तरोताजा होने में मदद करेंगे. कुछ गुप्त शत्रु नुकसान पहुंचा सकते हैं. कोई बड़ा बदलाव होगा.

वृश्चिक — समय सामान्य है. मानसिक उलझन वाला दिन होगा. एकाग्र होने में मदद मिलेगी और आप खुद को तरोताजा महसूस करेंगे. अपने रुझान में कूटनीतिक रहने की कोशिश करें और विवाद न करें. शिवलिंग पर दूध का अर्पण करें.

धनु — समय सामान्य है. कार्य में बिलंब होने से मन खिन्न होगा. संतान के कार्य पर नज़र रखें. धर्म से सही मार्ग मिलेगा. मेहनत एवं अनुभव द्वारा कुछ नवीन स्थिति को पाएंगे. विषम परिस्थितियों में साहस न खोएं. काली वस्तु का दान करें.

मकर — आपके प्रभाव से अच्छे लाभ का योग है. पर किसी से विवाद नहीं करें. माता और उच्च अधिकारियों का सहयोग मिलेगा. बिना बात के किसी से भी उलझना भरी पड़ सकता है. दुर्गा माता का ध्यान करें. जूता और अन्न का दान करें.

कुंभ — भाई के सहयोग से बिगड़ा कार्य बनेगा. शिक्षा में बदलाव होगा. नयी जिम्मेदारी का भार भी आपके कंधों पर डाला जायेगा. नियमित जीवनचर्या एवं संयमित खानपान में कोताही न बरतें. स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें.

मीन — लग्न में राहु का योग है, उदर विकार से बचें. किसी से विवाद होगा. पैतृक संपत्ति का लाभ होगा. अपने कामकाज को बढ़ाने में सफल होंगे. कार्य से सम्बंधित यात्राओं का लाभ मिलेगा. किसी वाद-विवाद के कारण किसी प्रकार के नुकसान से बचें.

एआईएमआईएम ने किया हल्ला बोल-पोल खोल कार्यक्रम

गढ़वा। एआईएमआईएम के तत्वावधान में जिले के चिनियां प्रखंड के चिनियां बाजार और भारतीय स्टेट बैंक के समीप हल्ला बोल पोल खोल कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस अवसर पर मुख्य रूप से एआईएमआईएम के पलामू प्रमंडल प्रभारी सह गढ़वा रंका विधान सभा के प्रत्याशी डॉ एमएन खान उपस्थित थे. मौके पर डॉ एमएन खान ने कहा कि सहायक अध्यापकों का वेतनमान की मांग एक ज्वलंत मुद्दा है. बावजूद इसके यहां के स्थानीय विधायक सह प्रदेश के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर के द्वारा कोई पहल नहीं की जा रही है. आज सहायक अध्यापक दर दर की ठोकरें खाने को मजबूर हैं. सहायक अध्यापक कई बार अपनी मांगों को लेकर आंदोलन किया, लेकिन उन्हें लाठी और आश्वासन के सिवाय कुछ हासिल नहीं हुआ है. उन्होंने कहा कि पिछले दिनों प्रदेश के शिक्षा मंत्री बैधनाथ राम की अध्यक्षता में सहायक अध्यापक संघ के प्रतिनिधि मंडल के साथ बैठक हुई थी, लेकिन बैठक में शिक्षा मंत्री बैधनाथ राम के द्वारा सहायक अध्यापकों की मानदेय में सिर्फ दो हजार रुपए की बढ़ोतरी किए जाने की बात कही गई. मौके पर जिलाध्यक्ष सत्येंद्र कुमार रजक, संरक्षक अब्दुल शकूर अंसारी, उपाध्यक्ष आशिक मंसूरी, मौलाना मजहर हुसैन, मोजाहिम अंसारी, मुजाहिद अंसारी, साबिर अंसारी, रहीमुद्दीन अंसारी, हसनैन मंसूरी, विनय सिंह खरवार, दशरथ सिंह खरवार, सुनील यादव, जितेंद्र यादव, उपेंद्र यादव, गढ़वा प्रखंड मीडिया प्रभारी दाऊद इब्राहिम, जमीरउद्दीन अंसारी आदि उपस्थित थे.

मंईयां सम्मान योजना : गढ़वा में अब तक दो लाख से अधिक आवेदन हो चुके स्वीकृत

मंईयां सम्मान योजना ऐतिहासिक : मिथिलेश

संवाददाता। गढ़वा

गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने कहा है कि झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना देश का अब तक की ऐतिहासिक योजना है. इस योजना से राज्य की आधी आबादी एक साथ लाभान्वित हो रही है. मंत्री ने कहा कि झारखंड के इतिहास में अब तक किसी भी सरकार ने इतनी बड़ी जनकल्याणकारी योजना लागू नहीं की है, जिससे बहन बेटियों को स्वावलंबी बनने में मदद मिले. इस योजना से राज्य की सभी बहन बेटियों में आशा की नई किरण जगी है. मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि इस योजना से अब तक अकेले गढ़वा जिला में दो लाख से अधिक बहन-बेटी लाभान्वित हो चुकी हैं. उन्होंने बताया कि जिले में अब तक दो लाख 22 हजार 264 आवेदन प्राप्त हुए हैं. जांच के बाद इनमें 1726 आवेदन रिजेक्ट हो गया है, जबकि दो लाख छह हजार 414 आवेदन अप्रूव हुआ है, 14 हजार 124 आवेदन लंबित है. सभी के खाते में पैसा जाना शुरू हो गया है. प्रति माह 15 तारीख तक सभी के खाते में 1000 रुपये नियमित रूप से जमा हो जाएगा. इससे बहन-बेटियों को अपने कार्यों में बहुत बड़ा सहयोग प्राप्त होगा. महिला स्वावलंबन की दिशा में झारखंड सरकार का बहुत बड़ी पहल है.

फर्जी कॉल से रहें सावधान, किसी को नहीं दें अकाउंट डिटेल : मंत्री

गढ़वा। झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने गढ़वा सहित पूरे राज्य की जनता से फर्जी कॉल से सावधान रहने की अपील की है. उन्होंने कहा है कि झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना से संबंधित अपने अकाउंट डिटेल की जानकारी किसी को भी नहीं दें. मंत्री ने कहा है कि झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के संदर्भ में कई लाभुकों के मोबाइल नंबर पर योजना को लेकर कॉल आने की जानकारी मिल रही है, जो पूरी तरह से फर्जी है. इसलिए योजना के तहत निबंधित बहन – बेटियों से आग्रह है कि योजना के संदर्भ में या राशि हस्तांतरण से संबंधित कॉल आने पर ओटीपी या अपने बैंक खाते से संबंधित जानकारी कॉल करने वाले के साथ कदापि साझा नहीं करें. झारखंड पुलिस ऐसे मामलों को लेकर सतर्क है.

एक्शन में फॉरेस्ट डिपार्टमेंट: विभागों से मांगी टेकन रिपोर्ट

प्रमुख संवाददाता। रांची

फॉरेस्ट डिपार्टमेंट ने सरकारी विभागों से एक्शन टेकन रिपोर्ट मांगी. केंद्र सरकार के निर्देश पर फॉरेस्ट डिपार्टमेंट ने राज्य के ग्रामीण विकास, नगर विकास, भवन निर्माण विभाग सहित अन्य कार्य विभागों से यह रिपोर्ट मांगी है. इसकी वजह यह है कि भारत सरकार के वन एवं पर्यावरण मंत्रालय द्वारा क्लाइमेंट चेंज पर गाइडलाइन तैयार की जा रही है. इसको लेकर लोस सेक्रेट्रेरियट ने सभी सरकारों को पत्र भी लिखा है. इसमें इस बात का भी जिक्र किया गया है वायु प्रदूषण को रोकने के लिए अब तक राज्य सरकारों ने क्या-क्या उपाए किए हैं.

रिपोर्ट के आधार पर राज्यों को मिलेगा अनुदान : राज्यों की रिपोर्ट के आधार पर केंद्र सरकार अनुदान देगी, जिससे पर्यावरण और वायु प्रदूषण में सुधार के काम किए जाएंगे. इसके तहत, वृक्षारोपण, परिवहन, नागरिक सुविधा से जुड़े कार्य किये जाने हैं.

झारखंड में क्या है स्थिति : झारखंड में 32165 निजी भवन, मॉल और बैंक्वेट हॉल को पर्यावरण स्वीकृति नहीं मिली है. वहीं विस, कोर्ट सहित सभी सरकारी भवनों को पर्यावरण स्वीकृति मिल चुकी है. स्मार्ट सिटी, अटल वेंडर मार्केट, नगर निगम ऑफिस, कलेक्टेरियट सहित जिलों के सभी सरकारी भवनों को पर्यावरण स्वीकृति मिल चुकी है.

पूरे देश में कांग्रेस पार्टी ईडी ऑफिस के समक्ष विरोध जताएगी

कांग्रेस आज ईडी कार्यालय के समक्ष करेगी प्रदर्शन

विशेष संवाददाता। रांची

कांग्रेस अपने पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत झारखंड सहित पूरे देश में ईडी कार्यालयों के समक्ष 22 अगस्त को बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन आयोजित करेगी. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने पिछले दिनों राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी की उपस्थिति में बैठक हुई थी. इसमें पहली बार हिंडनबर्ग रिपोर्ट में सामने आयी अडाणी महाघोटाला की जांच संसदीय समिति (जेपीसी) से कराने की मांग की है. इसको लेकर यह आंदोलन किया जाएगा. यह जानकारी देते हुए मीडिया विभाग के चेयरमैन सतीश पॉल मुंजीनी ने बताया कि हाल के खुलासों ने वित्तीय बाजार नियामक सेबी के गंभीर समझौते को और उजागर कर दिया है, जिसके लिए तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है.हर दिन, इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर और अधिक खुलासे सामने आ रहे हैं, जो स्थिति की गंभीरता को रेखांकित करते हैं. उन्होंने बताया कि उस बैठक में अडाणी महाघोटाला, देशव्यापी जाति जनगणना और भारत के संविधान अन्तर्गत निहित आर्थिक, सामाजिक एवं राजनीतिक न्याय के प्रावधानों के वास्तविक सम्मान की आवश्यकता सहित कई गंभीर मुद्दे शामिल रहेंगे.

आज रांची ईडी कार्यालय के समक्ष होगा प्रदर्शन

झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश निर्देशानुसार आगामी 22 अगस्त 2024 को सुबह 11.30 बजे हिनू रांची (एयरपोर्ट रोड) स्थिति ईडी कार्यालय के समक्ष विरोध प्रर्दशन होगा. जिसमें प्रदेश स्तर से लेकर जिला, महानगर स्तर के नेता एवं कार्यकर्ता हिस्सा लेंगे.

आज मीर संग रांची आएंगे केशव महतो

प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर एवं नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश 22 अगस्त को दिन के 12.15 बजे रांची आएंगे. बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा उनका भव्य स्वागत किया जायेगा. इसके बाद कर्पूरी ठाकुर चौक हिनू,भगवान बिरसा मुंडा चौक, वीर बुद्धू भगत अरगोड़ा,हरमू चौक में कार्तिक उरांव, हातमा में सिदो–कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए कांग्रेस भवन पहुंचेंगे. कांग्रेस भवन में महतो राजेश ठाकुर से प्रभार ग्रहण करेंगे. इसके बाद उनका पार्टी नेताओं के द्वारा स्वागत एवं अभिनंदन किया जाएगा.

गिरिनाथ सिंह ने किया मेराल के गांवों का दौरा

संवाददाता। गढ़वा

परिवर्तन सह जनसंपर्क यात्रा के दौरान पूर्व मंत्री गिरिनाथ सिंह के नेतृत्व में मेराल प्रखंड के विभिन्न गांवों का दौरा किया गया. यात्रा ग्राम मेराल के मकुना टोला, छवनवा टोला ग्राम कुम्भी के सुकठवा टोला, चरका पत्थर टोला, अबादगंज में किया गया. मौके पर पूर्व मंत्री सिंह ने कहा कि अयूब मंसूरी की निर्मम हत्या कर दिया गया. वह एक समाजसेवी था लोगों की मदद करता था, इसीलिए उसे रास्ते से हटा दिया गया. लोग जब जांच की मांग करने गए तो मंत्री ने डांट कर भगा दिया. पूरे गढ़वा विस में गुंडागर्दी, माफियागिरी, भ्रष्टाचार चरम पर है. मंत्री अपने बिचौलियों के साथ गढ़वा को लूटने का काम कर रहे हैं. इसी क्रम में मेराल प्रखंड अंतर्गत ग्राम चिरौंजिया वार्ड सदस्य नौशाद के घर के समीप भारतीय जनता पार्टी, झामुमो एवं अन्य दलों को छोड़ लगभग 200 लोगों को माला पहनाकर परिवर्तन यात्रा में शामिल किया एवं साथ चलने का संकल्प किया. टीम में शामिल होने वालों में नौशाद अली, संतोष ठाकुर, कासिम अंसारी, पिंटू चौधरी, महबूब अंसारी, समीर अंसारी, बब्लू ठाकुर, असगर अंसारी, मुख्तार अंसारी, बबलू महतो, डॉ सोनू, एजाज अंसारी, गुलाम फरीद, सरिता देवी, तसरीन बीबी, बब्लु ठाकुर, कांति देवी, सलीम अंसारी, सतेंद्र चौधरी, बीरेंद्र चौधरी, रामकुमार मेहता, गुड्डु मेहता आदि का नाम शामिल है. मौके पर बाबूल सिंह, पूर्व मुखिया प्रदीप साव, शिवनाथ चौधरी, अवध सिंह, सुनील चंद्रवंशी, प्रद्युमन, अल्मुद्दीन अंसारी सदर, ख़ुर्शीद, अहमद अंसारी, मुबारक अंसारी, यासिन अंसारी, यकीब अखतर, राम सागर महतो, रामदेव चौधरी आदि उपस्थित थे.

भीम आर्मी के सदस्यों ने किया धरना-प्रदर्शन

संवाददाता। मझिआंव

गढ़वा जिले के विभिन्न प्रखंड क्षेत्रों में विभिन्न संगठनों द्वारा बुधवार को धरना प्रदर्शन किया गया. भीम आर्मी भारत एकता मिशन जिला अध्यक्ष ललित राम की अध्यक्षता में मझिआंव में धरना प्रदर्शन किया गया. सभी सदस्यों ने सबसे पहले प्रखंड मुख्यालय के समीप तीन मुहान पर धरना प्रदर्शन किया. उसके बाद मझिआंव-गढ़वा मुख्य पथ को करीब तीन घंटे तक सड़क को जाम कर धरना प्रदर्शन और केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई. वहीं मझिआंव में बंद का असर मिला जुला देखा गया.

इस संबंध में अध्यक्ष ललित राम ने कहा कि केंद्र सरकार का आरक्षण के खिलाफ गलत नियत है, जिसको लेकर महामहिम राष्ट्रपति महोदया भारत के नाम जिलाधिकारी को पत्र दिया जा रहा है. बीएसपी से सुनेश्वर राम, बिगु राम, सुदेश्वर राम, आजाद समाज पार्टी से बिचुन राम, उमेश राम, श्रीराम एवं विजय राम, युगल राम, सरवन राम, पिंटू राम, बबलू कुमार राम सहित अन्य लोगों ने हस्ताक्षर युक्त आवेदन दिया है। धरना प्रदर्शन के दौरान सैकड़ो की संख्या में लोग शामिल थे.

दिल्ली से लौटने के बाद छात्राओं को किया गया सम्मानित

संवाददाता। लातेहार

दिल्ली से लातेहार लौटने के बाद पीएमश्री कस्तूरबा विद्यालय, मनिका की छात्राओं को सम्मानित किया गया. जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रिंस कुमार व समग्र शिक्षा अभियान के एडीपीओ अनूप माइकल केरकेट्टा ने छात्राओं को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया. बता दें कि पीएमश्री कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय मनिका की पांच छात्राएं रक्षा बंधन के अवसर पर दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को राखियां बांधने के लिए चयनित की गयी थी. छात्रायें विद्यालय की शिक्षिका गीता कुमारी के संरक्षण में दिल्ली गयी थी. छात्राएं रक्षा बंधन के अवसर पर महामहिम राष्ट्रपति को रांखियां बांधी और उन्हें झारखंड के सोहराय कला से संबंधित पेंटिंग सौंपी थी. राष्ट्रपति भवन में छात्राओं ने राष्ट्रपति के साथ ग्रुप फोटो भी खिंचवाई थी. छात्राओं को ग्रुप फोटो भी उपलब्ध कराया गया. जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री कुमार ने छात्राओं को अपनी शुभकामनाएं दी और छात्राओं से उनके अनुभव जाने. उन्होने छात्राओं को इस सुनहने पल को हमेशा याद कर आगे बढ़ने की सलाह दी. कहा कि ऐसे अवसर बहुत ही कम लोगों को मिलता है. इससे हमेशा प्रोत्साहित होना चाहिए.

विनोद जायसवाल फिर बने विहिप के खूंटी जिलाध्यक्ष, मिली बधाई

खूंटी। जिले के वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता विनोद जायसवाल को फिर से विश्व हिंदू परिषद का खूंटी जिला बनाया गया है जबकि मुकेश जायसवाल को खूंटी नगर का अध्यक्ष बनाया गया है. कोडरमा में पिछले दिन विहिप की हुई प्रांत बैठक में विश्व हिन्दू परिषद में कुछ नये लोगों को भी दायित्व दिया गया है. इस आशय की जानकारी देते हुए अध्यक्ष विनोद जायसवाल ने बुधवार को कहा कि राजीव कुमार झा को जिला मंत्री बनाया गया है. जिला समरसता प्रमुख बिरेंद्र सोनी बनाये गये हैं. जिला कार्यकर्ता विशेष संपर्क प्रमुख सह नगर अध्यक्ष का दायित्व मुकेश जायसवाल को दिया गया है. इनके अलावा बजरंग दल जिला संयोजक अभिषेक कुमार, बजरंग दल जिला सह संयोजक मनीष कुमार, जिला उपाध्यक्ष शिव राज सिंह, अजय साहू और विकास मिश्रा बनाये गये हैं जबकि जिला कोषाध्यक्ष प्रवीण कुमार जायसवाल को बनाया गया है.

डीएसपी सत्येंद्र नारायण सिंह ने प्रेसवार्ता कर दी जानकारी

चोरी के सामान के साथ एक युवक को किया गिरफ्तार, भेजा गया जेल

संवाददाता। गढ़वा

धुरकी थाना के निकट राजकीयकृत 2 उच्च विद्यालय के अनुसूचित जाति के छात्रावास से हुई चोरी का खुलासा पुलिस ने कर लिया है. बुधवार को धुरकी थाना में डीएसपी सत्येंद्र नारायण सिंह ने प्रेसवार्ता कर जानकारी दी है. वहीं घटना में शामिल एक युवक को गिरफ्तार किया गया साथ ही चोरी की गई सामान को भी बरामद कर लिया गया.

डीएसपी ने बताया की विद्यालय के प्रधानाध्यापक दिनेश पाठक के द्वारा लिखित शिकायत मिली थी की 15 जून को अज्ञात चोरों ने छात्रावास से करीब 40 बेड, 80 फाइबर की कुर्सी एवं गद्दा की चोरी कर ली गई है. इस संबंध में धुरकी थाना में प्राथमिकी दर्ज करते हुए अनुसंधान शुरू किया गया, जिसमें छापामारी दल में थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार, सब इंस्पेक्टर बिक्कू कुमार रजक, एएसआई शैलेंद्र कुमार, आरक्षी पिंकु कुमार सहित सशस्त्र बल के नेतृत्व में अनुसंधान के क्रम में संदेह के आधार पर अजय कुमार, ग्राम धुरकी को हिरासत में लेकर पूछताछ किया गया. पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपनी संलिप्तता स्वीकार कर लिया. वही आरोपी ने कांड में शामिल रोहित कुमार चंद्रवंशी की भी संलिप्तता बताई है. वही पुलिस ने आरोपी के निशानदेही पर विभिन्न जगहों से लोहे का बेड, 20 पीस गद्दा, 11 पीस प्लास्टिक की कुर्सी, 21 पीस बरामद किया गया है. डीएसपी ने बताया की आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है. वहीं एक फरार अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए छापामारी चलाई जा रही है. प्रेसवार्ता में पुलिस इंस्पेक्टर रतन कुमार सिंह, थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार, एएसआई शैलेंद्र कुमार मौजूद थे.

प्रशंसनीय — सभी एफपीएस में इलेक्ट्रॉनिक पॉइंट ऑफ सेल (ई-पॉस) डिवाइस लगाए गए हैं

राशन से पोषण तक : केंद्र का प्रयास खाद्य सुरक्षा प्रदान करना

संजीव चोपड़ा

चमन प्रकाश, एक उचित दर दुकान (एफपीएस) डीलर हैं, जो उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के प्रताप विहार ब्लॉक में पिछले 11 वर्षों से खाद्यान्न वितरित कर रहे हैं. इस क्षेत्र में एकमात्र एफपीएस डीलर होने के कारण वे 1,500 से अधिक परिवारों को सेवा प्रदान करते हैं. समुदाय में एक विश्वसनीय व्यक्ति के रूप में उनकी प्रतिष्ठा विशेष रूप से कोविड-19 महामारी के कारण हुए व्यवधानों के दौरान और भी महत्वपूर्ण हो गई, जब लाभार्थी अपनी सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) से जुड़ी पात्रताओं पर बहुत अधिक निर्भर थे. प्रकाश, देश भर के उन 5.3 लाख डीलरों में से एक हैं, जो अंतिम छोर तक खाद्यान्न वितरण एजेंट के रूप में कार्य करते हैं और पीडीएस के माध्यम से 80 करोड़ से अधिक व्यक्तियों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं.

इन एफपीएस को राज्य सरकारों द्वारा लाइसेंस दिया जाता है और इनका प्रबंधन भी किया जाता है तथा डीलरों को अपनी दुकानों पर प्रति क्विंटल लेन-देन के आधार पर डीलर मार्जिन के माध्यम से मुआवजा मिलता है. तथापि, एफपीएस के माध्यम से खाद्यान्न वितरण प्रत्ये क माह 7-10 दिनों की अवधि में केंद्रित होता है. माह के शेष दिनों में, ये दुकानें कम उपयोग में रहती हैं, जिससे डीलरों को कोई अतिरिक्त आय का अवसर नहीं मिलता है. एफपीएस में भौतिक और आवश्यक अंतिम छोर तक वितरण नेटवर्क की आर्थिक व्यवहार्यता और स्थिरता को खतरा पहुंचता है.

एक अन्य गंभीर चुनौती लाभार्थियों की पोषण सुरक्षा रही है. वर्तमान में, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग केवल पीडीएस के माध्यम से ऊर्जा देने वाले (एनर्जी रिच) अनाज (चावल और गेहूं) प्रदान करता है, जबकि आबादी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा पोषण संबंधी कमियों का सामना कर रही है. राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5) के आंकड़े उच्च एनीमिया दरों को दर्शाते हैं: 6 से 59 महीने की आयु के बच्चों में 67.1%, 15 से 49 वर्ष की आयु की महिलाओं में 57% और 15 से 49 वर्ष की आयु के पुरुषों में 25%. इसके अतिरिक्त, पांच साल से कम उम्र के बच्चों में स्टंटिंग, वेस्टिंग और कम वजन के मुद्दे बने हुए हैं. अतः, एफपीएस डीलरों के लिए आय के अवसरों को बढ़ाने के साथ-साथ आहार विविधीकरण के माध्यम से जनसंख्या के पोषण संबंधी परिणामों में सुधार लाने जैसे दोहरे दृष्टि कोण (डुअल अप्रोच) की आवश्यकता है.

इन दो चुनौतियों पर काबू पाने के लिए, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ने 60 एफपीएस-गाजियाबाद, जयपुर, अहमदाबाद और हैदराबाद प्रत्येक में 15 एफपीएस को 'जनपोषण केंद्र' (जेपीके) में परिवर्तित करने के लिए एक प्रायोगिक (पायलट) कार्यक्रम शुरू किया है. ये केंद्र, अन्य मदों के अलावा, खुले बाजार की तुलना में प्रतिस्पर्धी कीमतों पर पोषक तत्वों से भरपूर वस्तुओं जैसे मिलेट्स (श्री अन्न), दालें, खाद्य तेल और सोयाबीन की एक विविध रेंज पेश करेंगे. जेपीके का उद्देश्य लाभार्थियों और स्थानीय आबादी के बीच पोषण संबंधी अंतर को दूर करते हुए डीलरों के लिए अतिरिक्त राजस्व स्रोत और बेहतर मार्जिन प्रदान करना है.

एफपीएस का जेपीके में बदलाव चार प्रमुख स्तंभों पर निर्भर करता है: 1. एफपीएस डीलरों के लिए प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण, 2.चालान वित्तपोषण (इन्वॉइस फाइनैन्सिंग) के माध्यम से एफपीएस डीलरों के लिए कार्यशील पूंजी तक पहुंच, 3. बी2बी एग्रीगेटर्स के माध्यम से बाजार संपर्क, और 4. पोषण संबंधी साक्षरता को बढ़ावा देना.

एफपीएस डीलरों की क्षमता बढ़ाने के लिए, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ने राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान (निसबड) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं, जो कौशल विकास मंत्रालय के तहत काम करता है. इस साझेदारी का उद्देश्य वित्तीय साक्षरता, डिजिटल साक्षरता, पोषण संबंधी साक्षरता और व्यवसाय प्रबंधन पर केंद्रित कौशल विकास कार्यक्रम प्रदान करना है. प्रायोगिक (पायलट) कार्यक्रम में भाग लेने वाले एफपीएस डीलरों के लिए प्रशिक्षण सत्र मई और जून 2024 के दौरान दो बैचों में आयोजित किए गए थे.

इसके अतिरिक्त, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ने 'एफपीएस-सहाय', एक मोबाइल एप्लिकेशन जो एफपीएस डीलरों को गैर-पीडीएस वस्तुओं की खरीद के लिए इन्वॉइस फाइनैन्सिंग की अनुमति देता है, को बनाने के लिए भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) के साथ एक और अन्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है. प्रमुख बी2बी एग्रीगेटर्स को इस प्लेटफॉर्म से जुड़ने के लिए आमंत्रित किया गया है ताकि एफपीएस डीलरों के लिए आपूर्ति श्रृंखला (सप्लोई चैन) लिंकेज स्थापित करने में सहायता की जा सके. इसके अलावा, एफपीएस डीलरों को पोषण मित्र के रूप में सेवा देने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, जो लाभार्थियों को पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों के सेवन और संतुलित भोजन बनाने के लाभों पर बुनियादी मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं. इस पहल के साथ, चमन प्रकाश का पेशेवर जीवन परिवर्तन के लिए तैयार है, जिससे उन्हें अपनी पेशकशों में विविधता लाने, अपनी आय बढ़ाने और समुदाय के पोषण स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में सहायता मिलेगी.

(लेखक भारत सरकार के खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के सचिव हैं)

सरकारी शराब दुकान से 12 लाख की चोरी, मामला दर्ज

संवाददाता। पलामू

जिले के छतरपुर थाना से महज आधा किलोमीटर की दूरी पर स्थित सरकारी शराब दुकान से 12 लाख की चोरी का मामला सामने आया है. चोरों ने दुकान से 9.50 लाख की शराब एवं ढाई लाख नगद की चोरी कर ली है. घटना को तीन चोरों ने अंजाम दिया. उनकी तस्वीर सीसीटीवी कैमरे में सामने आई है. शराब और नगद चोरी करने के बाद चोर अल्टो कार से निकल गए. घटना की जानकारी बुधवार सुबह हुई. इस संबंध में संचालक प्रकाश कुमार के द्वारा छतरपुर थाना में मामला दर्ज कराया गया है. घटना की पुष्टि उत्पाद अधीक्षक संजीत देव ने की है. सीसीटीवी फुटेज के अनुसार घटना मंगलवार की रात 12.32 बजे की है. छतरपुर-जपला रोड में उषा पेट्रोल पंप के समीप सरकारी शराब दुकान है. तीन लोग चोरी करने से पहले नगर पंचायत की स्ट्रीट लाइट बुझाते नजर आए हैं. लाइट बुझने के बाद सीसीटीवी में कोई दृश्य कैद नहीं हो पाया है. सुबह में शटर का कुछ हिस्सा कटा नजर आया. भारी मात्रा में शराब और नगद राशि से भरा बॉक्स गायब मिला है.

संचालक प्रकाश कुमार ने बुधवार को बताया कि मंगलवार रात 10 बजे तक दुकान खुली थी. दो दिन के सेल का पैसा बाक्स में रखा हुआ था. कटर से ताले की कड़ी काटी गई और शटर का कुछ हिस्सा तोड़ने के बाद दुकान में रखी 9.50 लाख की शराब और ढाई लाख रुपए से भरा बॉक्स गायब कर दिया गया है. इस संबंध में विभाग को सूचना दे दी गई है.

न्यूज अपडेट

स्कूल कर्मचारी ने की दो की हत्या

साराजेवो (बोस्निया-हर्जेगोविना)। उत्तर-पश्चिमी बोस्निया के एक कस्बे में बुधवार को एक स्कूल कर्मचारी ने गोली मारकर कम से कम दो लोगों की हत्या कर दी और कई अन्य को घायल कर दिया. स्थानीय मीडिया की खबरों में यह जानकारी दी गयी. गोलीबारी कथित तौर पर बोस्निया की राजधानी साराजेवो से लगभग 300 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में सैंस्की मोस्ट के एक माध्यमिक विद्यालय भवन में हुई.

टेक्सास में विमान दुर्घटना में दो मरे

ओडेसा (टेक्सास)। पश्चिमी टेक्सास के पास मंगलवार को एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया. इसमें पायलट और एक यात्री की मौत हो गई तथा एक महिला घायल हो गई. अधिकारियों के अनुसार, प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ओडेसा हवाई अड्डे से उड़ान भरने के बाद विमान अधिक ऊंचाई तक नहीं जा सका और बिजली के खंभे से टकरा गया इसके बाद करीब सात बजे एक गली में दुर्घटनाग्रस्त हो गया.

व्यापारिक जहाज को निशाना बनाया

दुबई। लाल सागर से गुजर रहे एक व्यापारिक जहाज पर बुधवार को कई हमले किये गए, जिसके चलते उसपर अब नियंत्रण नहीं रह गया है. इस हमले को हूती विद्रोहियों ने अंजाम दिया है जो पहले भी लाल सागर में व्यापारिक जहाजों को निशाना बना चुके हैं. बताया कि छोटी-छोटी नौकाओं से आए हमलावरों ने यमन में विद्रोहियों के कब्जे वाले होदेइदिया बंदरगाह से करीब 140 किलोमीटर पश्चिम में जहाज को छोटे हथियारों से निशाना बनाया.

अमेरिका में भारतीय डॉक्टर गिरफ्तार

वाशिंगटन। अमेरिका में कई वर्षों तक बच्चों और महिलाओं की सैकड़ों नग्न तस्वीरें खींचने और वीडियो बनाने के आरोप में 40 वर्षीय एक भारतीय चिकित्सक को गिरफ्तार किया गया है. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार एजाज ने स्नानगृह, कपड़े बदलने की जगह, अस्पताल के कमरों और यहां तक कि अपने घर में भी कई जगहों पर छिपाकर कैमरे लगा रखे थे. उसने दो साल तक के छोटे बच्चों की तस्वीरें लीं और वीडियो बनाए. उसने कई महिलाओं के साथ ऐसे समय में कथित तौर पर यौन संबंध भी बनाए, जब वे बेहोश थीं या सो रही थीं.

लोपेज बेन एफ्लेक से लेंगी तलाक

लॉस एंजिलिस। दो दशक के रिश्ते में रहने और खूब सुर्खियां बटोरने के बाद मशहूर अमेरिकी अभिनेत्री जेनिफर लोपेज ने फिल्म निर्माता बेन एफ्लेक से तलाक लेने का फैसला किया है. हॉलीवुड के 'पावर कपल' कहलाने वाले इस जोड़े को उनके प्रशंसक प्यार से 'बेनिफर' कहते थे. लोपेज ने मंगलवार को तलाक का मुकदमा दर्ज कराया. लोपेज ने बेन से अलग होने की तारीख 26 अप्रैल 2024 दर्ज करायी है.

रुद्रपुर : सड़क हादसे में चार की मौत

रुद्रपुर। उत्तराखंड के ऊधमसिंह नगर के जिला मुख्यालय रुद्रपुर में बुधवार को तड़के एक कार और एक ई-रिक्शा की आमने-सामने हुई टक्कर में एक ही परिवार की तीन महिलाओं समेत चार व्यक्तियों की मृत्यु हो गयी तथा दो अन्य घायल हो गए. जान गंवाने वाली एक महिला गर्भवती थी. पुलिस ने बताया कि अटरिया रोड के पास नैनीताल राजमार्ग पर हुई यह टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ई-रिक्शा के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार चार व्यक्तियों की मौके पर ही मृत्यु हो गयी.

कार-ट्रक के बीच टक्कर, चार की मौत

इटावा। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में बुधवार को राष्ट्रीय राजमार्ग दो पर एक कार के आगे जा रहे ट्रक से जा टकरा जाने से चार लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए. पुलिस सूत्रों ने बताया कि सुबह साढ़े छह बजे आगरा-इटावा-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग दो पर पिलखर गांव के पास दिल्ली से हमीरपुर जा रही एक कार के चालक को नींद आ गई और कार आगे जा रहे ट्रक से जा टकराई. उन्होंने बताया कि टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया.

एसआईटी करेगी यौन शोषण की जांच

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कृष्णागिरि जिले में हाल ही में एक फर्जी राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) शिविर में नाबालिग लड़कियों के कथित यौन शोषण से संबंधित घटनाओं की जांच के लिए एक विशेष जांच दल गठित करने का आदेश दिया है. राज्य सरकार ने बुधवार को बताया कि भारतीय पुलिस सेवा की वरिष्ठ अधिकारी के. भवनेश्वरी विशेष जांच दल (एसआईटी) का नेतृत्व करेंगी. मुख्यमंत्री ने उन्हें मामले की जांच में तेजी लाने और 60 दिनों के भीतर आरोप-पत्र दायर करने का काम सौंपा है.

जहरीली शराब पीने से एक की मौत

बेरहामपुर। ओडिशा में कथित तौर पर नकली देशी शराब पीने से तबीयत बिगड़ने पर एमकेसीजी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में उपचार करवा रहे 15 लोगों में से एक की मंगलवार की रात मौत हो गई. पुलिस ने बताया कि मरने वाले की पहचान चिकिता के निकट जेनापुर के रहने वाले जूरा बेहरा (60) के रूप में की गयी है. वह गंजम जिले के नुआगांव पुलिस थाने के मौंदपुर गांव में सोमवार को कथित तौर पर मिलावटी शराब पीने के बाद बीमार पड़ने वाले उन 20 लोगों में से एक थे.

मौसम : उत्तराखंड के विभिन्न हिस्सों में नदी और नाले उफान पर, राजस्थान व त्रिपुरा में अतिवृष्टि से कई इलाके टापू में तब्दील

केरल में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश, सड़क-रेल यातायात प्रभावित

लगातार न्यूज नेटवर्क

केरल, उत्तराखंड और राजस्थान सहित देश के कई हिस्सों मॉनसून की सक्रियता के बीच बीते 24 घंटों के दौरान भारी बारिश हुई. इसके कारण उत्तराखंड के विभिन्न हिस्सों में नदी और नाले उफान पर हैं, जबकि राजस्थान में बीते चौबीस घंटे में राजधानी जयपुर सहित कई जिलों में भारी बारिश दर्ज की गई. जयपुर, धौलपुर तथा झालावाड़ जिले में कहीं कहीं भारी वर्षा हुई है.सबसे अधिक, 85 मिलीमीटर बारिश जयपुर तहसील में हुई. केरल के कई जिलों में बुधवार तड़के भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण पेड़ उखड़ गए, विभिन्न हिस्सों में संपत्ति को नुकसान पहुंचा, यातायात प्रभावित हुआ तथा बिजली गुल हो गई. भारत मौसम विज्ञान विभाग ने सुबह के समय इडुक्की, एर्नाकुलम और त्रिशूर जिले में 50 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवा चलने के साथ-साथ मध्यम से मूसलाधार वर्षा होने का पूर्वानुमान किया था. संबंधित जिलों के प्रशासन ने बताया कि तेज हवाओं के कारण पेड़ उखड़ने से कोट्टायम और अलप्पुझा के बीच रेल परिचालन अवरुद्ध हो गया. केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने कहा कि निचले इलाकों और नदी तट के कई हिस्सों में बाढ़ आने, बिजली आपूर्ति बाधित होने, मकानों को आंशिक नुकसान पहुंचने और भूस्खलन होने की आशंका है. मंगलवार को आईएमडी ने राज्य के छह जिलों में 'ऑरेंज अलर्ट' और बुधवार के लिए शेष जिलों में 'येलो अलर्ट'' जारी किया था.

त्रिपुरा में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश की वजह से कई जिले बाढ़ की चपेट में

त्रिपुरा में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश की वजह से कई जिले बाढ़ की चपेट में हैं. नदियां उफान पर है. चारों तरफ तबाही का मंजर है. बारिश, बाढ़ और भूस्खलन की वजह से हुए अलग-अलग हादसों में करीब सात लोगों की जान जा चुकी है. और कई लोग लापता बताए जा रहे हैं, कई गांव बाढ़ के पानी में डूब गए हैं, लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है.

उत्तराखंड : तेज बहाव में युवक बहा, एक लापता

उत्तराखंड के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश के कारण नदी और नाले उफान पर हैं. नाले में पानी के तेज बहाव में एक युवक बह गया जबकि एक अन्य लापता हो गया. राज्य के आपातकालीन जानकारी के अनुसार नैनीताल जिले के कोटाबाग में मंगलवार देर शाम फतेहपुर नाले में पानी के तेज बहाव के कारण मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति बह गया. राज्य आपदा प्रतिवादन बल की टीम ने शव बरामद किया. एक अन्य घटना में देहरादून जिले के पुरुकुल गांव के पास नदी में एक युवक बह गया जबकि दूसरे को स्थानीय लोगों ने बचा लिया.

बच्चियों का यौन शोषण : विरोध-प्रदर्शन के बीच बदलापुर में इंटरनेट सेवा बंद

स्कूल प्रबंधन ने घटना को छुपाया

लगातार न्यूज नेटवर्क

महाराष्ट्र में ठाणे जिले के बदलापुर में दो बच्चियों के कथित यौन उत्पीड़न के खिलाफ व्यापक पैमाने पर प्रदर्शनों के मद्देनजर बुधवार को शहर में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गईं और अधिकतर स्कूल बंद रहे. इसी बीच, महाराष्ट्र राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने आरोप लगाते हुए कहा कि स्कूल ने अभिभावकों की मदद करने के बजाय मामले को छुपाने की कोशिश की. वहीं एमवीए ने घटना के विरोध में 24 अगस्त को 'महाराष्ट्र बंद' का आह्वान किया है, जबकि पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की नेता सुप्रिया सुले ने उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के इस्तीफे की मांग की. उन्होंने बदलापुर की घटना की निंदा करने के लिए आयोजित एक विरोध प्रदर्शन से इतर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार पर महिला सुरक्षा के मुद्दे पर गंभीर नहीं होने का आरोप लगाया. उन्होंने दावा किया कि सरकार तो पार्टियों को तोड़ने में व्यस्त है, लिहाजा उसके पास आम लोगों के लिए समय नहीं है. वहीं मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इस मामले में विरोध प्रदर्शन को राजनीति से प्रेरित बताते हुए कहा कि अधिकतर प्रदर्शनकारी बाहरी हैं. मंगलवार को विरोध प्रदर्शन के दौरान रेलवे स्टेशन और बदलापुर के अन्य हिस्सों में पथराव की घटनाओं में शहर पुलिस के कम से कम 17 कर्मी और करीब आठ रेलवे पुलिसकर्मी घायल हो गए और जांचकर्ताओं ने हिंसा के सिलसिले में 72 लोगों को गिरफ्तार किया है. अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने बताया कि कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए शहर में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है तथा स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है.

बदलापुर की घटना पर सुले ने मांगा फडणवीस का इस्तीफा

एमवीए ने 24 अगस्त को 'महाराष्ट्र बंद' का आह्वान किया

महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाडी (एमवीए) ने बुधवार को ठाणे जिले के बदलापुर स्थित एक स्कूल में दो बच्चियों के कथित यौन उत्पीड़न की घटना के विरोध में 24 अगस्त को 'महाराष्ट्र बंद' का आह्वान किया. राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार ने बताया कि एमवीए के घटक दलों- कांग्रेस, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे (शिवसेना-यूबीटी) और शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार (राकांपा- एसपी) ने यहां एक बैठक में यह निर्णय लिया. उन्होंने कहा कि एमवीए के सभी सहयोगी दल 24 अगस्त को बंद में भाग लेंगे. उन्होंने कहा, 'हमने राज्य में महिलाओं की सुरक्षा के मुद्दे और भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) के नेतृत्व वाली 'महायुति' सरकार के सभी मोर्चों पर विफल रहने पर चर्चा की.'

मिमी चक्रवर्ती ने कहा- डॉक्टरों का समर्थन किया तो मुझे मिल रहीं रेप की धमकियां

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की पूर्व सांसद और बांग्ला अभिनेत्री मिमी चक्रवर्ती का दावा है कि उन्हें ऑनलाइन रेप की धमकियां मिल रही हैं. उन्होंने कहा कि इसके पीछे की वजह उनका कोलकाता में डॉक्टरों के विरोध-प्रदर्शन का समर्थन करना है. मिमी चक्रवर्ती ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर खुद को मिली धमकियों के स्क्रीनशॉट शेयर किए. उनका कहना है कि हाल के वक़्त में उन्हें ऐसे धमकी भरे कई कमेंट्स मिले हैं. उन्होंने अपनी पोस्ट में कोलकाता पुलिस की साइबर क्राइम डिविजन को टैग किया. पोस्ट के कैप्शन में मिमी ने लिखा, "और हम महिला अधिकारों के लिए न्याय की मांग कर रहे हैं? ये उनमें से कुछ हैं. भीड़ में खड़े नकाबपोश पुरुषों ने बलात्कार की धमकियों को सामान्य बना दिया है. कौन सी परवरिश और शिक्षा ऐसा करने की इजाज़त देती है."

स्कूल ने अभिभावकों की मदद करने के बजाय मामले को छुपाने की कोशिश की : महाराष्ट्र राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष सुसीबेन शाह ने बुधवार को कहा कि बदलापुर के जिस स्कूल में दो बच्चियों का कथित तौर पर यौन शोषण किया गया था, उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराने में पीड़िताओं के माता-पिता की मदद करने के बजाय अपराध को छुपाने की कोशिश की. शाह ने मामले की गंभीरता पर जोर देते हुए कहा कि दो बच्चियों के कथित यौन शोषण का यह मामला स्पष्ट रूप से पॉक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अधिनियम के तहत आता है. राज्य बाल अधिकार आयोग प्रमुख ने बताया कि घटना का पता चलने के बाद उन्होंने माता-पिता की चिंताओं को लेकर ठाणे जिला बाल संरक्षण इकाई से संपर्क किया. शाह ने कहा, 'वे (बाल संरक्षण इकाई) उन्हें शिकायत दर्ज कराने के लिए पुलिस के पास ले गए. जब मैंने स्कूल प्रबंधन से मामले के बारे में पूछा, तो उन्होंने इसे छिपाने की कोशिश की.

इलाहाबाद हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी

किसी भी धर्म का पुजारी नहीं करा सकता जबरन धर्मांतरण

लगातार ।न्यूज नेटवर्क

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने धर्मांतरण को लेकर अपनी चिंता व्यक्त करते हुए बड़ी टिप्पणी की है. जस्टिस रोहित रंजन अग्रवाल की सिंगल बेंच ने मो शाने आलम नाम के शख्स को जमानत देने से इंकार करते हुए कहा कि किसी भी धर्म का व्यक्ति, चाहे उसे किसी भी नाम से पुकारा जाए जैसे फादर, कर्मकांडी, मौलवी या मुल्ला, अगर वो किसी व्यक्ति का जबरन गलतबयानी, धोखाधड़ी, अनुचित प्रभाव, जबरदस्ती और प्रलोभन देकर धर्मांतरण नहीं करा सकता है. अगर, वो ऐसा करता है, तो धर्मांतरण विरोधी अधिनियम के तहत जिम्मेदार होगा.

मौलाना पर एक पीड़िता को जबरन इस्लाम में परिवर्तित करने और एक मुस्लिम व्यक्ति के साथ उसका निकाह कराने का आरोप है. आरोपी याची शाने आलम के खिलाफ गाजियाबाद के थाना अंकुर विहार में यूपी गैरकानूनी धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था. इस मामले में याची ने अपनी जमानत के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी.

कोर्ट ने आदेश में क्या कहा?

अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि अधिनियम, 2021 की धारा 8 में प्रावधान है कि कोई भी व्यक्ति जो अपना धर्म परिवर्तन करना चाहता है उसे शेड्यूल-वन में निर्धारित प्रपत्र में कम से कम साठ दिन पहले एक घोषणा पत्र देना होगा. इसके लिए उसे जिला मजिस्ट्रेट या अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट के यहां आवेदन करना होगा. विशेष रूप से जिला मजिस्ट्रेट द्वारा अधिकृत किया जाएगा कि वो अपना अपनी स्वतंत्र सहमति से और बिना किसी बल, दबाव, अनुचित प्रभाव या प्रलोभन के धर्म परिवर्तन करना चाहता है.

याची के वकील ने कोर्ट में दलील दी कि आवेदक शाने आलम मौलाना यानी धार्मिक पुजारी है और उसने केवल आरोपी अमान के साथ पीड़िता का निकाह कराया था, पीड़ित महिला को जबरन इस्लाम में धर्म परिवर्तन नहीं कराया था.

इजराइल और हमास में नहीं हो पाया समझौता

यरूशलम। गाजा में युद्ध शुरू होने के बाद से अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन की पश्चिम एशिया की नौवीं यात्रा समाप्त हो गई, लेकिन इस दौरान इजराइल और हमास के बीच संघर्ष-विराम समझौता नहीं हो सका. वहीं हमास ने मंगलवार को कहा कि यह प्रस्ताव उसके द्वारा पहले जताई गई सहमति के विपरीत है. उसने अमेरिका पर इजराइल की नयी शर्तों को स्वीकार करने का आरोप लगाया. मिस्र में बैठकें करने से पहले ब्लिंकन ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से भी मुलाकात की. हमास और इजराइल द्वारा चुनौतियां बरकरार रहने के संकेत दिए जाने के बीच ब्लिंकन ने कहा कि समझौते को इसी 'समय करना बहुत महत्वपूर्ण है.'

प्रौद्योगिकी का उपयोग जनहित में किया जाना चाहिए: राष्ट्रपति

- **द्रौपदी मुर्मू बोलीं- भारत चौथी औद्योगिकी क्रांति की चुनौतियों का सामना करने, इसका फायदा उठाने के लिए तैयार**

एजेंसी।फरीदाबाद

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि भारत चौथी औद्योगिक क्रांति से पैदा हुई चुनौतियों का सामना करने और इससे उत्पन्न अवसरों का फायदा उठाने के लिए तैयार है. मुर्मू ने यहां जे सी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के पाचवें दीक्षांत समारोह में कहा कि प्रौद्योगिकी का उपयोग उचित तथा सतत विकास और जनहित के लिए किया जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया चौथी औद्योगिक क्रांति के दौर में है. उन्होंने कहा कि भारत भी इस क्रांति की चुनौतियों का सामना करने और इसके अवसरों का लाभ उठाने के लिए तैयार है. राष्ट्रपति ने कहा कि इस राष्ट्रीय लक्ष्य को हासिल करने में जे सी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होगी. राष्ट्रपति ने कहा कि इस विश्वविद्यालय ने पिछले कुछ वर्षों में कई औद्योगिक और शैक्षणिक संस्थानों के साथ समझौते किए हैं. उन्होंने कहा कि बहुत-सी बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करने के लिए इस विश्वविद्यालय के परिसर में उत्कृष्टता केंद्र भी स्थापित किए हैं. मुर्मू ने कहा कि वर्तमान में प्रौद्योगिकी के विकास के कारण प्रगति के अनेक रास्ते खुल गए हैं. राष्ट्रपति ने युवाओं को कुशल और आत्म-निर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए इस विश्वविद्यालय की सराहना की.

हसीना व उनके सहयोगियों के खिलाफ एक और मुकदमा

ढाका। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और 86 अन्य के खिलाफ सिलहट शहर में एक जुलूस पर हमला करने के मामले में बुधवार को प्राथमिकी दर्ज की गई. इस महीने की चार तारीख को बड़े पैमाने पर हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान कई लोग गोली लगने से घायल हो गए थे. इस मामले के साथ ही हसीना पर अब 33 मुकदमे दर्ज हो गए हैं, जिनमें 27 हत्या के, चार मानवता के खिलाफ अपराध और नरसंहार के तथा एक अपहरण का मामला शामिल है. हसीना ने देश में हिंसक प्रदर्शनों के बीच इस्तीफा दे दिया था. जातीयतावादी छात्र दल की सिलहट शहर इकाई के कार्यवाहक अध्यक्ष जुबेर अहमद ने सिलहट मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट सुमन भुइया की अदालत में मामला दर्ज कराया. हसीना की बहन शेख रेहाना को भी इस मामले में आरोपी बनाया गया है.

डीएनसी : पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने किया कमला हैरिस का समर्थन

'नए चैप्टर' के लिए तैयार है अमेरिका

कमला के पति बोले

- **उनकी पत्नी महान राष्ट्रपति बनेंगी, सभी को उन पर गर्व होगा**

एजेंसी।शिकागो

अमेरिका के शिकागो में हो रहे डेमोक्रेटिक पार्टी के नेशनल कन्वेंशन (डीएनसी) में मंगलवार को पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने डोनाल्ड ट्रंप को खतरनाक बताते हुए राष्ट्रपति जो बाइडन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की तारीफ़ की. वहीं कमला हैरिस के पति डगलस एमहॉफ ने कहा कि उनकी पत्नी एक महान राष्ट्रपति बनेंगी, जिन पर पूरे अमेरिका को गर्व होगा. एमहॉफ (59) ने डीएनसी में उत्साहित भीड़ को अपना परिचय 'फर्स्ट-सेकंड जेंटलमैन' के रूप में कराया. ओबामा ने डोनाल्ड ट्रंप को लेकर कहा, "डोनाल्ड ट्रंप ने प्रवासियों से जुड़े उन समझौतों को ख़त्म कर दिया, जिससे हमारी दक्षिणी सीमा को सुरक्षित करने में मदद मिलती. ट्रंप ने ऐसा इसलिए किया क्योंकि उन्होंने सोचा कि समस्या को वास्तव में हल करने की कोशिश करने से उनके अभियान को नुकसान होगा." ओबामा ने कमला हैरिस को लेकर कहा, 'अमेरिका नए चैप्टर के लिए तैयार है. हम कमला हैरिस के लिए तैयार हैं. कमला हैरिस भी तैयार हैं. दुनिया देख रही है कि नवंबर में होने वाले चुनाव में क्या होगा. देश के अधिकतर लोग उस देश में नहीं रहना चाहते जो विभाजित हो. हम कुछ अच्छा चाहते हैं.' कहा, "हमारा काम लोगों को ये विश्वास दिलाना है कि लोकतंत्र बहुत कुछ कर सकता है और कमला हैरिस ये अच्छे से समझती हैं." पांच नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में उनका मुकाबला रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप से होगा.

जो बाइडन ने बहुत खतरे के समय में लोकतंत्र की रक्षा की

बराक ओबामा ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की भी प्रशंसा की और कहा कि वे "राजनीति में सबसे दुर्लभ काम करने के लिए इतने निस्वार्थ हैं, कि उन्होंने देश की खातिर अपनी महत्वाकांक्षा को किनारे रख दिया." ओबामा ने कहा, "इतिहास जो बाइडेन को एक ऐसे उत्कृष्ट राष्ट्रपति के रूप में याद रखेगा, जिन्होंने बहुत खतरे के समय में लोकतंत्र की रक्षा की. मुझे उन्हें अपना राष्ट्रपति कहने पर गर्व है, लेकिन उन्हें अपना मित्र कहने पर और भी ज्यादा गर्व है."

देश की अगले राष्ट्रपति के तौर पर कमला को चुनें : बर्नी सैंडर्स

सीनेटर बर्नी सैंडर्स ने कमला हैरिस समर्थन किया. उन्होंने कामकाजी वर्ग के अमेरिकियों के लिए एक प्रगतिशील आर्थिक एजेंडा पेश करने और बड़े पैमाने पर कॉर्पोरेट लालच पर काबू पाने के महत्व के बारे में बात करते हुए कहा, 'हमें ऐसी अर्थव्यवस्था की जरूरत है, जो हम सभी के लिए काम करे, न कि महज अरबपति वर्ग के लालच को पूरा करने के लिए. हममें से 60 प्रतिशत लोग तनख्वाह पर निर्भर रहते हैं, जबकि शीर्ष एक प्रतिशत लोगों के साथ ऐसा कभी नहीं रहा.'

कमला हैरिस के पति ने मंच पर साझा की प्रेम कहानी

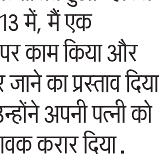

अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस के पति डगलस एमहॉफ ने अपनी प्रेम कहानी साझा की और याद किया कि कैसे 2013 में एक 'ब्लाइंड डेट' पर उनके बीच प्रेम की शुरुआत हुई और कमला के लिए एक अजीब 'वॉइस मैसेज' छोड़ा था, जिसे वह उनकी शादी की हर सालगिरह पर सुनाती हैं. मंगलवार रात यहां डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन में मंच पर एमहॉफ ने यह किस्सा साझा किया, ताकि वह हैरिस के लिए समर्थन जुटा सकें. उन्होंने बताया कि उन्हें वकालत का पेशा बहुत पसंद है. वह बेटे कोल और बेटी एला के पिता बने, (पूर्व पत्नी) से तलाक लिया और फिर 'कुछ अप्रत्याशित हुआ' हैरिस के साथ एक 'ब्लाइंड डेट' पर गए. एमहॉफ ने कहा, '2013 में, मैं एक मुवक्किल से विवादास्पद मुलाकात करने गया। हमने मुद्दे पर काम किया और बैठक के अंत में प्रसन्न मुवक्किल ने मुझे 'ब्लाइंड डेट' पर जाने का प्रस्ताव दिया और इस तरह मुझे कमला हैरिस का फोन नंबर मिला.' उन्होंने अपनी पत्नी को एक 'योद्धा' और उनके बच्चों को प्यार करने वाली अभिभावक करार दिया.

रूस-यूक्रेन युद्ध रूसी क्षेत्र में यूक्रेन के हमलों के बीच पुतिन ने किया चेचन्या का दौरा, कहा

स्वयंसेवी लड़ाकों के रहते रूस को कोई हरा नहीं सकता

एजेंसी।मॉस्को

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मंगलवार को रूसी संघ के भीतर मुख्य रूप से मुस्लिम गणराज्य चेचन्या का अचानक दौरा किया. यह लगभग पिछले 13 साल में चेचन्या का उनका पहला दौरा है. यह दौरा ऐसे समय में हुआ है, जब यूक्रेन सीमा पार से पश्चिमी रूस में तीन सप्ताह से लगातार हमले कर रहा है. रूस के कुर्स्क क्षेत्र में कीव के आक्रमण से युद्ध की दिशा बदल रही है और यूक्रेन की युद्ध से थकी हुई जनता का मनोबल बढ़ रहा है. हालांकि, इस आक्रमण के अंतिम परिणाम की भविष्यवाणी करना अभी संभव नहीं है. द्वितीय विश्व युद्ध के बाद रूस पर किया गया यह पहला हमला है. पुतिन का स्वागत चेचन्या के स्वयंभू दबंग नेता रमजान कादिरोव ने किया. पुतिन ने वहां विशेष बल अकादमी का दौरा किया और यूक्रेन में तैनात होने से पहले वहां प्रशिक्षण लेने वाले स्वयंसेवी लड़ाकों से बातचीत की. इस अकादमी का नाम पुतिन के नाम पर रखा गया है. रूस की सरकारी एजेंसियों की रिपोर्ट के अनुसार, पुतिन ने इन स्वयंसेवी लड़ाकों की प्रशंसा की और कहा कि जब तक रूस के पास उनके जैसे लोग हैं, तब तक उसे 'कोई हरा नहीं' सकता. कादिरोव ने अपने आधिकारिक 'टेलीग्राम' पर एक पोस्ट में कहा कि मॉस्को द्वारा यूक्रेन में अपना 'विशेष सैन्य अभियान' शुरू किए जाने के बाद से स्वयंसेवकों सहित 47,000 से अधिक लड़ाके इस केंद्र में प्रशिक्षण ले चुके हैं. चेचन्या के लड़ाके यूक्रेन के साथ संघर्ष में दोनों पक्षों की ओर से लड़ रहे हैं. सोवियत संघ के पतन के बाद स्वतंत्रता समर्थक लड़ाकों का रूसी सरकारी बलों के साथ कई वर्षों तक युद्ध चला. दिवंगत चेचन नेता जोखर दुदायेव के प्रति वफादार कीव समर्थक स्वयंसेवक पुतिन और कादिरोव का समर्थन करने वाली चेचन सेना के कट्टर दुश्मन हैं. जोखर आजादी समर्थक नेता थे. पुतिन कादिरोव के पिता एवं पूर्व चेचन नेता अखमत कादिरोव की कब्र, एक कमांड पोस्ट और ग्रोज्नी की एक मस्जिद में भी गए.

यूक्रेन का रूस पर अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला

इसी बीच, रूसी प्राधिकारियों ने बुधवार को कहा कि यूक्रेन ने 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद से पहली बार मॉस्को पर सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया और उसके सभी ड्रोन नष्ट कर दिए गए हैं. रूस के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि मॉस्को ने रातभर में यूक्रेन के 45 ड्रोन नष्ट कर दिए. उसने बताया कि 11 ड्रोन मॉस्को क्षेत्र के ऊपर नष्ट किए गए, 23 ड्रोन ब्रायंस्क क्षेत्र, छह बेलगोरोद, तीन कलुगा और दो कुर्स क्षेत्र में नष्ट किए गए. मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबियानिन ने अपने टेलीग्राम चैनल पर कहा, 'ड्रोन के जरिए मॉस्को पर हमला करने की यह अब तक की सबसे बड़ी कोशिशों में से एक थी.' उन्होंने कहा कि राजधानी मॉस्को के आसपास बनायी गयी मजबूत रक्षा प्रणाली के कारण सभी ड्रोन नष्ट कर दिए गए.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)